बिहार लोक सेवा आयोग

सामान्य अध्ययन

अध्यायवार सॉल्वड पेपर्स

प्रधान सम्पादक
ए.के. महाजन

लेखन एवं संकलन
परीक्षा विशेषज्ञ समिति

कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण त्रिपाठी एवं पंकज कुशवाहा

सम्पादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com

© All rights reserved with Publisher

प्रकाशन घोषणा

प्रधान सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने E:Book by APP Youth Prime BOOKS, से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन्स प्रा. लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।

इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है

फिर भी किसी त्रुटि के लिए सम्पादक एवं प्रकाशक जिम्मेदार नहीं होगा।

किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

❒ इतिहास..7-144

A **प्राचीन भारत का इतिहास** **7-36**

1. प्रागैतिहासिक काल 7
2. सैन्धव सभ्यता........................8
3. वैदिक सभ्यता........................10
4. बौद्ध, जैन, भागवत एवं शैव धर्म 12
5. सोलह महाजनपद........................16
6. मौर्य एवं मौर्योत्तर काल........................18
7. संगम काल 24
8. गुप्तकाल एवं गुप्तोत्तर काल 25
9. 800 ई. से 1200 ई. तक की राजनैतिक-सामाजिक स्थिति........................30
10. विविध........................32

B **मध्यकालीन इतिहास** **37-55**

1. दिल्ली सल्तनत.......... 37
2. खिलजी वंश 39
3. तुगलक वंश........................41
4. सैयद वंश 42
5. लोदी वंश........................42
6. विविध (सल्तनतकालीन)........................42
7. बहमनी राजवंश........................43
8. विजयनगर साम्राज्य........................43
9. 15वीं और 16वीं शताब्दियों के धार्मिक आंदोलन........................44
10. मुगल साम्राज्य (प्रशासन व वित्त व्यवस्था, संस्कृति एवं कला) 47
11. विविध (मुगलकालीन)........................53
12. मराठा राज्य और संघ........................54

C **आधुनिक भारत का इतिहास** **56-144**

1. मुगल साम्राज्य का पतन और स्वायत्त राज्यों का उदय........................56
2. यूरोपीय वाणिज्यिक कंपनियों का भारत आगमन........................57
3. ईस्ट इंडिया कंपनी और क्षेत्रीय राज्य........................58
4. ब्रिटिश शासन का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव........................60
5. 1857 का विद्रोह........................62
6. अन्य जन आंदोलन (1757-1857 तक)........................67
7. भारत में शिक्षा का विकास........................69
8. भारतीय समाचार पत्रों का इतिहास एवं पुस्तकें 71
9. 19वीं शताब्दी में सामाजिक एवं सांस्कृतिक जागरण........................78
10. किसान विद्रोह एवं आंदोलन........................85
11. कांग्रेस की पूर्ववर्ती संस्थाएँ........................90
12. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस तथा अन्य संस्थाएं 91
13. बंगाल विभाजन एवं स्वदेशी आंदोलन 98
14. मुस्लिम लीग एवं होमरूल लीग आंदोलन........................100
15. क्रांतिकारी गतिविधियाँ/साम्यवादी आंदोलन 103
16. रौलेट एक्ट, खिलाफत एवं असहयोग आंदोलन 108
17. सविनय अवज्ञा, गांधी-इरविन समझौता एवं गोलमेज सम्मेलन 114
18. भारत छोड़ो आंदोलन तथा स्वतंत्रता एवं विभाजन........................119
19. सुभाषचन्द्र बोस एवं आइ.एन.ए. 127
20. भारत के गवर्नर/गवर्नर जनरल/वायसराय........................128
21. रियासतों का एकीकरण 134
22. विविध........................135

TEAM SPY

❐ भूगोल..145-231

A भारत का भूगोल...145-200

1. सामान्य परिचय 145
2. पर्वतीय, पठारी एवं मैदानी क्षेत्र तथा प्रमुख दर्रे 149
3. अपवाह तंत्र, प्रमुख घाटियाँ, प्रपात एवं झीले..156
4. मानसून एवं वर्षा 164
5. वन क्षेत्र 166
6. प्राकृतिक आपदायें 168
7. चट्टान व शैल एवं मृदा...170
8. सिंचाई एवं नदी घाटी परियोजनाएं...172
9. खनिज एवं ऊर्जा संसाधन...176
10. उद्योग एवं व्यापार 184
11. परिवहन...187
12. कृषि एवं पशुपालन 190
13. मानव प्रजातियां 196
14. विविध...197

B विश्व का भूगोल...201-231

1. ब्रह्मांड एवं सौर मण्डल...201
2. अंक्षाश एवं देशांतर रेखाएं...205
3. विश्व के महाद्वीप, देश, राजधानी एवं सीमाएं..207
4. भूगार्भिक इतिहास एवं शैलतंत्र..210
5. पर्वत, पठार तथा मरूस्थल..211
6. ज्वालामुखी एवं भूकम्प 213
7. अपवाह एवं नदियों के किनारे स्थित नगर..215
8. महासागरएवं महासागरीय जलधारायें...216
9. जलसंधियां एवं महासागरीय गर्त 218
10. खाड़ी एवं द्वीप..219
11. वायुमण्डल का संघटन...220
12. वायुदाब, आर्द्रता एवं पवन संचार तथा चक्रवात..220
13. जलवायु एवं घास के मैदान..222
14. वन एवं मृदा 223
15. खनिज एवं ऊर्जा संसाधन...224
16. मानव प्रजातियां 226
17. परिवहन...227
18. कृषि एवं पशुपालन 227
19. विविध...228

❐ जनसंख्या नगरीकरण 232-238

❐ पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी..239-256

❐ भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था 257-320

1. भारतीय संविधान का विकास एवं संविधान सभा 257
2. भारतीय संविधान की उद्देशिका, संघ एवं राज्य क्षेत्र, भारतीय संविधान के स्रोत, अनुच्छेद, अनुसूची एवं नागरिकता..........261
3. मूल अधिकार, राज्य के नीतिनिदेशक तत्व, मूल कर्त्तव्य...269
4. राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मंत्रिपरिषद, महान्यायवादी, संसद (राज्य सभा और लोकसभा)...........277
5. संघ की न्यायपालिका, भारत का नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक...............................293
6. राज्य की कार्यपालिका 296
7. राज्यों के उच्च न्यायालय, अधीनस्थ न्यायालय, संघ राज्य क्षेत्र..................................300
8. पंचायत, नगरपालिका, सहकारी समितिया 300
9. प्रमुख आयोग एवं समितियाँ 306
10. अनुसूचित जाति एवं जनजाति, संघ-राज्य संबंध...307
11. लोक सेवा आयोग, निर्वाचन आयोग, राजभाषा...308
12. आपात उपबंध, संविधान संशोधन 310
13. विविध...314

❑ भारतीय अर्थव्यवस्था 321-376
1. गरीबी एवं बेरोजगारी 321
2. आार्थिक नियोजन एवं राष्ट्रीय आय/बजट 325
3. कृषि उद्योग एवं व्यापार एवं आधारभूत संरचना 338
4. मुद्रा/बैंकिंग एवं कर प्रणाली, केन्द्र राज्य वित्तीय सम्बन्ध 344
5. भारत का विदेश व्यापार एवं आर्थिक संगठन, शेयर बाजार 358
6. विकासशील एवं विकसित अर्थव्यवस्था 362
7. भारतीय कृषि 364
8. विविध 369

❑ विज्ञान 377-518

A भौतिक विज्ञान 377-421
1. भौतिक राशियाँ/मात्रक/मापन 377
2. यांत्रिकी 381
3. ध्वनि/तरंग गति 386
4. ऊष्मा एवं तापमान 390
5. प्रकाश 395
6. विद्युत/इलेक्ट्रानिक्स 406
7. चुम्बकत्व 412
8. आधुनिक एवं परमाणु भौतिकी 414
9. खगोलिकी/गुरूत्वाकर्षण 417
10. विविध 419

B रसायन विज्ञान 422-463
1. भौतिक रसायन 422
2. अकार्बनिक रसायन 433
3. कार्बनिक रसायन 446
4. विविध 456

C जीव विज्ञान 464-510
1. जीव विज्ञान का परिचय और उसकी प्रमुख शाखाएँ 464
2. कोशिका व कोशिका संरचना, विभाजन 464
3. पोषक पदार्थ 467
4. आनुवंशिकी तथा विकास 470
5. जीव जगत का वर्गीकरण 474
5i. मॉनेरा जगत 475
5ii. प्रोटिस्टा जगत 475
5iii. कवक जगत 475
5iv. पादप जगत 476
5v. जन्तु जगत 478
6. पादप आकारिकी 481
7. पादप कार्यकीय/पौधों में जनन 484
8. मानव शरीर के तंत्र 488
9. मानव रोग एवं उपचार 499
10. विविध 508

D विज्ञान और प्रौद्योगिकी 511-518

❑ प्रादेशिक सामान्य-ज्ञान 519-581
❑ विविध 582-613
❑ सामान्य गणित एवं तर्कशक्ति 614-704

TEAM SPY

प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण

बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व परीक्षा प्रश्न-पत्रों का विश्लेषण चार्ट

क्र.	परीक्षा का नाम एवं परीक्षा वर्ष	कुल परीक्षा प्रश्न
	बिहार लोक सेवा आयोग	
A.	BPSC (Pre) 38वीं, परीक्षा 1992	1×100 = 100
	BPSC (Pre) 39वीं-69वीं परीक्षा 1994-2023 BPSC (Pre) 65वीं, 66वीं, 67वीं पुर्नपरीक्षा 2021	20×150 = 3000 3×150 = 450
B.	BPSC 25वीं न्यायिक (Pre) परीक्षा	1×50 = 50
	BPSC 27वीं, 28वीं, 29वीं, 30वीं, 31वीं, 32वीं,2022 न्यायिक (Pre) परीक्षा	6×100 = 600
C.	BPSC सहायक अभियोजन अधिकारी (Pre) परीक्षा 2009, 2011, 2012, 2013, 2020	5×100 = 500
D.	BPSC (Pre) CDPO परीक्षा 1998, 2005, 2018, 2021	4×150 = 600
E.	BPSC (Pre) सांख्यिकी अधिकारी परीक्षा, 2016, 2021	2×150 = 300
F.	BPSC (Pre) ऑडिटर परीक्षा, 2020, 2021	2×150 = 300
G.	BPSC सहायक परीक्षा 2014, 2019, 2022, 2022 (Mains)	4×150 = 600
H.	BPSC LDC (Pre) परीक्षा 2021	1×150 = 150
I.	BPSC LDC (Mains) परीक्षा 2021	1×150 = 150
J.	BPSC AE (Pre & Mains) परीक्षा 1995, 2001, 2006, 2012, 2017, 2022	12×100 = 1200
K.	BPSC Assistant Audit Officer (Pre) परीक्षा 2021	1×150 = 150
L.	BPSC Moter Vehicle Inspector परीक्षा 2021	1×100 = 100
M.	BPSC Project Manager परीक्षा 2020	1×150 = 150
N.	BPSC Head Master & Head Teacher परीक्षा 2021, 2024	3×150 = 450
O.	BPSC District Art Culture Officer परीक्षा 2021	1×150 = 150
P.	BPSC Assistant Public Sanitary & Waste Management Officer परीक्षा 2021	1×125 = 125
Q.	BPSC Assistant Town Planning Supervisor परीक्षा 2022	1×125 = 125
R.	BPSC Mineral Development Officer परीक्षा 2020	1×100 = 100
S.	BPSC School Teacher TRE परीक्षा 2023 Class- 1 to 5, Class 9 to 10, Class 11 to 12	2×120 = 240 2×40 = 80
T.	BPSC School Teacher TRE 2.0 परीक्षा 2023 Class- 1 to 5, Class 6 to 8, Class 9 to 10, Class 11 to 12	1×120 = 120 8×40 = 320
U.	BPSC School Teacher TRE 3.0 (Cancelled) परीक्षा 2024 Class- 1 to 5, Class 6 to 8	1×120 = 120 1×40 = 40
V.	BPSC School Teacher TRE 3.0 (Re-Exam) परीक्षा 2024 Class- 1 to 5, Class 6 to 8, Class 9 to 10, Class 11 to 12	1×120 = 120 3×40 = 120
W.	BPSC Agriculture 2024	1×100 = 100
X.	BPSC Block Horticulture Officer 2024	1×100 = 100

नोट- उपरोक्त प्रश्न-पत्रों के सम्यक विश्लेषण के उपरान्त सामान्य अध्ययन से सम्बन्धित कुल **10710** प्रश्नों को अध्यायवार प्रस्तुत किया गया है ताकि प्रश्न पूछने की तकनीकि का प्रतियोगियों को लाभ मिल सके।

Trend Analysis of Previous Year Papers through Pie Chart and Bar Graph

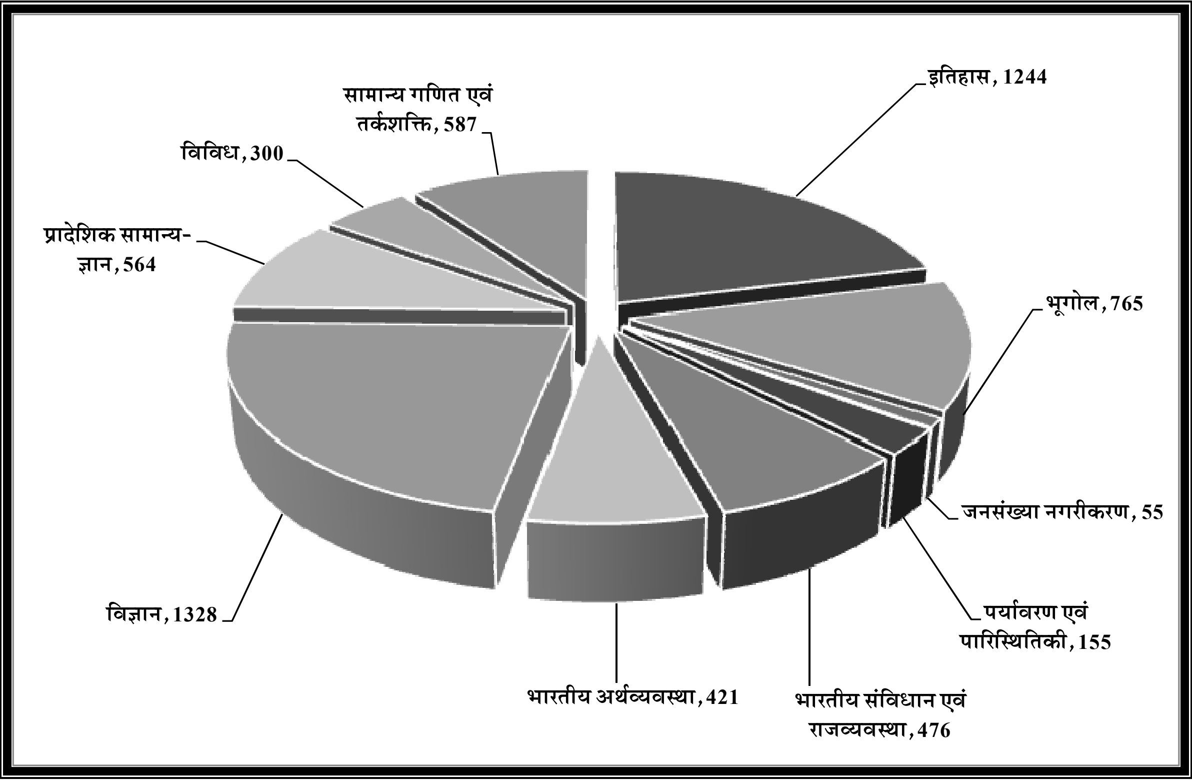

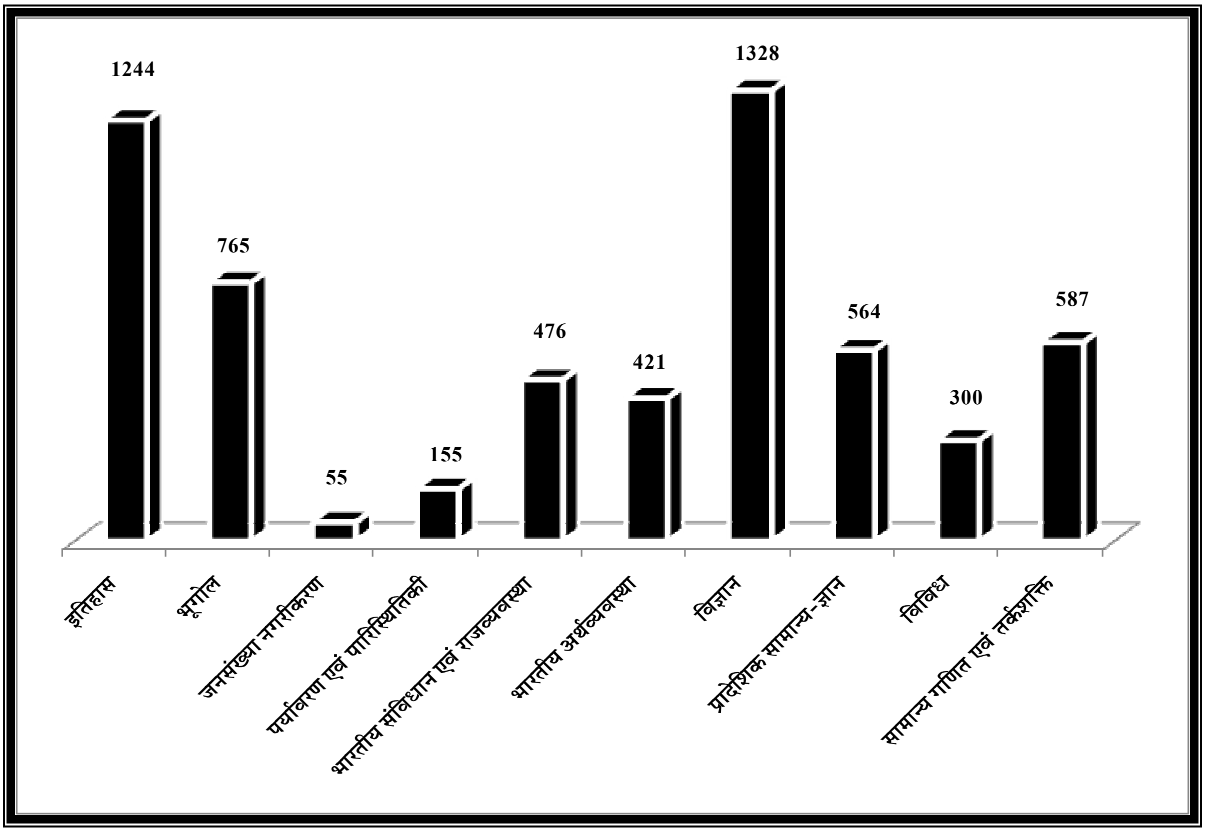

01.

इतिहास

प्राचीन भारत का इतिहास

1. प्रागैतिहासिक काल

1. मनुष्य द्वारा सबसे पहले किस धातु का उपयोग किया गया था?

(a) चांदी (b) तांबा
(c) लोहा (d) सोना

Bihar B.H.O. Exam-2024

Ans. (b) : मनुष्य द्वारा प्रयोग की जाने वाली प्रथम धातु तांबा रही है। एक अनुमान के अनुसार तांबे का सर्वप्रथम प्रयोग 5000 B.C किया गया वैश्विक स्तर पर तांबे के प्रमुख खनन केन्द्र - कटंगा क्षेत्र (जायरे), चुकीकमाता (चिली), सैंडबरी (कनाडा), मांटोना का बूटे क्षेत्र (USA), माउंट लायल और माउंट ईसा (आस्ट्रेलिया)।

2. प्रथम मानव जीवाश्म भारत की किस नदी घाटी से प्राप्त हुआ था?

(a) गंगा घाटी (b) यमुना घाटी
(c) नर्मदा घाटी (d) ताप्ती घाटी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) 66th BPSC (Pre) (Re-Exam) 2020

व्याख्या–भारत का प्रथम मानव जीवाश्म नर्मदा नदी घाटी से प्राप्त हुआ है। 1982 में अरूण सोनकिया ने होशंगाबाद जिले के नर्मदा घाटी के हथनोरा स्थल से मानव कपाल तथा हाथियों का जीवाश्म प्राप्त किया। हथनोरा से प्राप्त जीवाश्म भारत में प्राप्त प्रथम मानव जीवाश्म है।

3. भारत की प्राचीनतम संस्कृति कौन-सी है?

(a) पुरापाषाणिक संस्कृति (b) मध्य-पाषाणिक संस्कृति
(c) नवपाषाणिक संस्कृति (d) वैदिक संस्कृति

उत्तर-(a) 30th Bihar (J) GS -2018

व्याख्या–पुरापाषाणकाल आधुनिक काल से 2.5 लाख ई. पू. से 10 हजार ई. पू. तक माना जाता है यह हैण्ड-एक्स, क्लीवर और स्क्रैपर आदि विशिष्ट उपकरणों पर आधारित संस्कृति थी। मध्य पाषाणकाल में पशुपालन के प्राचीनतम साक्ष्य मिले हैं। नवपाषाण युग में मेहरगढ़ में कृषि के साक्ष्य मिले हैं। नवपाषाण युगीन स्थल मेहरगढ़ और बुर्जहोम है। भारत की प्राचीनतम संस्कृति पुरापाषाणिक संस्कृति को माना जाता है।

4. भारत में विश्वविख्यात शैल-चित्रकला स्थल कहाँ स्थित है?

(a) आदमगढ़ (b) गुप्तेश्वर
(c) भीमबेटका (d) कबरा पहाड़

उत्तर-(c) 30th Bihar (J) GS -2018

व्याख्या–भारत में विश्व विख्यात शैल-चित्रकला स्थल भीमबेटका में स्थित है। यह भारत के मध्य प्रदेश के रायसेन जिले में स्थित एक पुरापाषाणिक आवासीय पुरास्थल है। यह आदिमानव द्वारा बनाये गये शैलचित्रों और शैलाश्रयों के लिये प्रसिद्ध है। ये चित्र भारतीय उपमहाद्वीप में मानव जीवन के प्राचीनतम चिह्न हैं। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण भोपाल मंडल ने अगस्त 1990 में इसे राष्ट्रीय महत्व का स्थल घोषित किया। इसके बाद जुलाई 2003 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर स्थल घोषित किया। इस स्थल की खोज 1957-58 में वी.एस. वाकणकर द्वारा की गयी थी।

5. प्रथम मनके के निर्माण का प्रमाण किस स्थल से प्राप्त होता है?

(a) पाटने (b) भीमबेटका
(c) आमदगढ़ (d) बाघोर

उत्तर-(a) 30th Bihar (J) GS -2018

व्याख्या– महाराष्ट्र के पाटणे/पाटने, मेहताखेड़ी, राजस्थान के चन्देसाल मध्य प्रदेश के रामनगर आदि से प्राप्त शुतुरमुर्ग के अण्डों पर की गयी चित्रकारी से इसकी पुष्टि होती है शुतुरमुर्ग के अण्डो पर की गयी चित्रकारी सर्वप्रथम 1860 में यू.पी. के बांदा जिले से मिली। परन्तु प्राचीनतम मानव निर्मित चित्रांकन पाटने से ही प्राप्त हुआ। इसका केन्द्र पाटने एवं भीमबेटका दोनों था। परन्तु सर्वप्रथम मनके का निर्माण पाटने में हुआ।

6. चिरांद पुरास्थल पर किस प्राचीनतम संस्कृति के अवशेष मिले हैं?

(a) नवपाषाणिक संस्कृति (b) ताम्रपाषाणिक संस्कृति
(c) मध्य-पाषाणिक संस्कृति (d) ऐतिहासिक संस्कृति

उत्तर-(a) 30th Bihar (J) GS -2018

व्याख्या– बिहार के सारण जिले में चिराँद गाँव की एक छोटी बस्ती के निकट नव-पाषाणिक अवशेष प्राप्त हुए हैं। 1962-1963 ई. में प्रो. बी.के. सिन्हा द्वारा इस स्थल का उत्खनन करवाया गया। उत्खनन में पाँच प्रकार की संस्कृतियों के अवशेष मिले हैं। यहाँ मानव घास-फूस के घरों में रहते थे। चावल की खेती के भी प्रमाण यहाँ मिले हैं। नवपाषाण काल में ही कृषिकर्म का प्रादुर्भाव हुआ।

7. जिस काल में कृषिकर्म का प्रादुर्भाव हुआ, वह कहलाता है-

(a) पुरापाषाण काल (b) नवपाषाण काल
(c) ताम्रपाषाण काल (d) प्रतिनूतन काल

उत्तर-(b) Bihar APO GS -2011

उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

8. दमदमा पुरास्थल किस प्रदेश में स्थित है?

(a) बिहार (b) झारखंड
(c) उत्तर प्रदेश (d) राजस्थान

उत्तर-(c) 30th Bihar (J) GS -2018

व्याख्या– उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में स्थित महदहा पुरास्थल से 5 किमी. उत्तर पश्चिम की ओर दमदमा (पट्टी तहसील) पुरास्थल है। 1982-87 ई. तक यहाँ उत्खनन कार्य किया गया। यहाँ से ब्लेड, फलक, ब्युरिन (तक्षणी) आदि बहुत से लघु पाषाण उपकरण प्राप्त हुए हैं। यहाँ से हड्डी तथा सींग के उपकरण एवं आभूषण भी मिले हैं। इनके साथ 41 मानव शवाधान तथा कुछ गर्त चूल्हे भी प्रकाश में आये हैं। विभिन्न पशुओं जैसे भेंड़, बकरी, गाय, बैल, भैंस, हाथी, गैंडा, सूअर आदि की हड्डियाँ प्राप्त हुई है। कुछ पक्षियों, मछलियों, कछुए आदि की हड्डियाँ भी मिली हैं।

9. भारत में पशुपालन एवं कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य प्राप्त हुए हैं।

(a) अंजिरा से (b) दम्ब सदात से
(c) किली गुल मोहम्मद से (d) मेहरगढ़ से
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **64th BPSC (Pre) 2018-19**

व्याख्या– भारत में पशुपालन एवं कृषि के प्राचीनतम साक्ष्य मेहरगढ़ से प्राप्त हुए हैं। वर्तमान में मेहरगढ़ बलूचिस्तान में बेलन नदी के किनारे स्थित है। यह एक नवपाषाणिक स्थल है। यहाँ से 7000 ई.पू. पशुपालन व खेती के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। इस स्थल पर गेहूँ, जौ तथा खजूर की खेती होती थी तथा भेड़, बकरियाँ तथा मवेशी पाले जाते थे। कालांतर में यहाँ हड़प्पा के शहरीकरण के पूर्ववर्ती काल में, मेहरगढ़ के निवासियों ने एक उपनगर बसाया था।

10. निम्नलिखित में से किसको कैल्कोलिथिक युग भी कहा जाता है?

(a) पुरा पाषाण युग (Old stone age)
(b) नव पाषाण युग (New stone age)
(c) ताम्र पाषाण युग (Copper age)
(d) लौह युग (Iron age)

उत्तर-(c) **44th BPSC (Pre) 2000-01**

व्याख्या-जिस काल में मनुष्य ने पत्थर और तांबे के औजारों का साथ-साथ प्रयोग किया, उस काल को ताम्र-पाषाणिक काल कहते हैं। इसे कैल्कोलिथिक युग भी कहा जाता है। सर्वप्रथम जो धातु औजारों के रूप में प्रयुक्त हुई वह थी- तांबा। भारत में ताम्र-पाषाण अवस्था के मुख्य क्षेत्र दक्षिण-पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश के पश्चिमी भाग, पश्चिमी महाराष्ट्र तथा दक्षिण-पूर्वी भारत में है। सर्वप्रथम चित्रित मृद भांडों के अवशेष ताम्र-पाषाणिक काल में ही मिलते हैं। इसी काल के लोगों ने सर्वप्रथम भारतीय प्रायद्वीप में बड़े-बड़े गांवों की स्थापना की।

2. सैन्धव सभ्यता

11. प्राचीन पुरातात्त्विक स्थल कालीबंगन किस राज्य में है?

(a) बिहार (b) राजस्थान
(c) गुजरात (d) महाराष्ट्र

31th BPSC (J)-2022

Ans. (b) : कालीबंगा प्राचीन पुरातात्विक स्थल राजस्थान के हनुमानगढ़ (पूर्व में श्री गंगानगर) जिले में स्थित है। सर्वप्रथम 1951-52 ई. में अमलानन्द घोष ने इसकी खोज की थी। इस स्थल का उत्खनन कार्य 1960-61 में बी.बी. लाल एवं बालकृष्ण थॉपर ने प्रारम्भ किया था। यहाँ से यज्ञ वेदी एवं जुते हुए खेत के साक्ष्य मिले है। यहाँ से एक युगल शवाधान भी प्राप्त हुआ है। यहाँ से अण्डाकार कब्रें भी प्राप्त हुई हैं, जिससे एक बच्चे की खोपड़ी में 6 छिद्र किए जाने का प्रमाण है। इसे शल्य क्रिया का प्राचीनतम उदाहरण माना जा सकता है। कालीबंगा से भूकंप के सबसे प्राचीनतम साक्ष्य भी प्राप्त हुए हैं।

12. इस समय मोहनजोदड़ो किस देश में है?

(a) भारत (b) अफगानिस्तान
(c) पाकिस्तान (d) बांग्लादेश

31th BPSC (J)-2022

Ans. (c) : मोहनजोदड़ो पाकिस्तान के सिंध प्रांत के लरकाना जिले में सिंधु नदी के दाहिने तट पर स्थित है। मोहनजोदड़ो शब्द का अर्थ है 'मृतकों का टीला' इसकी खोज 1922 राखालदास बनर्जी ने जान मार्शल के निर्देशन में किया था। इस स्थल को विश्व का सबसे पुराना नियोजित और उत्कृष्ट शहर होने की मान्यता प्राप्त है।

13. निम्न कथनों में से कौन-से कथन सही है?

I. हड़प्पा का उत्खनन 1921 में किया गया था।
II. वर्तमान में, हड़प्पा पाकिस्तान में है।
III. हड़प्पा व्यास नदी के किनारे था।
IV. हड़प्पा के उत्खननकर्ता आर0डी0 बनर्जी थे।
V. छत्र वाला ताम्र-रथ हड़प्पा से मिला है।

(a) केवल I और II (b) केवल I, II और V
(c) केवल II और IV (d) केवल I, III और IV
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**

व्याख्या– सन् 1921 ई0 में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग के महानिदेशक सर जॉन मार्शल के निर्देशन में राय बहादुर दयाराम साहनी ने सर्वप्रथम हड़प्पा स्थल का उत्खनन कराया। यह स्थल पाकिस्तान के पंजाब प्रान्त में स्थित माण्टगोमरी जिले में रावी नदी के बायें तट पर अवस्थित है। जबकि राखल दास बनर्जी ने मोहजोदड़ो स्थल के उत्खनन का कार्य सन् 1922 ई. में कराया। महाराष्ट्र के दैमाबाद में हड़प्पा काल के छत्र वाला ताम्र-रथ मिला है।

14. प्राक्-सैन्धव काल के किस पुरास्थल से हल द्वारा जुताई के प्रमाण प्राप्त हुए हैं?

(a) कालीबंगा (b) लोथल
(c) अहाड़ (d) बाड़ा

उत्तर-(a) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– कालीबंगा राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में घग्घर नदी के बायें किनारे पर स्थित यह सैन्धव सभ्यता का महत्वपूर्ण स्थल है। 1952 ई. में अमलानन्द घोष के निर्देशन में व्यापक पैमाने पर खुदाई की गई थी। यहाँ से प्राप्त प्राक्-सैन्धव काल की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि एक जुते हुए खेत की प्राप्ति है। इसमें आड़ी-तिरछी जुताई की गई है।

15. निम्न में से किस हड़प्पन नगर में जुते हुए खेतों के निशान मिले हैं?

(a) कालीबंगा (b) धोलावीरा
(c) मोहनजोदड़ों (d) लोथल
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **66th BPSC (Pre) 2020**

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

16. **हड़प्पीय संस्कृति (सैंधव संस्कृति) के उपकरण किस धातु से निर्मित थे?**

(a) सोना (b) चाँदी
(c) ताम्र (ताँबा)/काँसा (d) लोहा

उत्तर-(c) **30th Bihar (J) GS -2018**

Ans: (c) हड़प्पीय संस्कृति (सैंधव संस्कृति) के उपकरण ताम्र/कांसा के प्राप्त हुए हैं। मोहनजोदड़ो से तांबे के दो उपकरण प्राप्त हुए हैं।

17. **आई.आई.टी., खड़गपुर के अध्ययन दल की रिपोर्ट के अनुसार लगातार कितने वर्षों तक न के बराबर वर्षा का होना सिन्धु घाटी सभ्यता के पतन का कारण रहा था?**

(a) 600 वर्ष (b) 700 वर्ष
(c) 800 वर्ष (d) 900 वर्ष
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **64th BPSC (Pre) 2018-19**

व्याख्या–आई.आई.टी. खड़गपुर के वैज्ञानिकों ने लगभग 4350 साल पहले सिंधु घाटी सभ्यता के खत्म होने की वजह बने सूखे की अवधि का पता लगाया है। वैज्ञानिकों ने उस थ्योरी को भी गलत साबित कर दिया, जिसमें सूखे के 200 साल में खत्म हो जाने की बात कही गई थी। आई.आई.टी. खड़गपुर के भूगर्भशास्त्र और भौगोलिक विभाग के शोधकर्ताओं ने पिछले लगभग 5000 साल के दौरान मानसून के पैटर्न का अध्ययन किया और पाया कि लगभग 900 साल तक उत्तर पश्चिम हिमालय में बारिश न के बराबर हुई। इस कारण सिंधु और इनकी सहायक नदियाँ जो बारिश से साल भर भरी रहती थीं, सूख गई। इन नदियों के किनारे रहने वाले सिन्धु सभ्यता के निवासी नदियों में पानी खत्म होंने से पूर्व और दक्षिण की ओर गंगा-यमुना घाटी की ओर चले गए जहाँ बारिश बेहतर होती थी।

18. **सिंधु घाटी सभ्यता की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता क्या है?**

(a) पकी ईंट से बनी इमारत (b) प्रथम असली मेहराब
(c) पूजा-स्थल (d) कला और वास्तुकला
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर. (a) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**

व्याख्या : सिन्धु घाटी सभ्यता भारतीय संस्कृति की ऐतिहासिक विरासत का प्रारंभिक बिन्दु है। इस सभ्यता को प्रथम नगरीय क्रान्ति भी कहा जाता है क्योंकि भारत में पहली बार नगरों का उदय इसी सभ्यता के समय हुआ। सिंधु सभ्यता के नगर जाल की तरह व्यवस्थित होते थे तथा सड़कें एक दूसरे को प्रायः समकोण पर काटती थी। सामान्यतः भवन निर्माण में पकी हुई ईटों का प्रयोग किया जाता था। यद्यपि सिन्धु सभ्यता के किसी भी पुरास्थल से मंदिर के साक्ष्य नहीं मिले हैं किंतु सूर्य पूजा, अग्नि पूजा, मातृदेवी की उपासना के साक्ष्य अवश्य प्राप्त हुए हैं, सिन्धु सभ्यता से प्राप्त मुहरें, मनके और मृदभाण्ड व लघु कलाएं उनके सौन्दर्य बोध को इंगित करते हैं।

19. **सिन्धु घाटी सभ्यता की प्रकृति कैसी थी-**

(a) नगरीय (b) ग्राम्य
(c) यायावर (d) कबीलाई

उत्तर-(a) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. **निम्न में से किस हड़प्पाकालीन स्थल से 'हल' का टेराकोटा प्राप्त हुआ?**

(a) धौलावीरा (b) बनावली
(c) कालीबंगा (d) लोथल
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या- बनावली हरियाणा के हिसार जिले में स्थित इस पुरास्थल की खोज 1973-74 में आर.एस विष्ट ने की थी। इस स्थल से कालीबंगा की तरह हड़प्पा और पूर्व हड़प्पा कालीन दोनों संस्कृतियों के अवशेष मिल हैं। यहाँ दुर्ग तथा निचला नगर अलग-अलग न होकर एक ही प्राचीर से घिरे थे। यहाँ से मिट्टी के बर्तन, गोलियाँ, मनके, ताँबे के वाणाग्र, हल की आकृति के खिलौने आदि मिले हैं।

21. **निम्नलिखित में से कौन हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के उत्खनन से सम्बन्धित नहीं थे?**

(a) आर.डी. बनर्जी (b) के.एन. दीक्षित
(c) एम.एस. वत्स (d) वी.ए. स्मिथ

उत्तर–(d) **56th–59th BPSC (Pre) 2015**

व्याख्या – आर. डी. बनर्जी, के. एन. दीक्षित तथा एम. एस. वत्स हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के उत्खनन से संबंधित थे जबकि वी. ए. स्मिथ विश्व इतिहासकार थे जिन्होंने भारत के इतिहास से संबंधित कई पुस्तकों की रचना की जिनमें 'द ऑक्सफोर्ड हिस्ट्री ऑफ इंडिया', 'आर्ट ऑफ इंडिया', 'द अर्ली हिस्ट्री ऑफ इंडिया' प्रमुख है।

22. **निम्नलिखित में से कौन-सा एक हड़प्पा का बंदरगाह है?**

(a) सिकन्दरिया (b) लोथल
(c) महास्थानगढ़ (d) नागपत्तनम

उत्तर-(b) **53rd–55th BPSC (Pre) 2011**
Bihar APO GS -2011
30th Bihar (J) GS -2018

व्याख्या – लोथल, हड़प्पा सभ्यता का बन्दरगाह नगर था। यहाँ के उत्खनन से बंदरगाह के होने के प्रमाण मिलते हैं। लोथल नामक पुरास्थल गुजरात के अहमदाबाद जिले में भोगवा नामक नदी के किनारे पर सरगवाला गाँव से 2 किमी. उत्तर में स्थित है। इसकी खोज एस. आर. राव ने 1955 में की थी। इस स्थल के बारे में महत्वपूर्ण तथ्य तथा मिली वस्तुएं निम्न हैं–

- नाव के आकार की दो मोहरें तथा बन्दरगाह।
- लकड़ी का अन्नागार।
- बैल, कुत्ता, खरगोश तथा चिड़िया की तांबें की मूर्तियाँ तथा मोहरें।
- युगल शवाधान की प्राप्ति जिसमें सिर पूर्व में तथा पैर पश्चिम में है और वे करवट लिए हुए लेटे हैं।
- मनके बनाने वाले शिल्पियों की दुकानें।
- उत्तरावस्था की एक अग्निवेदी।
- अन्न पीसने की चक्की।

23. **सिन्धु सभ्यता से सम्बन्धित पुरातात्विक स्थल 'लोथल' किस नदी के निकट स्थित है?**

(a) रावी (b) भोगवा
(c) सरस्वती (d) सतलज

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

24. हड़प्पा में एक उन्नत जल प्रबन्धन प्रणाली का पता चलता है-
(a) धौलावीरा में (b) लोथल में
(c) कालीबंगा में (d) आलमगीरपुर में
उत्तर : (a) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

व्याख्या : धौलावीरा गुजरात के कच्छ जिले के भचाऊ तालुका में मनहर एवं मानसेहरा नदियों के बीच कादिर द्वीप पर धौलावीरा स्थित है। इसकी खोज 1967 में जेपी जोशी ने की थी तथा 1990-91 के दौरान आर.एस विष्ट द्वारा यहाँ पर व्यापक पैमाने पर उत्खन्न कार्य किया गया था। यहाँ की खुदाई से एक विशाल सैन्धवकालीन नगर के अवशेष और एक उन्नत जल प्रबन्धन प्रणाली का पता चला है। इस प्रकार भवन निर्माण, जल निकास व्यवस्था कलाकृतियों की पृष्ठिभूमि, नगर नियोजन तथा लिपि की दृष्टि से धौलावीर एक उत्कृष्ट नगर था।

25. हड़प्पा में मिट्टी के बर्तनों पर सामान्यतः किस रंग का उपयोग हुआ था?
(a) लाल (b) नीला-हरा
(c) पाण्डु (d) नीला
उत्तर-(a) **40th BPSC (Pre) 1995**

व्याख्या- हड़प्पा से प्राप्त मिट्टी के बर्तन सामान्यतः लाल रंग के हैं। हड़प्पा का पुरास्थल पाकिस्तान के मान्टगोमरी जिले में, रावी नदी के बायें तट पर स्थित है। हड़प्पा के ध्वंसावशेषों के विषय में सन् 1826 ई. में चार्ल्स मेसन ने सर्वप्रथम उल्लेख किया। सन् 1923-24 ई. में दयाराम साहनी ने जॉन मार्शल के निर्देशन में यहां उत्खनन कराया।

26. सिन्धु सभ्यता निम्नलिखित में से किस युग के अन्तर्गत आती है?
(a) ऐतिहासिक काल (b) प्रागैतिहासिक काल
(c) उत्तर-ऐतिहासिक काल (d) आद्य-ऐतिहासिक काल
उत्तर-(d) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या - सिन्धु सभ्यता को उसकी लिपि के न पढ़े जा सकने के कारण आद्य-ऐतिहासिक काल के अन्तर्गत स्थान दिया गया है। तृतीय कांस्य काल की ताम्र पाषाणिक सभ्यता, रेडियो कार्बन विश्लेषण के आधार पर 2500 ईसा पूर्व में विद्यमान मानी जाती है, किन्तु यह सभ्यता अपने उत्कृष्ट काल में 2550 से 1900 ईसा पूर्व अर्थात् 650 वर्ष तक रही।

27. निम्नलिखित में से किस देश के साथ हड़प्पनों का व्यापारिक सम्बन्ध था-
(a) चीन (b) जापान
(c) मेसोपोटामिया (d) रोम
उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– सिंधु घाटी सभ्यता मुख्य रूप से एक शहरी संस्कृति थी, जो आधिक्य कृषि उत्पादन और वाणिज्य व्यापार से जुड़ा हुआ था। हड़प्पा सभ्यता का दक्षिणी मेसोपोटामिया में सुमेर के साथ व्यापार व वाणिज्य संबंध था।

28. सिंधु घाटी के लोग थे :
(a) शाकाहारी
(b) मांसाहारी
(c) शाकाहारी और मांसाहारी दोनों
(d) गाय का मांस नहीं खाने वाले
उत्तर-(c) BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016

व्याख्या– सिंधु सभ्यता के निवासी शाकाहारी और मांसाहारी दोनों थे। इनके भोज्य पदार्थ में गेहूँ, जौ, मटर, तिल सरसों, सुअर, बकरी का मांस आदि प्रमुख रूप से खाए जाते थे।

29. चन्हूदड़ों, हड़प्पा-संस्कृति से संबंधित एक स्थल है, जो स्थित है-
(a) सिंध में (b) पंजाब में
(c) गुजरात में (d) बहावलपुर में
उत्तर-(a) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

व्याख्या– चन्हूदड़ों वर्तमान में पाकिस्तान के सिन्ध प्रांत में स्थित है। यह सिन्धु नदी के बाएं तट पर स्थित है। इसका उत्खनन 1934 ई. में एन.जी. मजूमदार ने की। यहाँ से प्रमुख रूप से मनके बनाने का कारखाना, कांस्य गाड़ी, वक्राकार ईंट, लिपिस्टिक, बिल्ली का पीछा करते हुए कुत्ते का साक्ष्य प्राप्त हुआ है। चन्हूदड़ों एकमात्र ऐसा स्थल है जहाँ पर मिट्टी की पकी हुई पाइपनुमा नालियों का प्रयोग किया गया है।

3. वैदिक सभ्यता

30. पुरुषार्थ कितने हैं?
(a) दो (b) चार
(c) छः (d) सोलह
31th BPSC (J)-2022

Ans. (b) : हिन्दू धर्म में चार पुरुषार्थों अर्थात पुरुषार्थ चतुष्टयं की मान्यता प्राप्त है। ये चार पुरुषार्थ हैं- धर्म, अर्थ, काम तथा मोक्ष। हिन्दू धर्म में मनुष्य के जीवन को आध्यात्मिक भौतिक और नैतिक रूप से उन्नति करने हेतु पुरुषार्थ की आवश्यकता पर बल दिया गया है।

31. प्राचीनतम वेद कौन-सा है?
(a) यजुर्वेद (b) ऋग्वेद
(c) सामवेद (d) अथर्ववेद
31th BPSC (J)-2022
BPSC LDC (Pre) 2021

Ans. (b) : ऋग्वेद को प्राचीनतम वेद माना जाता है। इसमें कुल 10 मण्डल 1028 सूक्त एवं 10580 ऋचाएं (मंत्र) है। ऋग्वेद का तीसरा मण्डल सूर्य देवता को समर्पित है। इसी में गायत्री मंत्र का उल्लेख किया गया है। नौवें मण्डल में सोम का उल्लेख मिलता हैं। ऋग्वेद के दो ब्राह्मण ग्रंथ हैं- ऐतरेय तथा कौषीतकी।
ऋग्वेद के मंत्रों का उच्चारण करने वाले ऋषि को होतृ 'या होता' कहा जाता है।

32. गायत्री मन्त्र किस पुस्तक में मिलता है?
(a) उपनिषद (b) भगवद्गीता
(c) ऋग्वेद (d) यजुर्वेद
उत्तर-(c) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. 'ऋग्वेद' में यज्ञ हेतु कितने प्रकार के पुरोहितों (ऋत्विज) का वर्णन मिलता है?

(a) चार (b) पाँच

(c) छः (d) सात

उत्तर-(d) **Bihar APO (Pre) 2020**

व्याख्या– 'ऋग्वेद' में यज्ञ हेतु सात प्रकार के पुरोहितों का वर्णन मिलता है-

1- अध्वर्यु 5 - पोता

2- होता 6 - नेण्टा

3- ब्रह्मा 7 - प्रशास्ता

4- आग्नीध।

34. 'वेद' कितने प्रकार के है?

(a) एक (b) दो

(c) तीन (d) चार

उत्तर-(d) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– वेदों की संख्या चार है ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद है। ऋग्वेद में 'होतृ' वर्ग के पुरोहित यज्ञ कुण्ड में अग्नि का आह्वान कर वेद मंत्रों द्वारा देवताओं की स्तुति करते थे। सामवेद- 'उद्गाता' साम का गायन करते थे। यजुर्वेद – 'अध्वर्यु' याज्ञिक कर्मकाण्ड का वर्णन। अथर्ववेद के पुरोहित को ब्रह्मा कहा जाता है। यह वशीकरण, भूत-प्रेत, जादू-टोना आदि से सम्बन्धित था।

ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद इन तीन वेदों को संयुक्त रूप से वेद त्रयी कहा जाता है।

35. 'त्रयी' का अभिप्राय है-

(a) तीन वेद (b) तीन गुण

(c) तीन पुरुषार्थ (d) तीन वर्ण

उत्तर-(a) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. निम्न में से कौन-सी नदी सप्त-सैंधव में समाविष्ट नहीं थी?

(a) झेलम (b) चिनाब

(c) रावी (d) साबरमती

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**

व्याख्या– ऋग्वैदिक काल के सप्त सैधंव नदियों में साबरमती नहीं शामिल थी। इस काल में नदियों की संख्या लगभग 25 बताई गई है। ऋग्वैदिक काल की प्रमुख नदियाँ– सिन्धु, सतलज, रावी, झेलम, चिनाब, व्यास तथा सरस्वती आदि थीं। प्रसिद्ध दस राजाओं का युद्ध परुष्णी (रावी) नदी के तट पर लड़ा गया था।

37. प्रसिद्ध दस राजाओं का युद्ध किस नदी के तट पर लड़ा गया?

(a) गंगा (b) ब्रह्मपुत्र

(c) कावेरी (d) परूष्णी

उत्तर-(d) **42nd BPSC (Pre) 1997-98**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. ऋग्वेद संहिता का नवां मण्डल पूर्णतः किसको समर्पित है?

(a) इन्द्र और उनका हाथी

(b) उर्वशी का स्वर्ग

(c) पौधों और जड़ी-बूटियों से सम्बन्धित देवतागण

(d) सोम और इस पेय पर नामांकित देवता

उत्तर-(d) **40th BPSC (Pre) 1995**

42nd BPSC (Pre) 1997-98

व्याख्या-ऋग्वेद का सम्पूर्ण नौवां मण्डल सोम देवता को समर्पित है। इस मण्डल को सोम मण्डल भी कहते हैं। विश्व का सबसे प्राचीन ग्रन्थ ऋग्वेद है इसमें 10 मंडल, 1028 सूक्त और 10580 मंत्र हैं। इसका नवां मण्डल सोम और इस पेय पर नामांकित देवता को समर्पित है।

39. बोगजकोई का महत्त्व इसलिए है कि -

(a) वहां जो अभिलेख प्राप्त हुए हैं, उनमें वैदिक देवी एवं देवताओं का वर्णन मिलता है

(b) मध्य एशिया एवं तिब्बत के बीच एक महत्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र माना जाता है

(c) वेद के मूल ग्रन्थ की रचना यहीं हुई थी

(d) उपरोक्त में से कोई भी नहीं

उत्तर-(a) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या - एशिया माइनर में बोगजकोई नामक स्थान पर लगभग ईसा पूर्व 1400 का संधि पत्र अभिलेख मिला है, इसमें इन्द्र, मित्र, वरुण और नासत्य आदि वैदिक देवताओं के नाम दिए गए हैं।

40. किस काल में अछूत की अवधारणा स्पष्ट रूप से उद्धत हुई?

(a) ऋग्वैदिक काल में (b) उत्तर वैदिक काल में

(c) उत्तर गुप्तकाल में (d) धर्मशास्त्रों के समय में

उत्तर-(d) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या – धर्मशास्त्रों के समय में (सूत्र काल में) चार वर्णों (ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य एवं शुद्र) के अतिरिक्त समाज में अन्य अनेक जातियों यथा- अम्बष्ठ, उग्र, निषाद, मागध, वैदेहक, रथकार आदि का आविर्भाव अनुलोम एवं प्रतिलोम विवाहों के फलस्वरूप हो गया। पाणिनि ने दो प्रकार के शुद्रों का उल्लेख किया है – निरवसित एवं अनिरवसित। इनमें पहले के शुद्र ही अस्पृश्य माने जाते थे।

41. निम्नलिखित एक वेद धार्मिक अनुष्ठान से सम्बन्धित है

(a) ऋग्वेद (b) सामवेद

(c) यजुर्वेद (d) अथर्वेद

उत्तर-(c) **27th Bihar (J) GS -2013**

व्याख्या– यजुर्वेद एक कर्मकाण्डीय वेद है, इसमें विविध यज्ञों से सम्बन्धित अनुष्ठान विधियों का उल्लेख है। यह गद्य व पद्य दोनों में रचित है। यह 40 अध्यायों में विभाजित है जिसमें केवल 75 स्वतंत्र मन्त्र हैं। इसके पुरोहित को अध्वर्यु कहा जाता है।

42. निम्नलिखित में से कौन वैदिक देवता नहीं था-

(a) इन्द्र (b) वरुण

(c) कार्तिकेय (d) रुद्र

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– भारतीय ग्रंथ वेदों में वर्णित देवताओं को वैदिक देवता कहते है। इन देवताओं का मुख्य रूप से वर्णन हुआ है वे हैं - अग्नि, इंद्र, सोम, मित्र-वरुण, सूर्य, अश्विन, ईश्वर, धावा-पृथ्वी, रुद्र, सम्पत्ति, बृहस्पति आदि आते हैं। जबकी पुराणों में दिव्य व्यक्तियों और प्राणियों का उल्लेख किया गया है।

43. **महापुराणों की संख्या कितनी मानी जाती है-**
(a) दस (b) बारह
(c) पाँच (d) अट्ठारह
उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– महापुराणों की कुल संख्या अट्ठारह है। अट्ठारह पुराणों में अलग-अलग देवी-देवताओं को केन्द्र मानकर पाप और पुण्य, धर्म और अधर्म, कर्म और अकर्म की गाथाएँ कही गई हैं, कुछ पुराणों में सृष्टि के आरम्भ से अन्त तक का विवरण किया गया है, इनमें हिन्दू देवी-देवताओं का और पौराणिक मिथकों का बहुत अच्छा वर्णन है।

4. बौद्ध, जैन, भागवत एवं शैव धर्म

44. **पाटिलपुत्र में कौन-सी बौद्ध संगीति आयोजित की गई थी?**
(a) तृतीय (b) द्वितीय
(c) चतुर्थ (d) प्रथम
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Head Master-2024

Ans. (a) : बौद्ध अनुश्रुतियों के अनुसार बुद्ध के परिनिर्वाण के 236 वर्ष बाद सम्राट अशोक के संरक्षण में तृतीय बौद्ध संगीत 250 ई.पू. पाटलिपुत्र में हुयी थी। इसकी अध्यक्षता प्रसिद्ध बौद्ध ग्रन्थ कथावस्तु के रचयिता मोगलिपुत्त तिस्स ने की थी। इसका उद्देश्य संघ भेद कके विरुद्ध कठोर नियमों का प्रतिपादन करके बौद्ध धर्म को स्थाई प्रदान करने का प्रयत्न किया गया। अन्य तीन बौद्ध संगीतियाँ निम्न है-

प्रथम	483 ई.पू.	राजगृह	महाकस्सय	अजातशत्रु
द्वितीय	383 ई.पू.	वैशाली	साबकमीर	कालाशोक
चतुर्थ	ईसा की प्रथम शताब्दी	कश्मीर के कुण्डलवन	वासुमित्र व अश्वघोष	कनिष्क

45. **जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर कौन थे?**
(a) ऋषभनाथ (b) महावीर स्वामी
(c) अरिष्टनेमि (d) पार्श्वनाथ
BPSC Headmaster 2024
31th BPSC (J)-2022

Ans. (d) : जैन धर्म के तेईसवें तीर्थंकर पार्श्वनाथ थे। जो काशी के इक्ष्वाकु वंशीय राजा अश्वसेन के पुत्र थे। महावीर स्वामी जैन धर्म के चौबीसवें तथा ऋषभनाथ प्रथम व अरिष्टनेमि बाईसवें तीर्थंकर थे। महावीर स्वामी के काल में जैन धर्म अपने चरमोत्कर्ष था।

46. **'त्रिपिटकों' का सम्बन्ध किस धर्म से है?**
(a) शैव धर्म (b) जैन धर्म
(c) वैष्णव धर्म (d) बौद्ध धर्म
31th BPSC (J)-2022

Ans. (d) : त्रिपिटक बौद्ध धर्म के प्रमुख ग्रन्थ हैं बुद्ध की मृत्यु के बाद उनकी शिक्षाओं को संकलित कर तीन भागों मे बांटा गया जिन्हें त्रिपिटक कहा गया ये पाली भाषा में लिखी गयी है। यथा- विनयपिटक, सुत्तपिटक तथा अभिधम्म पिटक। त्रिपिटक बौद्ध धर्म के आदर्श, सिद्धांत और नियमों को दर्शाता है।

47. **त्रिपिटक किसकी धार्मिक पुस्तक है?**
(a) जैन (b) हिन्दू
(c) पारसी (d) बौद्ध
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(d) **31st Bihar J (Pre) 2020**
63rd BPSC (Pre) 2017-18

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

48. **'त्रिपिटक' किस भाषा में लिखी गयी है?**
(a) संस्कृत (b) पाली
(c) प्राकृत (d) हिन्दी
उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2009**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

49. **गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम धर्मोपदेश दिया था**
(a) वैशाली में (b) सारनाथ में
(c) राजगीर में (d) बोधगया में
BPSC AE-2006 (Paper III)
BPSC Motor Vehicle Insp. 2022
65th BPSC (Pre) Re-exam 2019
29th Bihar (J) GS -2017
56th–59th BPSC (Pre) 2015

Ans. (b) : गौतम बुद्ध द्वारा अपना प्रथम धर्मोपदेश सारनाथ में दिया गया था यह उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिले में स्थित है। इसे प्राचीन काल में ऋषिपत्तन या मृगदाव के नाम से जाना जाता था। गौतम बुद्ध द्वारा सारनाथ में दिये गये प्रथम उपदेश को 'धर्म चक्र प्रवर्तन' के नाम से जाना जाता है।

50. **महात्मा बुद्ध ने अपना 'धर्मचक्रप्रवर्तन' किस स्थान पर दिया था?**
(a) लुम्बिनी (b) सारनाथ
(c) पाटलिपुत्र (d) वैशाली
उत्तर-(b) **53rd – 55th BPSC (Pre) 2011**
47th BPSC (Pre) 2004-05

व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

51. **बोधगया में किसे ज्ञान-प्राप्ति हुई थी?**
(a) महावीर स्वामी (b) गौतम बुद्ध
(c) सीमांधर स्वामी (d) पार्श्वनाथ स्वामी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC(Pre) Nirast 2021

Ans. (b) : 6 वर्ष तक अथक परिश्रम एवं घोर तपस्या के बाद 35 वर्ष की आयु में वैशाख पूर्णिमा की रात पीपल वृक्ष के नीचे निरंजना (पुनपुन) नदी तट पर बोध गया में गौतम बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई। गौतम बुद्ध का जन्म 563 ई.पू. में कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी में हुआ था। जन्म के 7वें दिन ही माता का देहावसान हो गया। अतः इनकी मौसी महाप्रजापति गौतमी ने इनका पालन पोषण किया। 29 वर्ष की अवस्था में उन्होंने गृह त्याग दिया। बौद्ध ग्रन्थों में इस घटना को महाभिनिष्क्रमण कहा गया है।

52. **भगवान बुद्ध ने ज्ञान प्राप्त करने के लिए लम्बे वर्षो तक तपस्या और साधना में जीवन कहाँ व्यतीत किया?**
(a) वैशाली में (b) राजगृह में
(c) लुम्बिनी में (d) गया में
उत्तर-(d) BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

53. **बोध गया में महाबोधि मन्दिर बनाया गया जहाँ–**
(a) गौतम बुद्ध पैदा हुए थे
(b) गौतम बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ
(c) गौतम बुद्ध ने अपना प्रथम प्रवचन दिया
(d) गौतम बुद्ध की मृत्यु हुई
उत्तर–(b) 45th BPSC (Pre) 2002

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. **तृतीय बौद्ध सभा का सभापतित्व किया गया था**
(a) महाकश्यप द्वारा (b) वसुमित्र द्वारा
(c) अश्वघोष द्वारा (d) मोग्गलिपुत्त-तिस्स द्वारा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC CDPO 2021

Ans. (d) : तृतीय बौद्ध सभा का सभापतित्व मोग्गालि पुत्ततिस्स द्वारा किया गया था।

बौद्ध संगीति	स्थान	समय	अध्यक्ष	शासन काल
प्रथम	राजगृह	483 ई.पू.	महाकस्सप	अजातशत्रु
द्वितीय	वैशाली	383 ई.पू.	साबकमीर (सर्वकामी)	कालाशोक
तृतीय	पाटलीपुत्र	251 ई.पू.	मोग्गलि पुत्ततिस्स	अशोक
चतुर्थ	कश्मीर के कुण्डलवन	प्रथम शताब्दी ई.	वसुमित्र	कनिष्क

55. **तृतीय बौद्ध संगीति (Council) कहां आयोजित हुई?**
(a) वत्स (b) पाटलिपुत्र
(c) कौशाम्बी (d) कश्मीर
उत्तर-(b) 46th BPSC (Pre) 2003-04

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. **प्रथम बौद्ध महासभा कहाँ आयोजित हुई थी?**
(a) पाटलिपुत्र (b) राजगृह
(c) अमरावती (d) कनगनहल्ली
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre)2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

57. **इनमें से किस शासक ने चतुर्थ बौद्ध संगीति कश्मीर में आयोजित की?**
(a) अशोक (b) अजातशत्रु
(c) कनिष्क (d) कालाशोक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(c) 66th BPSC (Pre) 2020

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. **चौथी बौद्ध संगीति किसके द्वारा बुलाई गई थी?**
(a) अजातशत्रु (b) अशोक
(c) कनिष्क (d) हर्ष
उत्तर-(c) 30th Bihar (J) GS -2018

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

59. **भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण के बाद पहली बौद्ध संगीति हुई थी।**
(a) राजगृह (राजगीर) में (b) गया में
(c) पाटलिपुत्र में (d) वैशाली में
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) 64th BPSC (Pre) 2018-19
44th BPSC (Pre) 2000-01

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

60. **तृतीय बौद्ध सभा किस स्थान पर बुलाई गई थी?**
(a) तक्षशिला (b) सारनाथ
(c) बोधगया (d) पाटलिपुत्र
उत्तर-(d) 28th Bihar (J) GS -2014
BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016
Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005
53rd – 55th BPSC (Pre) 2011
27th Bihar (J) GS -2013

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

61. **प्रथम बौद्ध परिषद् को बुलाया गया था**
(a) चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा (b) अशोक द्वारा
(c) अजातशत्रु द्वारा (d) कनिष्क द्वारा
उत्तर-(c) 29th Bihar (J) GS -2017

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

62. **चतुर्थ बौद्ध संगीति (काउंसिल) का आयोजन किसके शासनकाल में हुआ था-**
(a) रूद्रदामन (b) कनिष्क
(c) स्कन्दगुप्त (d) हर्षवर्धन
उत्तर-(b) Bihar APO GS -2013

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

63. **महात्मा बुद्ध ने कहाँ 'महापरिनिर्वाण' प्राप्त किया?**
(a) सारनाथ (b) कुशीनगर
(c) बोधगया (d) लुम्बिनी
BPSC AE-2006 (Paper III)
BPSC LDC (Pre) 2021
28th Bihar (J) GS -2014
53rd – 55th BPSC (Pre) 2011
47th BPSC (Pre) 2004-05

Ans. (b) : महात्मा बुद्ध की मृत्यु 483 ई.पू. को मल्लों की राजधानी कुशीनगर में हुई थी। मृत्यु के समय महात्मा बुद्ध की अवस्था 80 वर्ष की थी। इनकी मृत्यु को बौद्धग्रंथों में ''महापरिनिर्वाण'' कहा गया है। महात्मा बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति बोधगया में पीपल वृक्ष के नीचे हुई। महात्मा बुद्ध ने अपना प्रथम उपदेश सारनाथ में दिया। इस घटना को धर्मचक्रप्रवर्तन कहा गया।

64. **निम्न में से किस भारतीय दर्शन ने परमाणु सिद्धांत का प्रतिपादन किया?**
(a) योग (b) न्याय
(c) सांख्य (d) वैशेषिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(d) **66th BPSC (Pre) 2020**

व्याख्या– परमाणु सिद्धांत का प्रतिपादन वैशेषिक दर्शन के अन्तर्गत महर्षि कणाद द्वारा किया गया था। यह सिद्धांत जगत की संरचना से जुड़ा है।

65. **त्रिरत्न या तीन रत्न, जैसे सटीक ज्ञान, सच्ची आस्था और सटीक क्रिया, निम्न में से किससे सम्बन्धित है?**
(a) बौद्ध धर्म (b) हिन्दू धर्म
(c) जैन धर्म (d) ईसाई धर्म
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(c) **66th BPSC (Pre) 2020**

व्याख्या– जैन धर्म में वस्तुतः त्रिरत्न का प्रतिपादन किया गया है। तीन रत्न सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चरित्र हैं। इन तीनों को मोक्ष का मार्ग बताया गया है। सम्यक दर्शन का अर्थ है सच्ची आस्था। सम्यक ज्ञान का अर्थ है सटीक ज्ञान एवं सम्यक चरित्र का अर्थ है सटीक क्रिया। हालांकि त्रिरत्न (बुद्ध, धम्म तथा संघ) की धारणा बौद्ध धर्म में भी प्राप्त होती है।

66. **पाटलिपुत्र में बुलाई गई प्रथम जैन संगीति के अध्यक्ष कौन थे?**
(a) वसुमित्र (b) स्थिरमति
(c) स्थूलभद्र (d) सुधर्मन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(c) **65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**

व्याख्या– स्थूलभद्र ने प्रथम जैन संगीति की अध्यक्षता की थी। जिसका आयोजन पाटलिपुत्र में किया गया था। प्रथम जैन संगीति का आयोजन मौर्य शासक चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में लगभग 300 ई. पूर्व में पाटलिपुत्र में सम्पन्न हुई।

67. **महात्मा बुद्ध की माता का नाम था**
(a) महामाया (b) प्रभावती
(c) शकुन्तला (d) राजश्री
उत्तर-(a) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– महात्मा बुद्ध का जन्म लगभग 563 ईसा पूर्व में कपिल वस्तु के समीप लुम्बिनी नामक स्थान पर (आधुनिक रुमिन्देई अथवा रुमिन्देह नामक स्थान) हुआ था। उनकी माता का नाम महामाया था जो कोलिय गणराज्य की कन्या थी। उनके पिता शुद्धोधन कपिलवस्तु के शाक्यगण के प्रधान थे। गौतम बुद्ध के बचपन का नाम सिद्धार्थ था।
बौद्ध संघ की प्रथम महिला अनुयायी प्रजापति गौतमी और दूसरी आम्रपाली नामक गणिका थी। बुद्ध ईश्वर के अस्तित्व को नहीं मानते थे। बुद्ध गृह त्याग के बाद अलार कलाम और रूद्रकरामपुत्र के आश्रम में शिक्षा प्राप्त करने के लिए गए थे। भरहुत और अमरावती बौद्ध धर्म के प्रसिद्ध केन्द्र थे।

68. **गौतम बुद्ध का जन्म कहाँ हुआ था?**
(a) कुण्डग्राम में (b) पाटलिपुत्र में
(c) लुम्बिनी में (d) वैशाली में
उत्तर-(c) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

69. **भरहूत एवं अमरावती सुप्रसिद्ध केंद्र थे-**
(a) जैन धर्म के (b) शैव मत के
(c) बौद्ध धर्म के (d) भागवत् वाद के
उत्तर-(c) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें

70. **वे शिक्षक, जिनसे बुद्ध ने महाभिनिष्क्रमण (गृहत्याग) के बाद सबसे पहले ज्ञान-प्राप्ति का प्रयास किया है–**
(a) कौण्डिन्य एवं कालदेवल
(b) आनन्द एवं अश्वघोष
(c) आलार-कलाम एवं रूद्रक रामपुत्त
(d) सारिपत्त एवं नागसेन
उत्तर-(c) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

71. **बौद्ध संघ की प्रथम महिला अनुयायी सदस्या कौन थी?**
(a) खेमा (b) आम्रपाली
(c) गौतमी (d) केश कुण्डला
उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

72. **निम्नलिखित में से कौन-सा कथन बुद्ध की ईश्वर की अवधारणा के विषय में सत्य है-**
(a) ईश्वर का अस्तित्व है
(b) ईश्वर का अस्तित्व नहीं है
(c) इस विषय में महात्मा बुद्ध मौन रहे
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

73. **जैन धर्म के प्रवर्तक महावीरजी का मोक्ष-स्थान कहाँ स्थित है?**
(a) मनेर (b) राजगीर
(c) पावापुरी (d) जालान फोर्ट
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(c) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**
45th BPSC (Pre) 2002
Bihar APO GS -2009

व्याख्या : महावीर स्वामी का जन्म 599 ई. पू. अथवा 540 ई. पू. में वैशाली के निकट कुंडग्राम में हुआ था उनके पिता सिद्धार्थ ज्ञातृक क्षत्रियों के संघ के प्रधान थे, जो वज्जि संघ का एक प्रमुख सदस्य था। 527 ई. पू. अथवा 468 ई. पू. के लगभग 72 वर्ष की आयु में राजगृह (राजगीर) के समीप स्थित पावापुरी नामक स्थान पर उन्होंने शरीर त्याग दिया।
महावीर को कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति जृम्भिकग्राम में हुआ था।

74. **वह स्थान जहाँ महावीर ने पूर्ण आध्यात्मिक ज्ञान (कैवल्य ज्ञान) प्राप्त किया है–**

(a) कुंडग्राम (b) वैशाली
(c) गया (d) जृम्भिक ग्राम

उत्तर-(d) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

75. **महावीर का जन्म स्थान था-**

(a) कौशाम्बी (b) कुंडग्राम
(c) सारनाथ (d) प्रयाग

उत्तर-(b) **30th Bihar (J) GS -2018**
53rd – 55th BPSC (Pre) 2011
47th BPSC (Pre) 2004-05
42nd BPSC (Pre) 1997-98

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

76. **बोध गया में 'बोधि वृक्ष' अपने वंश की इस पीढ़ी का है–**

(a) तृतीय (b) चतुर्थ
(c) पंचम (d) षष्ठम

उत्तर–(*)

48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08

व्याख्या – बोधि वृक्ष बिहार राज्य के गया जिले में बोधगया स्थित महाबोधि मंदिर परिसर में स्थित एक पीपल का वृक्ष है। इसी वृक्ष के नीचे 531 ईसा पूर्व में भगवान बुद्ध को ज्ञान प्राप्त हुआ था। तथ्यों में विवाद होने के कारण बिहार लोक सेवा आयोग ने इस प्रश्न को हटा दिया था।

77. **बुद्ध के जीवन की चार महत्वपूर्ण घटनाओं और उनसे संबंधित चार स्थानों का नीचे उल्लेख है, यह दो स्तम्भों (I एवं II) में अंकित है, आपको इनका सुमेल करना है -**

स्तम्भ-I	**स्तम्भ-II**
A. जन्म	1. सारनाथ
B. ज्ञान प्राप्ति	2. बोध गया
C. प्रथम प्रवचन	3. लुम्बिनी
D. निधन	4. कुशीनगर

कूट :

	A	**B**	**C**	**D**
(a)	1	2	4	3
(b)	2	3	1	4
(c)	3	2	1	4
(d)	4	1	3	2

उत्तर-(c) **41st BPSC (Pre) 1996**

व्याख्या-बौद्ध धर्म के प्रवर्तक गौतम बुद्ध का जन्म कपिलवस्तु के लुम्बिनी नामक ग्राम में शाक्य क्षत्रिय कुल में 563 ई. पू. में हुआ था। इन्होंने सांसारिक समस्याओं से व्यथित होकर 29 वर्ष की अवस्था में गृह त्याग दिया। इस त्याग को बौद्ध ग्रन्थों में महाभिनिष्क्रमण कहा गया। गृहत्याग के उपरांत सर्वप्रथम वे वैशाली के नजदीक अलार कलाम के आश्रम में आये और यहां से उरूवेला (बोध गया) के लिए प्रस्थान किया। बुद्ध के जीवन की घटनाओं का क्रम क्रमशः है- जन्म-लुम्बिनी, ज्ञान प्राप्ति-बोधगया, प्रथम प्रवचन-सारनाथ (मृग दाब या ऋषिपत्तन), मृत्यु-कुशीनगर।

78. **भागवत् सम्प्रदाय के विकास में किसका योगदान अत्यधिक था?**

(a) पार्थियन (b) हिन्द-यूनानी लोग
(c) कुषाण (d) गुप्त

उत्तर-(d) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या–भारत में भागवत धर्म (वैष्णव धर्म) का चरमोत्कर्ष चौथी-पांचवीं शताब्दी में गुप्तों के शासन काल में हुआ। वैष्णव धर्म को गुप्त शासकों ने राजधर्म बनाया तथा देवगढ़ (ललितपुर), भितरगाँव (कानपुर) एवं तिगवाँ (जबलपुर म.प्र.) में प्रसिद्ध विष्णु मंदिरों का निर्माण कराया। गुप्त राजाओं ने 'परम भागवत' की उपाधि धारण की तथा अपने सिक्कों में विष्णु के वाहन गरुड़ की आकृति खुदवाई। गुप्त युग में ही वैष्णव धर्म का प्रचार-प्रसार भारत से बाहर चीन, पूर्वी एशिया, हिन्द चीन, कम्बोडिया, मलाया एवं इण्डोनेशिया तक हुआ। गुप्तों के पूर्व हिन्द यवन शासक एण्टियालकिड्स के राजदूत हेलियोडोरस ने विदिशा में 'गरुड़ ध्वज' की स्थापना की तथा स्वयं को 'परम भागवत्' घोषित किया था।

79. **आजीवक सम्प्रदाय के संस्थापक कौन थे?**

(a) उपालि (b) आनन्द
(c) राहुलभद्र (d) मक्खलि गोशाल

उत्तर-(d) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या–आजीवक सम्प्रदाय के संस्थापक मक्खलि गोशाल थे इनके अनुयायी 'आजीवक' के नाम से जाने जाते हैं। इस सम्प्रदाय के लोग कर्म सिद्धान्त एवं मानव प्रयत्न में विश्वास नहीं करते हैं। मक्खलि गोशाल महावीर के साथी थे और नियतिवाद और जैन धर्म में उनकी आस्था थी। यह सम्प्रदाय मौर्यकाल में लोकप्रिय हुआ। आजीवकों का उल्लेख पतञ्जलि ने भी किया है। मौर्य शासक अशोक व दशरथ ने बराबर व नागार्जुनी पहाड़ी पर गुफाओं का निर्माण आजीवकों के लिए किया था।

80. **बराबर की गुफाओं का उपयोग किसने आश्रमगृह के रूप में किया?**

(a) आजीवकों ने (b) थारूओं ने
(c) जैनियों ने (d) तान्त्रिकों ने

उत्तर-(a) **40th BPSC (Pre) 1995**

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

81. **निम्नलिखित में कौन सबसे पूर्वकालिक जैन ग्रन्थ कहलाता है?**

(a) बारह अंग (b) बारह उपांग
(c) चौदह पूर्व (d) चौदह उपपूर्व

उत्तर-(c) **40th BPSC (Pre) 1995**

व्याख्या–जैन धर्म के वास्तविक संस्थापक स्वामी महावीर द्वारा दिए गए मौलिक सिद्धांतों को महावीर के शिष्यों ने चौदह पूर्वों (14 पूर्व) में संकलित किया। यही 'चौदह पूर्व' जैन धर्म के प्राचीनतम धर्म ग्रंथ हैं। बारह अंग तथा उपांग भी जैन धर्म से सम्बन्धित हैं। जैन ग्रंथ कल्पसूत्र को भद्रबाहु ने लिखा। ध्यातव्य है कि जैन धर्म के प्रथम तीर्थंकर ऋषभदेव थे। जैन धर्म में 5 अणुव्रत है जिसमें आजीवाणुव्रत को अणुव्रत नहीं माना गया है।

82. **जैन कल्पसूत्र को किसने लिखा?**
(a) भद्रबाहु (b) स्थूलबाहु
(c) महावीर (d) पार्श्वनाथ
उत्तर-(a) **27th Bihar (J) GS -2013**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. **प्रथम तीर्थंकर कौन थे-**
(a) महावीर (b) पार्श्वनाथ
(c) ऋषभदेव (d) नेमिनाथ
उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

84. **जैन धर्म के अणुव्रतों में निम्न में से कौन-सा नहीं है?**
(a) सत्याणुव्रत (b) ब्रह्मचर्याणुव्रत
(c) आजीवाणुव्रत (d) अहिंसाणुव्रत
उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

85. **निम्नलिखित में से कौन-सी बात बौद्ध धर्म तथा जैन धर्म में समान नहीं है?**
(a) अहिंसा
(b) वेदों के प्रति उदासीनता
(c) आत्म दमन
(d) रीति व रिवाजों की अस्वीकृति
उत्तर-(c) **44th BPSC (Pre) 2000-01**

व्याख्या-जैन धर्म आत्म दमन में विश्वास करता है जबकि बौद्ध धर्म आत्म दमन में गहरी आस्था नहीं रखता है। जैन तथा बौद्ध धर्म में कुछ समानतऐं थी। जैसे– दोनों धर्मों में यज्ञीय कर्मकाण्डों, जाति-प्रथा तथा छुआछूत का विरोध किया गया है। दोनों ही ईश्वर की सत्ता को स्वीकार नहीं करते। परन्तु इनमें कुछ असमानताएं भी थी। जैसे अहिंसा में दोनों धर्म विश्वास करते थे पर जैन धर्म इस पर अधिक बल देता था। जैन धर्म में मोक्ष शरीर त्यागने के बाद ही संभव था पर बौद्ध धर्म में निर्वाण के लिए शरीर त्यागने की आवश्यकता नहीं थी। दोनों धर्मों में महत्वपूर्ण अन्तर आत्मा के विचार को लेकर था। बौद्ध धर्म अनात्मवादी है पर पुनर्जन्म में विश्वास करता है। जैन धर्म आत्मा में विश्वास करता था। मूर्तिपूजा का प्रचलन दोनों धर्मों में था, पर जैन महावीर की नग्न मूर्ति की पूजा करते थे।

5. सोलह महाजनपद

86. **महावंश के अनुसार, बिम्बिसार किस आयु में सिंहासन पर बैठा था?**
(a) 15 वर्ष (b) 18 वर्ष
(c) 20 वर्ष (d) 21 वर्ष
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**

व्याख्या– महावंश के अनुसार बिम्बिसार 15 वर्ष की अवस्था में 544 ई. पू. में मगध के सिंहासन पर बैठा। इसने अंग राज्य को जीतकर अपने साम्राज्य में मिलाया तथा अवन्ति से मैत्रिपूर्ण संबंध स्थापित किए।

87. **कोशल एवं मगध के मध्य संघर्ष का प्रारम्भ किसके समय हुआ?**
(a) पुष्यमित्र (b) स्कन्दगुप्त
(c) अशोक (d) अजातशत्रु
BPSC LDC (Mains)-2022

Ans. (d) : कोशल एवं मगध के बीच संघर्ष का प्रारम्भ अजातशत्रु के समय हुआ। अजातशत्रु (492 ई.पू) मगध का राजा था। उसने अंग, लिच्छिवी, वज्जि, कोशल तथा काशी जनपदों को अपने राज्य मे मिलाकर एक विस्तृत साम्राज्य की स्थापना की अजातशत्रु ने विजय व विस्तार की नीति का पालन किया।

88. **मगध शासक बिम्बिसार का चिकित्सक कौन था?**
(a) शीलभद्र (b) विजयसेन
(c) जीवक (d) मनु
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre)2022

Ans. (c) : जीवक नामक चिकित्सक बिम्बिसार के दरबार में रहता था। हर्यक वंश के शासक बिम्बिसार ने गिरिब्रज (राजगृह) को अपनी राजधानी बनाकर मगध साम्राज्य की स्थापना की। बिम्बिसार हर्यक वंश का प्रथम शक्तिशाली शासक था। आगे चलकर इस वंश के शासक उदयिन ने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र में स्थापित की।

89. **पाटलिपुत्र किस राजवंश की राजधानी थी?**
(a) काशी (b) कोशल
(c) अंग (d) मगध
उत्तर-(d) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

90. **छठी शताब्दी ई. पू. में बिम्बिसार ...... पर राज्य करता था-**
(a) कोसल (b) मगध
(c) अवन्ति (d) वत्स
उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

91. **किसने सोचा था कि प्रथम बौद्धवादी काउंसिल राजगृह में ही होना चाहिए ?**
(a) आनन्द (b) अश्वघोष
(c) बिम्बिसार (d) अजातशत्रु
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Head Master 2022

Ans. (d) महात्मा बुद्ध की मृत्यु के पश्चात् मगध शासक अजातशत्रु ने अपनी राजधानी 'राजगृह (राजगीर) में प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन 483 ई.पू. में किया जिसकी अध्यक्षता महाकस्सप ने की।

92. **किस शासक ने सुन्दर नगर पाटलीपुत्र की स्थापना की?**
(a) अजातशत्रु (b) बिम्बिसार
(c) बिन्दुसार (d) उदयिन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC AAO 2021

Ans. (d) : हर्यक वंश के महान शासक उदायिन (460-444 ई.पू.) ने गंगा व सोन नदी के संगम पर पाटलिपुत्र (कुसुमपुर) नगर की स्थापना करके उसे अपनी राजधानी बनायी।

93. किस शासक ने अपनी राजधानी पाटलिपुत्र में स्थानांतरित की थी?
(a) बिंबिसार (b) अजातशत्रु
(c) उदायिन (d) चन्द्रगुप्त मौर्य
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(c) **65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**
46th BPSC (Pre) 2003-04

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

94. अवन्ति राज्य की राजधानी थी
(a) पाटलीपुत्र (b) कौशाम्बी
(c) उज्जैन (d) गया
उत्तर-(c) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– पश्चिमी तथा मध्य मालवा के क्षेत्र में अवन्ति महाजनपद बसा हुआ था। इसके दो भाग थे- प्रथम उत्तरी अवन्ति जिसकी राजधानी उज्जयिनी थी तथा द्वितीय दक्षिणी अवन्ति जिसकी राजधानी महिष्मती थी। उज्जयिनी की पहचान मध्य प्रदेश के आधुनिक उज्जैन नगर से की जाती है। यहाँ का प्रमुख शासक चण्ड प्रद्योत था।

95. चण्ड प्रद्योत कहाँ का राजा था?
(a) काशी (b) कौशल
(c) मगध (d) अवन्ति
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(d) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

96. छठीं शताब्दी ई.पू. में निम्नलिखित में से कौन-सा एक गणतंत्र था-
(a) अंग (b) चेदि
(c) मल्ल (d) वत्स
उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2011**
48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08
44th BPSC (Pre) 2000-01

व्याख्या– छठी शताब्दी ई.पू. भारत के 16 महाजनपदों में मल्ल एक महाजनपद था मल्ल महाजनपद उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले में स्थित था। इसके दो भाग थे एक की राजधानी गण्डक नदी के किनारे स्थित थी कुशीनगर दूसरे की पावा थी। सोलह महाजनपदों का उल्लेख अंगुत्तर निकाय एवं भगवतीसूत्र में मिलता है। सोलह महाजनपद इस प्रकार है- काशी, कोशल, अंग, चेदि, वत्स, कुरु, पांचाल, मत्स्य, शूरसेन, अश्मक, अवन्ति, गांधार, कम्बोज, वज्जि, मल्ल, मगध थे। मल्ल राज्य एक गणतंत्र राज्य था। इसके अंतर्गत कुशीनारा व पावा के मल्ल आते थे।

97. मगध की प्रारम्भिक राजधानी कौन-सी थी?
(a) पाटलिपुत्र (b) वैशाली
(c) राजगृह (गिरिव्रिज) (d) चम्पा
उत्तर–(c) **53rd–55th BPSC (Pre) 2011**
47th BPSC (Pre) 2004-05

व्याख्या– सोलह (16) महाजनपद काल में मगध सबसे शक्तिशाली था। मगध की स्थापना हर्यंक वंश के बिम्बिसार ने किया था और राजगृह को अपनी राजधानी बनाया था।

98. प्राचीन महाजनपद मगध की प्रथम राजधानी कौन-सी थी?
(a) पाटलिपुत्र (b) वैशाली
(c) चम्पा (d) अंग
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(e) **66th BPSC (Pre) 2020**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

99. अजातशत्रु के वंश का नाम क्या था?
(a) मौर्य (b) हर्यंक
(c) नन्द (d) गुप्त
उत्तर–(b) **53rd – 55th BPSC (Pre) 2011**
Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005

व्याख्या – अजातशत्रु हर्यंक वंश के संस्थापक बिम्बिसार का पुत्र था। अजातशत्रु ने अपने पिता की हत्या कर मगध की सत्ता हस्तगत की थी। पिता की हत्या करने के कारण उसे 'पितृहंता' कहा गया है।

100. विश्व का पहला गणतंत्र वैशाली में किसके द्वारा स्थापित किया गया–
(a) मौर्य (b) नन्द
(c) गुप्त (d) लिच्छवी
उत्तर–(d) **48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**

व्याख्या– वैशाली के लिच्छवियों ने विश्व का पहला गणतंत्र स्थापित किया था। वैशाली बुद्ध काल का सबसे बड़ा तथा शक्तिशाली गणराज्य था। लिच्छवी वज्जि संघ में सर्वप्रथम थे।

101. ईसा पूर्व छठीं सदी में विश्व की प्रथम गणतंत्रात्मक व्यवस्था कहां थी?
(a) वैशाली (b) एथेन्स
(c) स्पार्टा (d) पाटलिपुत्र
उत्तर-(a) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

102. सोलह महाजनपदों की सूची उपलब्ध है-
(a) महाभारत में (b) अंगुत्तर निकाय में
(c) छांदोग्य उपनिषद् में (d) संयुक्त निकाय में
उत्तर-(b) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

व्याख्या–बौद्ध ग्रंथ 'अंगुत्तर निकाय' तथा जैन ग्रंथ 'भगवती सूत्र' में बुद्धकालीन 16 महाजनपदों का उल्लेख प्राप्त होता है। 16 महाजनपदों में अश्मक या अस्सक महाजनपद जिसकी राजधानी पोतन (पोटन/पोटली) थी, दक्षिण भारत में अवस्थित एक मात्र महाजनपद था। इन महाजनपदों में मगध सबसे शक्तिशाली महाजनपद था।

103. प्रथम मगध साम्राज्य का उत्कर्ष किस शताब्दी में हुआ था?
(a) ई.पू. चौथी शताब्दी (b) ई.पू. छठवीं शताब्दी
(c) ई.पू. दूसरी शताब्दी (d) ई.पू. पहली शताब्दी
उत्तर–(b) **42nd BPSC (Pre) 1997-98**

व्याख्या– प्रथम मगध साम्राज्य का उत्कर्ष ई. पू. छठवीं शताब्दी में हुआ था। इस साम्राज्य की महत्ता का वास्तविक संस्थापक राजा बिंबिसार (लगभग 544-492 ई. पू.) था। वह हर्यंक वंश से संबंद्ध था।

104. निम्नलिखित में से कौन प्राचीनतम राजवंश है?

(a) मौर्य (b) नन्द
(c) पल्लव (d) गुप्त

उत्तर-(b) **25th Bihar (J) GS -2012**

व्याख्या– प्रश्नगत नंद वंश भारत का प्राचीनतम राजवंश है। नंद वंश मगध, (बिहार) का लगभग 344 ई.पू. से 324 ई.पू. के बीच का शासक वंश था। 344 ई.पू. में नन्द वंश की स्थापना महापद्मनन्द ने की थी। पुराणों में महापद्मनन्द की 'शूद्रागर्भोद्भव' कहा गया है। पालीग्रन्थ महाबोधिवंश में उसे 'उग्रसेन' कहा गया है।

105. 'अंग' जनपद की राजधानी थी–

(a) चम्पा (b) रामग्राम्य
(c) कपिलवस्तु (d) कुंडग्राम

उत्तर-(a) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**

व्याख्या– 16 महाजनपदों में अंग महाजनपद का महत्वपूर्ण स्थान है जिसकी राजधानी चंपा थी। बिम्बिसार अंग राज्य को जीतकर उसे मगध में मिलाया और अपने पुत्र अजातशत्रु को वहाँ का शासक नियुक्त किया। वर्तमान भागलपुर एवं मुंगेर जिले (बिहार) अंग महाजनपद के अंतर्गत थे।

106. वत्स का राज्य स्थित था-

(a) इलाहाबाद के आसपास (b) उज्जैन के आसपास
(c) मेरठ के आसपास (d) वाराणसी के आसपास

उत्तर-(a) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

व्याख्या– वत्स महाजनपद वर्तमान प्रयागराज (इलाहाबाद) के क्षेत्र में स्थित था, इसकी राजधानी कौशाम्बी थी। बुद्धकाल में यहाँ पौरववंश का शासन था जिसका प्रसिद्ध राजा उदयन था। उदयन का प्रेम संबंध अवंति की राजकुमारी वासवदत्ता से था। उदयन को प्रसिद्ध बौद्ध भिक्षु 'पिण्डोला' ने बौद्ध मत में दीक्षित किया था। कौशाम्बी प्रसिद्ध व्यापारिक नगर भी था। कौशाम्बी से उदयन का विशाल राजप्रसाद प्राप्त हुआ है।

107. प्राचीन भारत में 'द्वितीय नगरीकरण' से संबंधित क्षेत्र था-

(a) सिंधु घाटी (b) गांगेय मैदान
(c) दक्षिणी तटवर्ती क्षेत्र (d) पश्चिमी तटवर्ती क्षेत्र

उत्तर-(b) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

व्याख्या– प्राचीन भारत में 'द्वितीय नगरीकरण' से संबंधित क्षेत्र गांगेय मैदान (उत्तरी काली पॉलिश के मृदभाण्ड वाला क्षेत्र) था। द्वितीय नगरीकरण का उद्भव महाजनपदों के आविर्भाव के साथ प्रारम्भ होता है तथा मगध साम्राज्य की स्थापना में अपने चर्मोत्कर्ष पर पहुँच जाता है। समुन्नत खाद्य उत्पादन अर्थव्यवस्था मध्यगंगा की जलोढ़ मिट्टी पर सबसे पहले फैलती हुई दिखाई देती है जिससे न केवल उत्पादकों बल्कि शिल्प एवं व्यापार-वाणिज्य क्षेत्र से जुड़े लोगों का भरण-पोषण संभव हुआ।

6. मौर्य एवं मौर्योत्तर काल

108. निम्न में से किस स्थल पर मौर्य साम्राज्य द्वारा महल बनवाया गया था?

(a) पाटलिपुत्र
(b) कुम्हरार
(c) राजगीर
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Bihar Agriculture-2023

Ans. (b) : वाडेल को कुम्रहार (पटना के निकट) से एक स्तम्भ तथा स्पूनर को 72 स्तम्भों की प्राप्ति हुई बाद में आठ स्तम्भ और खोजे गए। इस प्रकार कुम्रहार से ८० स्तम्भों वाले लकड़ी के राजमहल का अवशेष प्राप्त हुआ, जिसे चन्द्रगुप्त मौर्य का राजमहल माना जाता है। पतंजलि के महाभाष्य में चन्द्रगुप्त मौर्य के इस राजसभा का उल्लेख हुआ है। फाह्यान ने इस राजप्रासाद को देवनिर्मित बताया।

109. 'शक सम्वत्' का प्रारम्भ कब हुआ?

(a) 72 AD/72 ई. (b) 75 AD/75 ई.
(c) 78 AD/78 ई. (d) 80 AD/80 ई.

31th BPSC (J)-2022

Ans. (c) : 'शक सम्वत्' का प्रारम्भ 78 ई. में हुआ था। इसे प्रारम्भ करने का श्रेय कुषाण शासक कनिष्क को जाता है। शक सम्वत् निकालने के लिए वर्तमान ईसवी में से 78 कम कर दिया जाता है। भारतीय राष्ट्रीय कैलेंडर शक संवत पर आधारित है। जिसे 1957 में मान्यता प्राप्त है। शक कैलेंडर समय की चंद्र-सौर गणना पर आधारित है।

110. दूसरी शताब्दी के आस-पास रचित संस्कृत के शिलालेख के अनुसार, सुदर्शन झील, एक कृत्रिम जलाशय, की मरम्मत किसने की थी?

(a) हर्ष
(b) कनिष्क
(c) रुद्रदामन
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (c) : जूनागढ़ अभिलेख (150-151 ई.) के अनुसार रुद्रदामन-I द्वारा सुदर्शन झील के मरम्मत कराने का उल्लेख प्राप्त होता है। उल्लेखनीय है कि सुदर्शन झील का निर्माण चन्द्रगुप्त मौर्य के प्रान्तीय शासक पुष्यगुप्त ने कराया था। बाद में अशोक के राज्यपाल तुषास्फ ने उसमें से नहरें बनवाई थी। उल्लेखनीय है कि रूद्रदामन के समय में अतिवृष्टि से झील का बांध टूट गया था। जिसकी मरम्मत कार्य रूद्रदामन के प्रान्तीय शासक सुविशाख ने करवाई थी। इसके लिए प्रजा पर कोई अतिरिक्त कर नहीं आरोपित किया गया था।

111. मौर्य साम्राज्य का अंतिम शासक कौन था?

(a) कुणाल (b) बृहद्रथ
(c) तिवारा (d) अशोक

BPSC LDC (Mains)-2022

Ans. (b) : मौर्य सामाज्य का अंतिम शासक बृहद्रथ था। चन्द्रगुप्त मौर्य ने 323–321 ई.पू. में मौर्य साम्राज्य की स्थापना की थी। बृहद्रथ की हत्या उसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग ने की, जिसने शुंग राजवंश की स्थापना की।

112. मेगस्थनीज को राजदूत के रूप में किसके दरबार में भेजा गया था?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य (b) अशोक
(c) हर्षवर्द्धन (d) समुद्रगुप्त

31th BPSC (J)-2022

Ans. (a): मेगस्थनीज यूनानी राजा सेल्यूकस द्वारा मौर्य सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य के दरबार में भेजा गया एक यूनानी राजदूत था। वह एक खोजकर्ता तथा इतिहासकार था। इसने इंडिका नामक पुस्तक की रचना की थी। जिसमें उस समय के भारतीय समाज के बारे में वर्णन किया गया है।

113. कौन-सी पुस्तक बिन्दुसार को एक अभिषिक्त क्षत्रिय वर्णित करती है ?

(a) अर्थशास्त्र (b) इण्डिका
(c) दिव्यावदान (d) राजतरंगिणी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं /उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC Auditor (Pre) 2021

Ans. (c) : दिव्यावदान में, चन्द्रगुप्त के पुत्र बिन्दुसार को क्षत्रिय मुर्दभिसिक्त अर्थात अभिषिक्त क्षत्रिय कहा गया है। बिन्दुसार मौर्य साम्राज्य के दूसरे शासक थे। इनका शासनकाल 298 – 273 ई. पू तक रहा। बिन्दुसार को ''अमित्रघात'' भी कहा गया है।

114. मौर्यकाल में 'कंटकशोधन' न्यायालय किस प्रकार का न्याय करता था?

(a) दीवानी (b) फौजदारी
(c) धार्मिक (d) नैतिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC DACO 2021

Ans. (b) : मौर्यकाल में दो प्रकार के न्यायालय का उल्लेख मिलता है– 1. धर्मस्थीय 2. कंटकशोधन। ये न्यायालय ग्राम संघ और राजा के न्यायालय के अतिरिक्त थे। धर्मस्थीय न्यायालय दीवानी न्यायालय की तरह कार्य करता था तो वहीं कंटकशोधन न्यायालय फौजदारी न्यायालय की तरह कार्य करता था।
मौर्यकाल में समाहर्ता राजस्व विभाग का प्रधान (महासंग्रहकर्ता) होता था। मौर्यकाल में शासकीय भूमि से प्राप्त आय को 'सीता' कहा जाता था। मौर्यकाल में शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध केन्द्र तक्षशिला था। कौटिल्य का अर्थशास्त्र 15 अधिकरणों में विभक्त था।

115. 'समाहर्ता' कौन था?

(a) महासंग्राहकर्ता (b) खजांची
(c) महालेखापरीक्षक (d) दण्डनायक

उत्तर-(a) **BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

116. मौर्यकाल में शासकीय भूमि से प्राप्त आय को क्या कहा जाता था?

(a) भोग (b) राजकर
(c) भाग (d) सीता

उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

117. मौर्यकाल में शिक्षा का सर्वाधिक प्रसिद्ध केन्द्र था -

(a) वैशाली (b) नालन्दा
(c) तक्षशिला (d) उज्जैन

उत्तर-(c) **47th BPSC (Pre) 2004-05**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

118. कौटिल्य का अर्थशास्त्र कितने अधिकरणों में विभाजित है?

(a) 11 (b) 12
(c) 14 (d) 15

उत्तर–(d) **48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

119. किस शिलालेख में अशोक ने 'त्रिरत्न' में अपना विश्वास प्रकट किया है?

(a) मस्की (b) कल्सी
(c) मेहसाना (d) भाब्रू
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC AAO 2021

Ans. (d) : सम्राट अशोक महान के भाब्रू शिलालेख को जयपुर के निकट विराट नगर से खोजा गया, जिसमें अशोक के द्वारा बौद्ध धर्म के त्रिरत्नों (बौद्ध, धम्म, संघ) में अपनी आस्था व विश्वास प्रकट किया गया है। इसी अभिलेख में अशोक स्वयं को मगध का राजा (मगधाधिराज) कहता है। सोहगौरा अभिलेख में अकाल का उल्लेख मिलता हैं। अशोक के 13वें शिलालेख में कलिंग विजय का वर्णन मिलता है। सामान्यतः अशोक अपने अभिलेखों में प्रियदर्शी नाम से जाना जाता है। अशोक के अभिलेखों को सर्वप्रथम जेम्स प्रिंसेप ने पढ़ा था। अशोक के शिलालेख प्राकृत भाषा में पाए गए हैं।

120. वह स्तम्भ जिसमें अशोक ने स्वयं को मगध का सम्राट बताया है-

(a) मास्की का लघु स्तम्भ (b) रुम्मिनदेई स्तम्भ
(c) कीन स्तम्भ (d) भाब्रु स्तम्भ

उत्तर-(d) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

121. अशोक के शिलालेखों (Inscriptions) में प्रयुक्त भाषा है-

(a) संस्कृत (b) प्राकृत
(c) पालि (d) हिन्दी

उत्तर : (b) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

122. अशोक के ब्राह्मी अभिलेखों को सर्वप्रथम किसने पढ़ा था?

(a) प्रिन्सेप (b) एच.डी. साँकलिया
(c) एस.आर. गोयल (d) वी.एन. मिश्रा

उत्तर–(a) **48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

123. अपने शिलालेखों में अशोक सामान्यतः किस नाम से जाने जाते हैं?

(a) चक्रवर्ती (b) प्रियदर्शी
(c) धर्मदेव (d) धर्मकीर्ति
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **65th BPSC (Pre) 2019**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

124. किस अभिलेख में कलिंग विजय का वर्णन है?

(a) मास्की अभिलेख (b) रुद्रदामन अभिलेख
(c) जूनागढ़ अभिलेख (d) हाथीगुम्फा अभिलेख
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(e) **66th BPSC (Pre) (Re-Exam) 2020**
29th Bihar (J) GS -2017

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

125. अशोक के किस अभिलेख में अकाल (दुर्भिक्ष) का उल्लेख है?

(a) सोहगौरा (b) मस्की
(c) सोपारा (d) कलसी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC DACO 2021

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

126. भारत में पहले साम्राज्य की स्थापना किस शासक के द्वारा की गई थी?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य
(b) अशोक
(c) कनिष्क
(d) चन्द्रगुप्त द्वितीय विक्रमादित्य
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **66th BPSC (Pre) (Re-Exam) 2020**

व्याख्या– चन्द्रगुप्त मौर्य भारत के महान सम्राट थे। इन्होंने मौर्य साम्राज्य की स्थापना 323–321 ईसा पूर्व में की थी। चन्द्रगुप्त मौर्य सुदूर दक्षिण को छोड़कर पूरे भारत को एक साम्राज्य के अधीन लाने में सफल रहें। तमिलग्रंथ अहनानूर और नुरनानूर में चद्रगुप्त के दक्षिण विजय का वर्णन मिलता है। चन्द्रगुप्त मौर्य का महत्वपूर्ण युद्ध घनानन्द के साथ उत्तराधिकार के लिए हुआ था। चन्द्रगुप्त के शत्रुओं के विरूद्ध चाणक्य की कूटनीतिक रणनीतियों का वर्णन विशाखदत्त द्वारा रचित मुद्राराक्षस में मिलता है। इस महत्वपूर्ण नाटक को हिन्दी में अनुवाद करने का श्रेय भारतेन्दु हरिश्चन्द्र को है। रूद्रदामन के जूनागढ़ अभिलेख से यह जानकारी मिलती है कि चन्द्रगुप्त का प्रभाव पश्चिम भारत तक फैला था। चन्द्रगुप्त मौर्य एक प्रबुद्ध निरंकुश शासक था। इसने पाटलिपुत्र को सर्वप्रथम अपनी राजधानी बनाया। इसने दक्कन का भी विजय किया था।

127. चन्द्रगुप्त मौर्य था

(a) एक निरंकुश शासक
(b) एक राजनीतिज्ञ
(c) एक उदार शासक
(d) एक प्रबुद्ध निरंकुश शासक

उत्तर-(d) **27th Bihar (J) GS -2013**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

128. प्रसिद्ध ग्रंथ 'मुद्राराक्षस' के लेखक कौन थे?

(a) विशाखदत्त (b) कालिदास
(c) शूद्रक (d) राजशेखर

उत्तर-(a) **29th Bihar (J) GS -2017**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

129. किस अभिलेख से यह साबित होता है कि चन्द्रगुप्त का प्रभाव पश्चिमी भारत तक फैला हुआ था?

(a) कलिंग अभिलेख
(b) अशोक का गिरनार अभिलेख
(c) रुद्रदामन का जूनागढ़ अभिलेख
(d) अशोक का सोपरा अभिलेख

उत्तर-(c) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

130. पाटलिपुत्र को किस शासक ने सर्वप्रथम अपनी राजधानी बनाई?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य (b) अशोक महान्
(c) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (d) कनिष्क

उत्तर-(a) **42nd BPSC (Pre) 1997-98**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

131. निम्नलिखित में से किस मौर्य राजा ने दक्कन की विजय की थी?

(a) अशोक (b) चन्द्रगुप्त
(c) बिन्दुसार (d) कुणाल

उत्तर : (b) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

132. जिसके ग्रन्थ में चन्द्रगुप्त मौर्य का विशिष्ट रूप से वर्णन हुआ है, वह है-

(a) भास (b) शूद्रक
(c) विशाखदत्त (d) अश्वघोष

उत्तर-(c) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

133. कौटिल्य अथवा चाणक्य किस सम्राट का प्रधानमंत्री था?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य (b) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य
(c) समुद्रगुप्त (d) हर्ष

उत्तर-(a) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– कौटिल्य अथवा चाणक्य, मौर्य साम्राज्य के संस्थापक सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य का प्रधानमंत्री और पुरोहित था। पुरोहित प्रमुख धर्माधिकारी होते थे। चन्द्रगुप्त मौर्य के समय ये दोनों विभाग कौटिल्य के अधीन था। कौटिल्य को भारत का मैकियावेली भी कहा जाता है। कौटिल्य ने 'अर्थशास्त्र' नामक प्रसिद्ध ग्रंथ की रचना की जो राजनीति शास्त्र से संबन्धित है।
चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को बख्शीश (उपहार) के रूप में 500 युद्धक हाथी दिया था। नंद वंश के पश्चात् मगध पर मौर्य वंश का शासन स्थापित हुआ। विलियम जोन्स ने सैन्ड्रोकोट्स की पहचान चन्द्रगुप्त मौर्य से किया है।

134. 'अर्थशास्त्र' नामक पुस्तक का लेखक कौन था?
(a) बाणभट्ट (b) कौटिल्य
(c) कल्हण (d) विशांखदत्त
उत्तर-(b) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

135. कौटिल्य के 'अर्थशास्त्र' में किस पहलू पर प्रकाश डाला गया है?
(a) आर्थिक जीवन (b) राजनीतिक नीतियाँ
(c) धार्मिक जीवन (d) सामाजिक जीवन
उत्तर–(b) **45th BPSC (Pre) 2002**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

136. नन्द वंश के पश्चात् मगध पर किस राजवंश ने शासन किया?
(a) मौर्य (b) शुंग
(c) गुप्त (d) कुषाण
उत्तर-(a) **47th BPSC (Pre) 2004-05**
Bihar BHO Exam-2024

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

137. सैण्ड्रोकोटस से चन्द्रगुप्त मौर्य की पहचान किसने की?
(a) विलियम जोन्स (b) वी.स्मिथ
(c) आर.के. मुकर्जी (d) डी.आर. भण्डारकर
उत्तर–(a)
Bihar BHO Exam-2024
48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

138. कौटिल्य की पुस्तक अर्थशास्त्र किस विषय पर आधारित है?
(a) आर्थिक संबंध
(b) शासनकला के सिद्धांत और अभ्यास
(c) विदेश नीति
(d) धन संचय
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(b) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

139. चन्द्रगुप्त मौर्य ने सेल्यूकस को बख्शिश के रूप में क्या दिया था?
(a) 500 युद्धक हाथी (b) 1000 अश्व
(c) 2000 बैल (d) 4000 गाय
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) **65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

140. मेगस्थनीज दूत था
(a) सेल्यूकस का (b) सिंकदर का
(c) डेरियस का (d) यूनानियों का
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**

व्याख्या : मेगस्थनीज, सेल्यूकस निकेटर का राजदूत था, जो मौर्य वंश के संस्थापक चन्द्रगुप्त मौर्य के शासनकाल में भारत आया था। इसके द्वारा रचित 'इण्डिका' पुस्तक में मौर्ययुगीन समाज एवं संस्कृति का विवरण मिलता है। मेगस्थनीज ने इण्डिका नामक पुस्तक में पाटलिपुत्र के नगर प्रशासन का उल्लेख किया है। इसके साथ ही इसमें मौर्य समाज का सात वर्गों में विभाजन का भी वर्णन मिलता है।

141. वह स्रोत जिसमें पाटलिपुत्र के प्रशासन का वर्णन उपलब्ध है, वह है-
(a) दिव्यावदान (b) अर्थशास्त्र
(c) इण्डिका (d) अशोक के शिलालेख
उत्तर-(c) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

142. मौर्य समाज का सात वर्गों में विभाजन का विशेष रूप से उल्लेख किया गया है
(a) कौटिल्य के अर्थशास्त्र में
(b) अशोक के शिलालेखों में
(c) पुराणों में
(d) मेगस्थनीज की पुस्तक इंडिका में
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(d) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**
46th BPSC (Pre) 2003-04

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

143. 'इण्डिका' का लेखक कौन था?
(a) विष्णुगुप्त (b) मेगस्थनीज
(c) डाइमेकस (d) प्लिनी
उत्तर–(b) **56th–59th BPSC (Pre) 2015**
47th BPSC (Pre) 2004-05

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

144. अशोक के 'धम्म' का मूल संदेश क्या है?
(a) राजा के प्रति वफादारी (b) शांति एवं अहिंसा
(c) बड़ों का सम्मान (d) धार्मिक सहनशीलता
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(e) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**

व्याख्या : अशोक के धम्म में राजा के प्रति वफादारी बड़ों का सम्मान, धार्मिक सहिष्णुता तथा शांति एवं अहिंसा के विचार परिलक्षित होते हैं। इतिहास में अशोक की प्रसिद्धि का कारण उसका 'धम्म' है जिसको अशोक ने अपने दूसरे तथा सातवें स्तम्भलेख में इस प्रकार वर्णित किया है- ''धम्म है साधुता, बहुत से कल्याणकारी अच्छे कार्य करना, पाप रहित होना, मृदुता, दूसरों के प्रति व्यवहार में उदारता, दया, दान तथा शुचिता।'' अशोक ने अपने 12वें शिलालेख में धम्म की सारवृद्धि पर जोर दिया है।
सम्राट अशोक चन्द्रगुप्त का पौत्र था। अशोक की रानी का नाम कारूवाकी उसके अभिलेखों में मिलता है। अशोक के ही प्रयास से बौद्ध धर्म एक वैश्विक धर्म बना। अशोक के साम्राज्य में श्रीलंका शामिल नहीं था। अशोक के शासनकाल में बौद्ध सभा पाटलिपुत्र में आयोजित की गयी थी। अशोक ने कलिंग पर आक्रमण कर उसे विजित किया था। मौर्य साम्राज्य के पतन के लिए आर्थिक कारण को डी.डी. कौशाम्बी ने प्रतिपादित किया है।

145. सम्राट अशोक चन्द्रगुप्त का क्या था?

(a) बेटा (b) पौत्र
(c) दादा (d) पिता

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2009**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

146. निम्नलिखित में से कौन मौर्य शासक अशोक की रानी थी-

(a) नागनिका (b) कारूवाकी
(c) ध्रुवदेवी (d) कोसलदेवी

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

147. निम्न में से किसके प्रयास से बौद्ध एक वैश्विक धर्म बना?

(a) बिन्दुसार (b) अशोक
(c) कनिष्क (d) हर्ष

उत्तर-(b) **25th Bihar (J) GS -2012**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

148. निम्नलिखित में से कौन-सा क्षेत्र अशोक के साम्राज्य में सम्मिलित नहीं था?

(a) अफगानिस्तान (b) बिहार
(c) श्रीलंका (d) कलिंग

उत्तर-(c) **42nd BPSC (Pre) 1997-98**

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

149. अशोक के शासनकाल में बौद्ध-सभा किस नगर में आयोजित की गयी थी?

(a) मगध (b) पाटलिपुत्र
(c) समस्तीपुर (d) राजगृह

उत्तर–(b) **45th BPSC (Pre) 2002**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

150. अशोक ने किस राज्य पर आक्रमण किया था?

(a) काशी (b) कौशाम्बी
(c) कलिंग (d) अंग

उत्तर-(c) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

151. अशोक की नीति के आर्थिक परिणामों के कारण ही मौर्य साम्राज्य का पतन अधिकांशतः उचित था। इस तथ्य में किसने विश्वास किया?

(a) रोमिला थापर
(b) डी.एन. झा
(c) वी.ए. स्मिथ
(d) एच.सी. रायचौधरी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC CDPO 2021

Ans. (e) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

152. सबसे अन्त में कौन-सी घटना हुई?

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य का राज्याभिषेक
(b) अशोक का राज्याभिषेक
(c) मेगस्थनीज़ का भारत आगमन
(d) अशोक की कलिंग विजय

BPSC LDC (Pre) 2021

Ans. (d) :उपयुर्क्त विकल्पों में अशोक की कलिंग विजय की घटना सबसे अन्त में घटित हुई थी।

153. अन्तिम मौर्य सम्राट था?

(a) जालौक (b) अवन्ति वर्मा
(c) नन्दी वर्धन (d) वृहद्रथ

उत्तर–(d) **48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**
Bihar APO GS -2013
Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005

व्याख्या– अन्तिम मौर्य सम्राट वृहद्रथ था। बृहद्रथ की हत्या इसके सेनापति पुष्यमित्र शुंग के द्वारा 184 ई. पू. में की गई। पुष्यमित्र शुंग ने एक राजवंश की स्थापना की जिसे शुंग वंश के नाम से जाना जाता है। पुष्यमित्र शुंग कट्टर ब्राह्मणवादी था। इसने दो अश्वमेध यज्ञ किए। इन अश्वमेध यज्ञों के पुरोहित पतंजलि थे; जिन्होंने महाभाष्य की रचना की। अर्थशास्त्र के अनुसार सीता भूमि जनजातियों द्वारा जोती जाने वाली भूमि होती थी।

154. अर्थशास्त्र के अनुसार 'सीता' भूमि का अभिप्राय है-

(a) न जोती जाने वाली अनुपयोगी भूमि
(b) ब्राह्मणों के स्वामित्व वाली भूमि
(c) जनजातियों द्वारा जोती जाने वाली भूमि
(d) वनीय भूमि

उत्तर-(c) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

155. मौर्यवंश के पश्चात् किस वंश का राज स्थापित हुआ?

(a) शक वंश (b) कुषाण वंश
(c) सात वाहन वंश (d) शुंग वंश

उत्तर-(d) **44th BPSC (Pre) 2000-01**

व्याख्या- पुष्यमित्र शुंग ने अंतिम मौर्य सम्राट वृहद्रथ की हत्या कर शुंग वंश की स्थापना की। पुष्यमित्र शुंग मौर्य सेना का सेनापति था। शुंगवंश ने लगभग 112 वर्षों तक शासन किया। पुष्यमित्र शुंग के विषय में जानकारी इसके अयोध्या अभिलेख से प्राप्त होती है जो इसके राज्यपाल धनदेव से संबन्धित है। शुंग वंश के बाद कण्व वंश का शासन स्थापित हुआ। गौतमीपुत्र शातकर्णी सातवाहन वंश का एक महत्वपूर्ण शासक था।

156. गौतमीपुत्र शातकर्णि का सम्बन्ध किस राजवंश से था-

(a) शक (b) सातवाहन
(c) हिन्दु-यवन (d) शुंग

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

157. शुंग वंश के बाद किस वंश ने भारत पर राज किया?

(a) सातवाहन (b) कुशान (कुषाण)
(c) कण्व (d) गुप्त

उत्तर–(c) **45th BPSC (Pre) 2002**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

158. कलिंग नरेश खारवेल का सम्बन्ध था–

(a) महामेघवाहन वंश से (b) चेदि वंश से
(c) सातवाहन वंश से (d) रठ-भोजक वंश से
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(e) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या- कलिंग में प्रथम शताब्दी ई. पू. में चेदि वंश या महामेघवाहन वंश का उदय हुआ। इस राजवंश का संस्थापक महामेघवाहन था। खारवेल इस वंश का दूसरा तथा महाराजा कुदेप तीसरे शासक थे। पातालपुर गुहालेख का संबन्ध महाराजा कुदेप से है। कलिंग नरेश खारवेल का ही हाथीगुम्फा अभिलेख है जो प्राकृत भाषा में है।

159. राजा खारवेल का नाम जुड़ा (Figures) है–

(a) गिरनार स्तंभ लेख के साथ
(b) जूनागढ़ स्तंभ लेख के साथ
(c) हाथी गुम्फा लेख के साथ
(d) सारनाथ लेख के साथ

उत्तर-(c) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याखा देखें।

160. कलिंग नरेश खारवेल की हाथीगुम्फा प्रशस्ति किस भाषा में अंकित है ?

(a) प्राकृत (b) पाली
(c) संस्कृत (d) तमिल

उत्तर-(a) **Bihar APO (Pre) 2020**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

161. शक सम्वत् वर्ष में प्रारम्भ हुआ

(a) 58 ई.पू. (b) 78 ई.पू.
(c) 58 ई. (d) 78 ई.

उत्तर-(d) **27th Bihar (J) GS -2013**

व्याख्या– शक संवत् भारत का प्राचीन संवत् है जो 78 ई0 से आरम्भ होता है। इस संवत् का प्रवर्तक कुषाण शासक कनिष्क था यह वर्तमान में भारत का राष्ट्रीय संवत् है। गौतम बुद्ध को एक देवता का स्थान कनिष्क के ही काल में प्राप्त हुआ। कला की गांधार शैली कुषाणों के समय में ही फली-फूली। सर्वप्रथम भारत मे व्यापक पैमाने पर स्वर्ण मुद्रा का प्रचलन विम कडफिसस ने किया था। कनिष्क के काल में चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन कश्मीर के कुण्डल-वन में किया गया था।

162. निम्नलिखित में से किनको शक संवत् की स्थापना का श्रेय दिया जाता है-

(a) शकों को (b) कुषाणों को
(c) मौर्यों को (d) गुप्तों को

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

163. गौतम बुद्ध को एक देवता का स्थान किस राजा के युग में प्राप्त हुआ?

(a) अशोक (b) कनिष्क
(c) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (d) हर्ष

उत्तर-(b) **45th BPSC (Pre) 2002**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

164. इनमें से किसने सर्वप्रथम व्यापक पैमाने पर स्वर्णमुद्रा का प्रचलन किया?

(a) पुष्यमित्र शुंग (b) मेनांडर
(c) विम कड्फिसेस (d) गौतमीपुत्र सातकर्णी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **64th BPSC (Pre) 2018-19**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

165. कला की गांधार शैली निम्न समय में फली-फूली–

(a) कुषाणों के समय (b) गुप्तों के समय
(c) अकबर के समय (d) मौर्यों के समय

उत्तर–(a) **38th BPSC (Pre) 1992-93**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

166. कनिष्क के शासनकाल में बौद्धसभा किस नगर में आयोजित की गई थी?

(a) मगध (b) पाटलिपुत्र
(c) कश्मीर (d) राजगृह

उत्तर-(c) **47th BPSC (Pre) 2004-05**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

167. साँची का विशाल स्तूप समय को निर्धारित करता है

(a) मौर्यों (b) कुषाणों
(c) सातवाहनों (d) गुप्तो

उत्तर-(a)

BPSC Motor Vehicle Insp. 2022
27th Bihar (J) GS -2013

व्याख्या– साँची का स्तूप तीसरी शताब्दी ई0 पू0 अशोक द्वारा निर्मित बौद्ध स्मारक है। ऐसा माना जाता है कि यह स्तूप अशोक ने अपनी पत्नी देवी के कहने पर बनवाया था। जो मध्य प्रदेश के रायसेन जिलें में स्थित है। यह स्मारक सामान्य अर्द्धगोलाकार ईंट द्वारा निर्मित है। पाटलिपुत्र स्थित चन्द्रगुप्त का महल मुख्यतया लकड़ी का बना था। मथुरा से प्राप्त खड़ी बुद्ध मूर्ति मौर्यकाल की नहीं है। कुम्रहार स्थल से मौर्य राजप्रसाद मिला है। बराबर की गुफाओं को अशोक ने आजीवकों को दान किया था। ताम्रपत्र मुख्यतया एक ताबें की प्लेट है जो मौर्य काल से सम्बन्धित है।

168. कौन-सा पुरातात्त्विक स्थल मौर्य राजप्रासाद से सम्बद्ध है?

(a) कौशाम्बी (b) तक्षशिला
(c) हस्तिनापुर (d) कुम्रहार

उत्तर-(d) **29th Bihar (J) GS -2017**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

169. ताम्रपत्र है?

(a) एक प्राचीन ग्राम का नाम
(b) मौर्य साम्राज्य से सम्बन्धित एक ताबें की प्लेट
(c) तारों का एक समूह
(d) भारत सरकार द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों को दिया गया एक प्रशस्तिपत्र

उत्तर-(b) **25th Bihar (J) GS -2012**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

170. बराबर की गुफाएं को अशोक ने किस सम्प्रदाय को दान में दिया था-

(a) बौद्ध (b) जैन

(c) आजीवक (d) ब्राह्मण

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

171. निम्नलिखित में से कौन-सा एक मूर्ति-शिल्प मौर्य काल का नहीं है?

(a) सारनाथ सिंह शीर्ष

(b) धोली हस्ती

(c) मथुरा से प्राप्त खड़ी बुद्धमूर्ति

(d) रामपुरवा वृषभ

उत्तर-(c) **28th Bihar (J) GS -2014**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

172. पाटलिपुत्र में स्थित चन्द्रगुप्त महल मुख्यतः बना था -

(a) ईंटों का (b) पत्थर का

(c) लकड़ी का (d) मिट्टी का

उत्तर-(c) **41st BPSC (Pre) 1996**

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

173. भूमि अनुदान किन्हें दिए गए थे, जो 'शाही दरबार' से जुड़े हुए थे?

(a) कायस्थ

(b) ब्राह्मण

(c) राज मुखिया

(d) राजपूत और मुसलमान अधिकारी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **BPSC Auditor (Pre) 2021**

व्याख्या–भूमिदान का सर्वप्रथम अभिलेखीय साक्ष्य सातवाहन कालीन रानी नागनिका के नानाघाट अभिलेख से प्राप्त होता है। सातवाहनों और कुषाणों ने पहली शताब्दी ई. में भूमिदान की अक्षयनीवी प्रणाली की शुरुआत की। सातवाहन शासकों ने ब्राह्मणों और बौद्ध भिक्षुओं को कर मुक्त भूमि देने की प्रथा प्रारम्भ की।

174. भारत में सोने के सिक्के किन प्रथम शासकों द्वारा जारी किये गए थे?

(a) मौर्यों (b) भारतीय-यूनानियों

(c) गुप्तों (d) कुषाणों

उत्तर-(b) **27th Bihar (J) GS -2013**

व्याख्या– भारत में सोने के सिक्के सर्वप्रथम हिन्द यूनानियों ने प्रचलित किया। सर्वप्रथम लेखयुक्त एवं रूप चित्रात्मक सिक्के भी इण्डो-ग्रीक शासकों द्वारा जारी किये गये। इण्डो ग्रीक शासक मिनाण्डर की मुद्रा पर धर्म चक्र का चिन्ह मिलता है। शक वंश के कार्दमक शाखा का संस्थापक चष्टन था। पेरिप्लस ऑफ एरिथ्रियन सी का लेखक अज्ञात है। मिलिन्दपन्हों ग्रंथ प्राचीन भारत के व्यापारिक मार्गों पर मौन है। रोमन साम्राज्य से व्यापारिक संबंध कुषाण, शक, सातवाहन आदि कई साम्राज्यों ने स्थापित किया।

175. पेरीप्लस ऑफ द इरिथ्रियन सी किसने लिखी?

(a) टेसियस (b) प्लिनि

(c) टॉलमी (d) स्ट्रैबो

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(e) **64th BPSC (Pre) 2018-19**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

176. उस स्रोत का नाम बतलाएं जो प्राचीन भारत के व्यापारिक मार्गों पर मौन है -

(a) संगम साहित्य (b) मिलिन्दपन्हों

(c) जातक कहानियां (d) उपरोक्त सभी

उत्तर-(b) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

177. इनमें से कौन शक वंश की कार्दमक शाखा का संस्थापक था ?

(a) चष्टन (b) रुद्रदामन प्रथम

(c) नहपान (d) जयदामन

उत्तर-(a) **Bihar APO (Pre) 2020**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

178. रोमन साम्राज्य से व्यापारिक सम्बन्ध किसने स्थापित की?

(a) कुषाण (b) चेरा

(c) पश्चिमी शक (d) वाकाटक

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)2022

Ans. (e) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. संगम काल

179. संगम युग में उरैयूर किस लिए विख्यात था?

(a) मसालों के व्यापार का महत्त्वपूर्ण केन्द्र

(b) कपास के व्यापार का महत्त्वपूर्ण केन्द्र

(c) विदेशी व्यापार का महत्त्वपूर्ण व्यापारिक केन्द्र

(d) आन्तरिक व्यापार का महत्त्वपूर्ण केन्द्र

उत्तर-(b) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या - संगम काल में उरैयूर सूती वस्त्र एवं कपास के व्यापार के लिए प्रसिद्ध था। उरैयूर नामक स्थान की चर्चा 'पेरिप्लस ऑफ द इरीथ्रियन सी' में भी हुई है। मदुरा वस्त्र उद्योग का प्रमुख केन्द्र था।

180. निम्नलिखित राजवंशों में किसका उल्लेख संगम साहित्य में नहीं हुआ है?

(a) कदम्ब (b) चेर (c) चोल (d) पाण्ड्य

उत्तर-(a) **41st BPSC (Pre) 1996**

व्याख्या- संगम साहित्य में केवल चोल, चेर एवं पाण्ड्य राजाओं के उद्भव और विकास का विवरण प्राप्त होता है। इन राज्यों के विविध राजाओं के शासनकाल का स्पष्ट निर्धारण तिथि न होने पर भी संगम साहित्य से कृष्णा नदी के दक्षिण में सुदूर प्रायद्वीप तक राजनीतिक गतिविधियों पर पर्याप्त प्रकाश पड़ता है। कदंब या अन्य किसी राजवंश का उल्लेख संगम साहित्य में नहीं है।

181. **संगम काल में तमिल में 'महाभारत' किसने लिखी?**
(a) पेरून्देवनार (b) विल्लिपुतुर
(c) कम्बन (d) कुट्टन
उत्तर-(b) **28th Bihar (J) GS -2014**

व्याख्या– सर्वप्रथम संगम काल में महाभारत का तमिल में अनुवाद विल्लीपुत्तुनार ने किया। इसके बाद पल्लव काल में पेरून्देवनार ने 'भारत वेणवा' नाम से महाभारत का तमिल अनुवाद किया। तेलुगु में महाभारत की रचना ननैया और तिकन्ना ने किया।

8. गुप्तकाल एवं गुप्तोत्तर काल

182. **निम्नलिखित में से किस वंश ने सबसे अधिक समय तक शासन किया?**
(a) गुप्त (b) कुषाण
(c) मौर्य (d) वर्धन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Head Master-2024

Ans. (a) : दिए गए विकल्पों के आधार पर 'गुप्तों' ने सबसे अधिक समय तक शासन किया। 'गुप्तों' का शासनकाल 319 ई. से 467 ई. तक माना जाता है। मौर्य वंश की स्थापना 'चन्द्रगुप्त मौर्य' ने 323 ई.पू. में की थी, मौर्यों का शासनकाल 184 ई.पू. तक था। कुषाणों ने पहली शताब्दी ई. से लेकर तीसरी शताब्दी ई. तक शासन किया था। वर्धन राजवंश जिसे पूष्यभूति वंश भी कहा जाता है, इनका शासनकाल 590 ई. से 647 ई. तक माना जाता है।

183. **ऐरण अभिलेख का संबंध किस शासक से है?**
(a) बुद्धगुप्त
(b) स्कंदगुप्त
(c) कुमारगुप्त
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
Bihar Agriculture-2023

Ans. (d) : ऐरण अभिलेख का संबंध भानुगुप्त से है। ऐरण अभिलेख से पता चलता है कि भानुगुप्त का मित्र गोपराज, हुणों के विरुद्ध लड़ता हुआ मारा गया तथा गोपराज की पत्नी अपने पति के शव के साथ अग्नि समाधि ले ली। यह सती प्रथा का प्राचीनतम अभिलेखीय साक्ष्य है।

184. **हरिषेण किस गुप्त शासक का दरबारी कवि था?**
(a) चंद्रगुप्त प्रथम
(b) समुद्रगुप्त
(c) चंद्रगुप्त द्वितीय
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
Bihar Agriculture-2023

Ans. (b) : हरिषेण गुप्त सम्राट समुद्रगुप्त का दरबारी कवि था। इसने ही प्रयाग प्रशस्ति की रचना की थी। प्रयाग प्रशस्ति से समुद्रगुप्त के शासन काल की महत्वपूर्ण जानकारी प्राप्त होती है।

185. **'पंचतंत्र' किसके द्वारा लिखा गया है?**
(a) कालिदास (b) हरिषेण
(c) विष्णु शर्मा (d) विशाखदत्त
31th BPSC (J)-2022

Ans. (c) : 'पंचतंत्र' के रचयिता पंण्डित विष्णु शर्मा हैं। पंचतंत्र को नीति कथाओं में प्रथम स्थान प्राप्त है। पंचतंत्र को पाँच तन्त्रों या भागों में बाँटा गया है, यथा - मित्रभेद, मित्र लाभ, काकोलुकीयम, लब्धप्रणाश तथा अपरीक्षित कारक।

186. **झाँसी के पास देवगढ़ का मंदिर और इलाहाबाद के पास गढ़वा मंदिर में बनी मूर्तियाँ किस कला के महत्वपूर्ण अवशेष हैं?**
(a) मौर्य कला
(b) गुप्त कला
(c) राष्ट्रकूट कला
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं
68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (b) : झाँसी के पास देवगढ़ का मंदिर और इलाहाबाद (प्रयागराज) के पास गढ़वा मंदिर में बनी मूर्तियाँ गुप्त काल की स्थापत्य कला के महत्चपूर्ण अवशेष हैं। गुप्त मूर्तिकला में बौद्ध, जैन और हिन्दू तीनों धर्मों के अतिरिक्त गैर धार्मिक विषयों की मूर्तियाँ भी बनाई गयी हैं। सारनाथ, मथुरा और पाटलिपुत्र गुप्तकालीन मूर्तिकला के प्रमुख केन्द्र थे।

187. **किस गुप्त शासक ने सर्वप्रथम 'महाराजाधिराज' की उपाधि धारणा की?**
(a) श्रीगुप्त (b) समुद्रगुप्त
(c) चन्द्रगुप्त प्रथम (d) चन्द्रगुप्त द्वितीय
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC DACO 2021

Ans. (c) : चन्द्रगुप्त प्रथम गुप्त वंश का प्रथम शासक था जिसने 'महाराजधिराज' की उपाधि धारण की थी। इसका शासनकाल लगभग 319 ई. से 335 ई. तक था।

188. **नालन्दा ताम्रलेख में किस गुप्त शासक को 'परम भागवत' कहा गया है?**
(a) चन्द्रगुप्त प्रथम (b) चन्द्रुप्त द्वितीय
(c) समुद्रगुप्त (d) स्कन्दगुप्त
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC AAO 2021

Ans. (c) : गुप्त वंश के 3 प्रमुख शासकों- समुन्द्रगुप्त, स्कन्दगुप्त तथा चन्द्रगुप्त द्वितीय ने परम भागवत की उपाधि धारण की थी, परन्तु नालंदा ताम्रलेख के अनुसार परम भागवत की उपाधि समुन्द्रगुप्त ने धारण की है। समुद्रगुप्त के विजयों की जानकारी इलाहाबाद या प्रयाग प्रशस्ति में मिलती है जिसमें गुप्त वंश के सम्राट समुद्रगुप्त के दरबारी कवि हरिषेण द्वारा रचित लेख है। समुद्रगुप्त के विजयों से प्रभावित होकर बिसेंट स्मिथ ने समुद्रगुप्त को 'भारत का नेपोलियन' कहा है। प्रयाग प्रशस्ति के 21वें पंक्ति में आर्यावर्त के 9 शासकों का वर्णन किया गया है।

189. **'प्राचीन भारत का नेपोलियन' किसे कहा जाता है?**
(a) चन्द्रगुप्त मौर्य (b) पुष्यमित्र
(c) कनिष्क (d) समुद्रगुप्त
उत्तर–(d) **BPSC Assistant 28.04.2023**
56th–59th BPSC (Pre) 2015
BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

190. इलाहाबाद स्तम्भ अभिलेख की 21वीं पंक्ति में आर्यावर्त के कितने शासकों का जिक्र किया गया है?
(a) 6 (b) 7
(c) 8 (d) 9
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Auditor (Pre) 2021

Ans.(d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

191. प्रसिद्ध 'इलाहाबाद प्रशस्ति' का लेखक कौन था?
(a) कालिदास (b) हरिषेण
(c) रविकीर्ति (d) शूद्रक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC CDPO 2021

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

192. समुद्रगुप्त के विजयों का उल्लेख किसमें मिलता है?
(a) मथुरा शिलालेख में (b) गिरनार अभिलेख में
(c) ऐहोल अभिलेख में (d) इलाहाबाद अभिलेख में
उत्तर-(d) **28th Bihar (J) GS -2014**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

193. किस वंश ने सबसे अधिक समय तक शासन किया?
(a) मौर्य वंश (b) शुंग वंश
(c) गुप्त वंश (d) कुषाण वंश
उत्तर-(c) **31st Bihar J (Pre) 2020**

व्याख्या– प्रश्नगत विकल्पों में सर्वाधिक समय तक शासन गुप्त वंश ने किया था। गुप्त वंश का संस्थापक श्री गुप्त था। चन्द्रगुप्त प्रथम, पहला गुप्त शासक था जिसने महाराजाधिराज की उपाधि धारण की। इसके द्वारा 319 ई. में गुप्त संवत का प्रचलन कराया गया था। गुप्त वंश का प्रथम शासक श्रीगुप्त (275 ई.-280 ई.) और अंतिम शासक विष्णुगुप्त (540 ई.-550 ई.) था। गुप्त स्वर्ण मुद्राओं को उनके अभिलेख में दीनार कहा गया है। गुप्त शासकों ने मंदिरों और ब्राह्मणों को सबसे अधिक ग्राम अनुदान दिया। गुप्तकाल में भूमि राजस्व की दर उपज का 6वाँ भाग था। नगरों का क्रमिक पतन गुप्तकाल की एक महत्वपूर्ण विशेषता थी। आर.एस. शर्मा का मानना है कि गुप्त एवं गुप्तोत्तर काल में धन अर्थव्यवस्था का पतन दिखता है।

194. नगरों का क्रमिक पतन किस काल की एक महत्त्वपूर्ण विशेषता थी?
(a) गुप्तकाल (b) प्रतिहार युग
(c) राष्ट्रकूट (d) सातवाहन युग
उत्तर-(a) **40th BPSC (Pre) 1995**

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

195. किस शासक वंश ने मंदिरों एवं ब्राह्मणों को सबसे अधिक ग्राम अनुदान में दिया था?
(a) गुप्तवंश (b) पाल वंश
(c) राष्ट्रकूट (d) प्रतिहार
उत्तर-(a) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

196. गुप्त युग में भूमि राजस्व की दर क्या थी?
(a) उपज का चौथा भाग (b) उपज का छठां भाग
(c) उपज का आठवां भाग (d) उपज का आधा भाग
उत्तर-(b) **42nd BPSC (Pre) 1997-98**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

197. किसने तर्क दिया है कि गुप्त और उत्तरोत्तर गुप्त काल में धन अर्थव्यवस्था में पतन दिखता था?
(a) आर.एस. त्रिपाठी (b) आर. एस. शर्मा
(c) राधा कुमुद मुखर्जी (d) डी.सी. सरकार
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(b) **BPSC Auditor (Pre) 2021**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

198. गुप्त स्वर्ण मुद्राएँ उनके अभिलेखों में किस नाम से अंकित हैं ?
(a) कार्षापण (b) पण
(c) शतमान (d) दीनार
उत्तर-(d) **Bihar APO (Pre) 2020**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

199. इनमें से कौन गुप्त काल में औषधि के क्षेत्र में अपने कार्य के लिए जाने जाते हैं?
(a) सुश्रुत (b) सौमिल्ल
(c) शुद्रक (d) शौन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(e) **65th BPSC (Pre) 2019**

व्याख्या– प्रश्न में दिए गए चारों विकल्प से संबंधित व्यक्ति गुप्तकाल में चिकित्सा से संबधित नहीं है। भारत में चिकित्सा से संबन्धित 2 महत्वपूर्ण व्यक्ति चरक और सुश्रुत थे और इन दोनों का संबन्ध मौर्योत्तर काल से है। ताम्रलिप्ति बंदरगाह का प्रयोग गुप्तकाल में उत्तर भारत के व्यापार के लिए किया जाता था। पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण प्रतिदिन सूर्योदय और सूर्यास्त होता है, यह आर्यभट्ट ने कहा है। गुप्तकाल में बिना जोती हुई जंगली भूमि को 'अप्रहत' कहा जाता था। देवगढ़ का दशावतार मंदिर गुप्तकालीन स्थापत्य का उदाहरण है।

200. निम्नलिखित में से कौन-सा गुप्तकाल का मन्दिर है-
(a) उड़ीसा का लिंगराज मंदिर
(b) खजुराहों का कन्दरिया महादेव मन्दिर
(c) देवगढ़ का दशावतार मन्दिर
(d) महाबलीपुरम का शोर (तटवर्तीय) मन्दिर
उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

201. निम्नलिखित में से कौन सा बन्दरगाह गुप्त काल में उत्तर भारतीय व्यापार के लिए उपयोग किया जाता था?
(a) कल्याण (b) ताम्रलिप्ति
(c) भड़ौच (d) कैम्बे
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(b) **65th BPSC (Pre) 2019**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

202. इनमें से किसने पहली बार यह व्याख्या की थी कि पृथ्वी के अपनी धुरी पर घूमने के कारण प्रतिदिन सूर्योदय एवं सूर्यास्त होता है?

(a) आर्यभट्ट (b) भास्कर

(c) ब्रह्मगुप्त (d) बराहमिहिर

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **64th BPSC (Pre) 2018-19**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

203. किस प्रकार भूमि को 'अप्रहत' कहा जाता था?

(a) बिना जोती हुई जंगली भूमि

(b) सिंचित भूमि

(c) घने जंगल वाली भूमि

(d) जोती हुई भूमि

(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

204. प्रसिद्ध चीनी यात्री फाह्यान ने किसके शासनकाल में भारत की यात्रा की?

(a) चंद्रगुप्त I (b) चंद्रगुप्त II

(c) रामगुप्त (d) श्रीगुप्त

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**

27th Bihar (J) GS -2013

व्याख्या : प्रसिद्ध चीनी यात्री फाह्यान ने चंद्रगुप्त-II 'विक्रमादित्य' के काल में भारत की यात्रा की थी। यद्यपि फाह्यान ने अपने यात्रावृतान्त में समकालीन शासक के नाम का उल्लेख नहीं किया है किन्तु उसमें चंद्रगुप्त-कालीन भारत की सांस्कृतिक दशा का सुन्दर वर्णन प्राप्त होता है। चन्द्रगुप्त II गुप्त वंश का प्रसिद्ध शासक था जिसने अपने बड़े भाई की हत्या कर सत्ता प्राप्त किया था। शको को पराजित करने के कारण इसे 'शकारि' कहा जाता है शको के पराजय के पश्चात सोपारा, काम्बे, व भड़ौच बन्दरगाह पर गुप्तों का अधिकार हो गया। इसी के उपलक्ष्य में इसने 'विक्रमादित्य' की उपाधि धारण की। मेहरौली लौह स्तंभ लेख का 'चन्द्र', चन्द्रगुप्त द्वितीय ही था।

205. चन्द्रगुप्त द्वितीय किस साम्राज्य के शासक थे?

(a) मौर्य (b) गुप्त

(c) वर्धन (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(b) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

206. मेहरौली लौह स्तम्भ अभिलेख का 'चन्द्र' सम्बन्धित है

(a) चन्द्रगुप्त मौर्य से (b) चन्द्रगुप्त से

(c) चन्द्रगुप्त द्वितीय से (d) चंदबरदाई से

उत्तर-(c) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

207. निम्नलिखित गुप्त शासकों में से किसने 'विक्रमादित्य' उपाधि धारण की-

(a) चन्द्रगुप्त-I (b) समुद्रगुप्त

(c) रामगुप्त (d) चन्द्रगुप्त-II

उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

208. किस गुप्त शासक ने शकों को पराजित किया और इस कारण 'शकारि' कहलाया-

(a) समुद्रगुप्त (b) रामगुप्त

(c) चन्द्रगुप्त-II (d) कुमारगुप्त

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

209. किसके द्वारा तीन प्रसिद्ध बन्दरगाहों सोपारा, काम्बे और बड़ोच को गुप्त साम्राज्य में मिलाया गया ?

(a) चन्द्रगुप्त प्रथम (b) समुद्रगुप्त

(c) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (d) कुमारगुप्त

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC Head Master 2022

Ans. (c) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

210. किस गुप्त शासक ने अपने बड़े भाई की हत्या कर सत्ता प्राप्त की?

(a) श्रीगुप्त (b) समुद्रगुप्त

(c) चन्द्रगुप्त द्वितीय (d) स्कन्दगुप्त

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

211. गुप्त सम्राट, जिसने 'हूणों' को पराजित किया, थे –

(a) समुद्रगुप्त (b) चन्द्रगुप्त द्वितीय

(c) स्कन्दगुप्त (d) रामगुप्त

उत्तर-(c) **53rd – 55th BPSC (Pre) 2011**

व्याख्या–गुप्त सम्राट स्कन्दगुप्त द्वारा हूणों को पराजित किया गया था। भीतरी अभिलेख (गाजीपुर) के आठवें श्लोक में हूणों के साथ युद्ध होने का उल्लेख मिलता है। हूणों को परास्त करने के उपलक्ष्य में स्कंदगुप्त ने 'क्रमादित्य' की उपाधि धारण किया था।

212. 'मुद्राराक्षस' नामक पुस्तक का लेखक कौन था?

(a) विशाखदत्त (b) कौटिल्य

(c) बाण (d) कल्हण

उत्तर-(a) **47th BPSC (Pre) 2004-05**

व्याख्या - विशाखदत्त ने 'मुद्राराक्षस' व 'देवीचन्द्रगुप्तम' नामक नाटक लिखे हैं। कुमारसंभव महाकाव्य की रचना कालिदास ने की है। वाग्भट्ट ने अष्टांगहृदयं नामक आयुर्वेद ग्रंथ की रचना किया है। वृहद्संहिता पुस्तक के लेखक वाराहमिहिर हैं। अमर सिंह के अमरकोश ग्रंथ में 12 प्रकार के भूमि का वर्णन मिलता है।

213. 'देवीचन्द्रगुप्तम्' नाटक के रचनाकार कौन है?
(a) कालिदास (b) बाणभट्ट
(c) शूद्रक (d) विशाखदत्त
उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

214. निम्न में से कौन-सा जोड़ा सही नहीं है?

(लेखक)	(पुस्तक)
(a) दंडी	दशकुमारचरित
(b) बिष्णु शर्मा	पंचतंत्र
(c) आर्यभट्ट	बृहत् संहिता
(d) भास	स्वप्नवासवदत्ता

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(c) **65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

215. 'अमरकोश' में कितने प्रकार की भूमि का वर्णन किया गया है?
(a) दस (b) बारह
(c) चौदह (d) छः
उत्तर-(b) **Bihar APO (Pre) 2020**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

216. आयुर्वेद के प्रसिद्ध ग्रन्थ अष्टांग हृदय के रचनाकार कौन हैं?
(a) बाणभट्ट (b) वाग्भट्ट
(c) चरक (d) धन्वंतरि
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC AAO 2021

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

217. 'कुमारसम्भव' महाकाव्य किस कवि ने लिखा?
(a) बाणभट्ट (b) चन्दबरदाई
(c) हरिसेन (d) कालिदास
उत्तर-(d)
27th Bihar (J) GS -2013
45th BPSC (Pre) 2002

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

218. ताम्रपत्र लेख दर्शाते हैं कि प्राचीन काल में बिहार के राजाओं का संपर्क था–
(a) बर्मा से (b) थाईलैंड से
(c) कम्बोडिया से (d) जावा-सुमात्रा से
उत्तर-(d) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : गुप्तकाल के बाद बिहार के साथ ही साथ समूचे भारतीय क्षेत्र ने व्यापारिक उद्देश्य से दक्षिणी-पूर्वी एशिया के देशों के साथ अपनी दोस्ती बढ़ाई, जिसमें इण्डोनेशिया में स्थित जावा और सुमात्रा द्वीपों का महत्वपूर्ण स्थान है। पाल शासकों विशेषकर देवपाल जिसके साम्राज्य में बिहार का सम्पूर्ण भाग था, के काल में शैलेन्द्र वंशी शासक ने विक्रमशिला विश्वविद्यालय को अनेक गांवों को दान में दिया था। मिथिला के कर्नाट वंश की स्थापना नान्यदेव ने की थी। इस वंश का अन्तिम शासक हरिसिंह था।

219. कर्नाट वंश का संस्थापक कौन था?
(a) नान्यदेव (b) नरसिंहदेव
(c) विजय (d) हरिदेव
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

220. कर्नाट वंश का अन्तिम शासक कौन था?
(a) हरिसिंह (b) रामसिंह
(c) मतिसिंह (d) श्यामसिंह
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

221. नालन्दा विश्वविद्यालय के स्थापना का युग है –
(a) मौर्य (b) कुषाण
(c) गुप्त (d) पाल
उत्तर-(c) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : नालन्दा, बिहार प्रान्त की राजधानी पटना के दक्षिण में स्थित है। सर्वप्रथम यहां एक बौद्ध विहार की स्थापना गुप्त काल में करवायी गयी। चीनी यात्री ह्वेनसांग लिखता है कि इसका संस्थापक शक्रादित्य था, जिसने बौद्ध धर्म के त्रिरत्नों के प्रति महती श्रद्धा के कारण इसकी स्थापना करवायी थी। शक्रादित्य की पहचान कुमार गुप्त प्रथम से की जाती है जिसकी सुप्रसिद्ध उपाधि महेन्द्रादित्य थी। नालन्दा विश्वविद्यालय को मुस्लिम आक्रमणकारी बख्तियार खिलजी ने 1202 ई. में नष्ट कर दिया था।

222. नालन्दा विश्वविद्यालय के स्थापक कौन थे?
(a) चन्द्रगुप्त विक्रमादित्य (b) कुमारगुप्त
(c) धर्मपाल (d) पुष्यगुप्त
उत्तर–(b) **56th–59th BPSC (Pre) 2015**

व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

223. नालन्दा विश्वविद्यालय के विनाश का कारण था –
(a) मुसलमान (b) कुषाण
(c) सीथियन्स (d) मुगल
उत्तर-(a) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

224. नालन्दा विश्वविद्यालय किसलिए विश्व प्रसिद्ध था?
(a) चिकित्सा विज्ञान (b) तर्कशास्त्र
(c) बौद्ध धर्म दर्शन (d) रसायन विज्ञान
उत्तर-(c)
Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005
42nd BPSC (Pre) 1997-98

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याखा देखें।

225. ह्वेनसांग की भारत में यात्रा के समय सूती कपड़ों के उत्पादन के लिए सबसे प्रसिद्ध नगर था -
(a) वाराणसी (b) मथुरा
(c) पाटलिपुत्र (d) कांची
उत्तर-(b) **41st BPSC (Pre) 1996**

व्याख्या- ह्वेनसांग, हर्षवर्धन के काल (606–647 ई.) में भारत आया था, तात्कालीन समय में मथुरा सूती वस्त्र के उत्पादन का मुख्य केन्द्र था। जबकि वाराणसी रेशम के वस्त्रों के लिए प्रसिद्ध था। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने 6 वर्ष तक नालन्दा विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था।

226. चीनी यात्री ह्वेनसांग ने किस विश्वविद्यालय में अध्ययन किया था?

(a) तक्षशिला (b) विक्रमशिला
(c) मगध (d) नालन्दा

उत्तर-(d) **46th BPSC (Pre) 2003-04**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

227. थानेश्वर राजधानी थी-

(a) परवर्ती गुप्तों की (b) मौखरियों की
(c) पालों की (d) वर्धनों की

उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या–थानेश्वर पुष्यभूति वंश (वर्धनों) से संबंधित हर्षवर्धन की पहली राजधानी थी। यह 6वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में पुष्यभूति वंश की राजधानी बनी थी। यह आधुनिक दिल्ली तथा प्राचीन इंद्रप्रस्थ नगर के उत्तर में अंबाला एवं करनाल के मध्य स्थित था। हर्षवर्धन के काल में इसका महत्व बढ़ गया। वर्धन वंश की स्थापना पुष्यभूति ने किया था। हर्षवर्द्धन के काल में चीनी यात्री ह्वेनसांग ने 629 - 645 ई. तक भारत की यात्रा की थी। हर्षचरित की रचना हर्ष के दरबारी कवि बाणभट्ट ने किया था। बाणभट्ट मूलतः प्रीतिकूट गाँव का रहने वाला था।

228. कवि `बाण' निवासी था -

(a) पाटलिपुत्र का
(b) थानेश्वर का
(c) भोजपुर का
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(d) **41st BPSC (Pre) 1996**

व्याख्या-उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

229. `हर्षचरित' नामक पुस्तक किसने लिखी?

(a) कालिदास
(b) बाणभट्ट
(c) विष्णुगुप्त
(d) परिमलगुप्त

उत्तर-(b) **47th BPSC (Pre) 2004-05**

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

230. हर्षवर्धन के शासनकाल में किस चीनी यात्री ने भारत की यात्रा की थी?

(a) फाह्यान (b) ह्वेनसांग
(c) इत्सिंग (d) तारानाथ

उत्तर–(b)

56th–59th BPSC (Pre) 2015
Bihar APO GS -2013
Bihar APO GS -2011

व्याख्या–उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

231. वर्धन राजवंश की स्थापना किसने की?

(a) पुष्यभूति
(b) राजवर्धन
(c) आदित्यवर्धन
(d) प्रभाकरवर्धन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC (Pre)2022

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

232. चीनी यात्री युवान चुवांग भारत कब पहुँचा था?

(a) 630 ई. (b) 629 ई.
(c) 628 ई. (d) 636 ई.

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

233. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए:

कॉलम-I	कॉलम-II
A. चन्द्रगुप्त-I	1. महेन्द्र दत्त
B. समुद्रगुप्त	2. कुमारदेवी
C. चन्द्रगुप्त-II	3. प्रयाग शिलालेख
D. कुमारगुप्त-I	4. विक्रमादित्य

Code/कूट :

	A	B	C	D
(a)	2	3	4	1
(b)	2	3	1	4
(c)	1	3	4	2
(d)	4	3	1	2

उत्तर-(a) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– सही सुमेलन है-

(कालम- I)	(कालम- II)
चन्द्रगुप्त- I	कुमारदेवी
समुद्रगुप्त	प्रयाग शिलालेख
चन्द्रगुप्त- II	विक्रमादित्य
कुमारगुप्त- I	महेन्द्रादित्य

234. कल्हण की पुस्तक का नाम क्या है।

(a) अर्थशास्त्र (b) इंडिका
(c) पुराण (d) राजतरंगिणी

उत्तर-(d) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**

व्याख्या–ऐतिहासिक रचनाओं में सर्वाधिक महत्व कश्मीरी कवि कल्हण द्वारा रचित राजतरंगिणी का है। यह संस्कृत साहित्य में ऐतिहासिक घटनाओं के क्रमबद्ध इतिहास लिखने का प्रथम प्रयास है। किरातार्जुनीयन पुस्तक के लेखक भारवि पल्लव काल के थे। पूर्व गुप्त काल में सीसे के सिक्के बड़ी संख्या में सातवाहनों द्वारा जारी किए गए थे।

235. पूर्व-गुप्तकाल में सीसे के सिक्कों की एक बड़ी संख्या जारी की गई

(a) सातवाहनों द्वारा
(b) शकों द्वारा
(c) कुषाणों द्वारा
(d) मौर्यों द्वारा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC CDPO 2021

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

236. 'किरातार्जुनीय' पुस्तक किसने लिखा था?

(a) भट्टी

(b) शूद्रक

(c) कालिदास

(d) भारवि

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC(Pre) Nirast 2021

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. 800 ई. से 1200 ई. तक की राजनैतिक-सामाजिक स्थिति साहित्य एवं साहित्य कार तथा स्थापत्य

237. विक्रमशिला विश्वविद्यालय किनके द्वारा स्थापित किया गया था?

(a) गोपाल

(b) धर्मपाल

(c) देवपाल

(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

31th BPSC (J)-2022
68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (b) : विक्रमशिला विश्वविद्यालय वर्तमान बिहार के भागलपुर जिले में अवस्थित था। इसकी स्थापना 8वीं शताब्दी में पाल शासक धर्मपाल द्वारा की गयी थी। यहां के आचार्यों में दीपंकर श्रीज्ञान का नाम सर्वाधिक उल्लेखनीय है जो इस विश्वविद्यालय के कुलपति थे।

238. तन्जौर स्थित राजराजेश्वर मंदिर का निर्माण किसने करवाया?

(a) ललितादित्य (699 ई.-736 ई.)

(b) चन्द्रगुप्त द्वितीय (375 ई.-415 ई.)

(c) राजराव प्रथम (985 ई.-1014 ई.)

(d) राजेन्द्र (1012 ई.-1044 ई.)

BPSC LDC (Mains)-2022
Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018

Ans. (c) : तमिलनाडु के तंजौर में स्थित राजराजेश्वर मंदिर का निर्माण चोल शासक राजराज प्रथम (985 ई -1014) द्वारा 11वीं शताब्दी में कराया गया था। यह मंदिर भगवान शिव को समर्पित है। इसे दक्षिण मेरू के नाम से भी जाना जाता है। यह विश्व का अपनी तरह का पहला और एकमात्र मंदिर है जो कि ग्रेनाइट से बना है।

239. खजुराहो के विश्व प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण करवाया था

(a) प्रतिहारों ने | (b) पुष्यभूतियों ने

(c) चन्देलों ने | (d) तोमरों ने

BPSC Motor Vehicle Insp. 2022
43rd BPSC (Pre) 1999

Ans. (c) : खजुराहों के मंदिरों का निर्माण चंदेल राजाओं द्वारा 950 ई.-1130 ई. के मध्य कराया गया था। ये मंदिर वास्तु कला के 'नागर शैली' के अद्भूत उदाहरण हैं जिसमें संपूर्ण मंदिर का निर्माण विशाल चबूतरे पर किया गया है। यहां के मंदिरों की नक्काशी हिन्दू जीवन शैली के चार पुरुषार्थों धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष को दर्शाती है। ये मंदिर अपनी कामुक भाव से युक्त मूर्तियों के लिए विश्व प्रसिद्ध है।

240. वत्सराज किस वंश का प्रसिद्ध शासक था?

(a) पाल | (b) राष्ट्रकूट

(c) वाकाटक | (d) गुर्जर-प्रतिहार

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC DACO 2021

Ans. (d) : वत्सराज गुर्जर-प्रतिहार वंश का शासक था। इसका शासनकाल 775-800 ई. तक था। गुर्जर-प्रतिहार वंश का संस्थापक नागभट्ट प्रथम (730-756 ई.) था।

241. सन्ध्याकार नन्दी के प्रसिद्ध ग्रन्थ 'रामचरित' की विषयवस्तु का सम्बन्ध है

(a) पालवंशी रामपाल से

(b) चालुक्यवंशी विक्रमादित्य VI से

(c) गुर्जर-प्रतिहार वंश के रामचन्द्र से

(d) परमार वंश के भोज से

उत्तर-(a)

Bihar BHO Exam-2024
Bihar APO (Pre) 2020

व्याख्या–सन्ध्याकार नन्दी के प्रसिद्ध ग्रन्थ 'रामचरित' की विषयवस्तु का सम्बन्ध पालवंशी शासक रामपाल से था। संध्याकर नन्दी पाल राजाओं द्वारा आश्रय प्राप्त एक विद्वान थे। इन्होंने अपने ग्रंथ 'रामपाल चरित' या 'रामचरित' में राजा रामपाल की उपलब्धियों का वर्णन किया है। इस ग्रंथ में पाल शासकों को 'समुद्रदेव की संतान' कहा गया है। इस ग्रंथ में बौद्ध साहित्य की उन्नति और तिब्बत से भारत आये विद्वानों का वर्णन भी मिलता है। विक्रमशिला शिक्षा केन्द्र का संस्थापक पाल शासक धर्मपाल था। ओदन्तपुरी शिक्षा केन्द्र पाल शासकों के अधीन बिहार राज्य में स्थित था।

242. 'ओदन्तपुर' शिक्षा केन्द्र निम्न में से किस राज्य में अवस्थित था?

(a) बंगाल | (b) बिहार

(c) गुजरात | (d) तमिलनाडु

(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या-उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

243. विक्रमशिला शिक्षा केंद्र के संस्थापक का नाम है –

(a) देवपाल | (b) धर्मपाल

(c) नयनपाल | (d) नरेन्द्रपाल

उत्तर-(b) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

244. चोल वंश का संस्थापक कौन था?

(a) विजयालय (b) करीकाल
(c) आदित्य प्रथम (d) राजराजा प्रथम
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

67th BPSC(Pre) Nirast 2021

Ans. (a) : चोल वंश का संस्थापक विजयालय (850-71 ई.) था जिसकी राजधानी तंजावूर (तंजौर) थी। 9वीं शताब्दी में चोल, पल्लवों के सामन्त थे। विजयालय ने 'नरकेसरी' की उपाधि धारण की और निशुम्भसुर मर्दिनी देवी (दुर्गा देवी) का मंदिर बनवाया।

245. दक्षिण भारत के मंदिरों के आकर्षक द्वार क्या कहलाते हैं?

(a) शिखर (b) गोपुरम
(c) देवालय (d) मंडप
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**

व्याख्या– दक्षिण भारत के मंदिरों के आकर्षक द्वार 'गोपुरम' कहलाते हैं। उल्लेखनीय है कि चोलों के पश्चात तमिल प्रदेश में पाण्ड्यों का शासन स्थापित हुआ और मंदिर निर्माण शैली में नवीनतम प्रवृत्तियों का अविर्भाव हुआ। पाण्ड्यों के काल में शिल्प-कौशल को मंदिर के सहायक तथा बर्हिवर्ती भागों पर केन्द्रित किया गया। मंदिरों के प्रवेश द्वार, जिसे गोपुरम कहते थे, मध्य एवं विशाल और प्रचुर मात्रा में शिल्पकारिता से अलंकृत होते थे। पाण्ड्य कालीन वास्तुकला की विशेषता मंदिर नहीं है अपितु ये 'गोपुरम' ही है। गोपुरम एक प्रकार का आयताकार भवन होता है जिसका शिखर ऊपर की ओर चौड़ाई में क्रमशः कम होता जाता है।

246. बारहवीं सदी में राष्ट्रकूट वंश (Dynasty) के पाँच शिलालेख किस राज्य में मिले हैं?

(a) तमिलनाडु (b) कर्नाटक
(c) केरल (d) महाराष्ट्र

उत्तर-(b) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : बारहवीं सदी में राष्ट्रकूट वंश के पांच शिलालेख कर्नाटक में पाये गये हैं।

247. दक्षिण भारत के साहुकारों का क्या नाम था?

(a) सेठ (b) चेट्टी
(c) पाणि (d) नायर

उत्तर-(b) **27th Bihar (J) GS -2013**

व्याख्या– दक्षिण भारत में साहूकारों को चेट्टीया (शेट्टी) कहा जाता था।

248. परमार वंश को स्थापित किया

(a) उपेन्द्र (b) भोज
(c) सिन्धुराज (d) वाकपति मुँज

उत्तर- (a) **27th Bihar (J) GS -2013**

व्याख्या– परमार वंश की स्थापना उपेन्द्र ने की थी। जिसकी राजधानी धारानगरी थी। परमार वंश का सर्वाधिक शक्तिशाली शासक राजा भोज था।

249. निम्नलिखित शासकों में किसको, मलाया, सुमात्रा तथा जावा की विजय का श्रेय जाता है-

(a) अशोक (b) हर्षवर्धन
(c) राजेन्द्र चोल-I (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– राजेन्द्र चोल-I (1014-1044 ई.) राजराज-I का पुत्र था। इसने विजयोत्तुंग वर्मन को पराजित कर जावा, सुमात्रा एवं मलाया प्रायद्वीप पर अधिकार कर लिया था। इसने ''गंगैकोण्ड चोल'' ''वीर राजेन्द्र'' ''मुडिगुड चोल'' आदि उपाधियाँ धारण की थी।

250. सिन्धु पर सफल आक्रमण करने वाला प्रथम अरब कौन था-

(a) हज्जाज (b) मुहम्मद-बिन-कासिम
(c) दाऊद खाँ (d) कुतुबुद्दीन ऐबक

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या–सिंध पर सर्वप्रथम अरबों का आक्रमण 636 ई. में खलीफा उमर के समय हुआ परन्तु यह असफल रहा। सिंध पर पहला सफल आक्रमण ईरान के गवर्नर अल हज्जाज के सेनापति एवं दामाद मुहम्मद बिन कासिम ने 712 ई. में किया। उस समय सिंध का शासक दाहिर था।

251. 'पृथ्वीराज रासो' के लेखक हैं–

(a) कल्हण (b) विल्हण
(c) जयानक (d) चंद बरदाई

उत्तर-(d) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : 'पृथ्वीराज रासो' हिन्दी साहित्य के प्रारम्भिक समय की एक महत्त्वपूर्ण रचना मानी जाती है। इसके लेखक 'चंदबरदाई' हैं। ये दिल्ली के चौहानवंशी शासक पृथ्वीराज चौहान के दरबारी कवि थे। जहां इस ग्रंथ में पृथ्वीराज के शौर्य, साहस एवं वीरता का अतिशयोक्तिपूर्ण वर्णन है, वही इसमें पृथ्वीराज की प्रेम सम्बन्धी भावनाओं को भी दर्शाया गया है। इसी ग्रन्थ में राजपूतों की उत्पत्ति संबंधी सूचना मिलती है। कल्हण ने कश्मीर का इतिहास अपनी पुस्तक राजतरंगिणी में लिखा है। विल्हण की प्रमुख पुस्तक 'विक्रमांक देवचरित' है, जबकि जयानक ने पृथ्वीराज विजय की रचना की।

252. निम्नलिखित में से कौन-सा अध्ययन केन्द्र बौद्ध केन्द्र के रूप में प्रसिद्ध नहीं था-

(a) नालन्दा (b) विक्रमशिला
(c) नदिया (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– विक्रमशिला अध्ययन केन्द्र में बौद्ध धर्म और दर्शन के अतिरिक्त न्याय, तत्वज्ञान, व्याकरण आदि की भी शिक्षा दी जाती थी। विक्रमशिला विश्वविद्यालय, बिहार राज्य के भागलपुर जिले में स्थित है। इसकी स्थापना धर्मपाल ने 775-810 ई. में की थी। नालन्दा विश्वविद्यालय पाँचवी शताब्दी से लेकर बारहवीं शताब्दी तक बौद्ध शिक्षा के केन्द्र के रूप में जाना जाता था। सातवीं शताब्दी में ह्वेनसाँग भी यहाँ अध्ययन करने आया था। प्राचीन बौद्ध विश्वविद्यालयों में ओदन्तपुरी, नालन्दा व विक्रमशिला विश्वविद्यालय थे। नदिया हिन्दू धर्म का केन्द्र था।

253. सुवर्णभूमि का वह राजा कौन था, जिसने नालन्दा में एक बौद्ध बिहार की स्थापना की तथा उसके रख-रखाव हेतु अपने दूत द्वारा देवपाल से पाँच गाँव दान में देने के लिए प्रार्थना की?

(a) धरणीन्द्र (b) संग्रामधनंजय
(c) बालपुत्रदेव (d) चूड़ामणिवर्मन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **64th BPSC (Pre) 2018-19**

व्याख्या– पालवंशीय शासक देवपाल ने 810 ई. से 850 ई. तक बंगाल में शासन किया। यह पाल वंश का सबसे शक्तिशाली शासक था। इसने मुंगेर को अपनी राजधानी बनाई थी। इसने प्रतिहार शासक मिहिरभोज को परास्त किया था। बिहार के ओदंतपुरी में बौद्ध मठ का निर्माण करवाया। इन्हीं के समय जावा के शैलेन्द्र वंशीय बालपुत्रदेव के अनुरोध पर नालंदा में एक बौद्ध विहार बनाने के लिए पाँच गाँव की आमदनी दान में दी गई थी। बौद्ध विद्वान वीर देव को नालंदा बिहार का अध्यक्ष बनाया गया था।

254. कल्हण की पुस्तक का नाम क्या है?

(a) अर्थशास्त्र (b) इण्डिका
(c) पुराण (d) राजतरंगिणी

उत्तर-(d) **53rd – 55th BPSC (Pre) 2011**

व्याख्या–राजतरंगिणी पुस्तक के लेखक कल्हण थे। कल्हण, कश्मीर के लोहार वंश के शासक हर्ष के दरबारी कवि थे। राजतरंगिणी में भारत के प्राचीन इतिहास का व्यवस्थित उल्लेख मिलता है। इस पुस्तक को भारत का प्रथम ऐतिहासिक साहित्य कहा जाता है। लोहार वंश के अंतिम शासक जयसिंह (1127-1159) के समय में लिखित राजतंरगिणी में कुल आठ तरंग तथा आठ हजार श्लोक हैं। प्रथम तीन तरंगों में कश्मीर के प्राचीन इतिहास का वर्णन है। चौथे से लेकर छठे तरंग तक कार्कोट एवं उत्पल वंश का वर्णन है। सातवें तथा आठवें तरंग में लोहार वंश का वर्णन है।

255. महमूद गजनवी ने अपना अंतिम सैन्य अभियान भारत पर कब किया?

(a) 1021 ई. (b) 1022 ई.
(c) 1025 ई. (d) 1027 ई.

उत्तर-(d) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**
BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016

व्याख्या–सुबुक्तगीन की विजयों से उत्साहित होकर महमूद गजनवी ने 1001 ई. से 1027 ई. तक भारत पर 17 बार आक्रमण किया। महमूद गजनवी का अंतिम आक्रमण 1027 ई. में जाटों पर हुआ।

256. ऐहोल में 'दुर्गा मंदिर' का निर्माण हुआ था-

(a) चोल काल में (b) चालुक्य काल में
(c) पल्लव काल में (d) सातवाहन काल में

उत्तर-(b) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

व्याख्या–चालुक्यों की मूल शाखा का उदय स्थल वातापी (आधुनिक बादामी) बीजापुर जिले के कर्नाटक में था। बादामी के चालुक्य वंश का संस्थापक पुलकेशिन प्रथम था। ऐहोल से रविकीर्ति द्वारा रचित जो अभिलेख मिला है उसमें कवि ने कालिदास और भारवि से अपनी तुलना की है। इस मंदिर में चालुक्य काल और द्रविड़ शैली के तत्वों की वास्तुकला दिखाई देती है। एहोल के प्राचीन रॉक कट मंदिरों में सबसे खास यहाँ स्थित दुर्गा मंदिर माना जाता है। रहोल को हिन्दू रॉक वास्तुकला का उद्गम स्थल कहा जाता है। माता दुर्गा को समर्पित इस मंदिर का निर्माण चालुक्य काल में द्रविड़ शैली में किया गया था।

10. विविध

257. निम्नलिखित में से सबसे पहले भारत आने वाला कौन था?

(a) मेगस्थनीज
(b) इत्सिंग
(c) फाह्यान
(d) ह्वेनसांग
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC Head Master-2024

Ans. (a) : मेगस्थनीज सबसे पहले भारत आने वाला विदेशी यात्री था, यह चंद्रगुप्त मौर्य (325-295 BCE) के शासनकाल में आया था।

फाह्यान	–	चंद्रगुप्त II के शासनकाल में 399-414 ई. तक भारत में रहा।
ह्वेनसांग	–	हर्षवर्धन के शासनकाल में 629-645 तक भारत में रहा।
इत्सिंग	–	671-695 ई. तक भारत में रहा।

258. प्रथम तराइन युद्ध में पृथ्वीराज चौहान ने किसको पराजित किया?

(a) मोहम्मद गोरी (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) फिरोज शाह तुगलक

BPSC LDC (Mains)-2022

Ans. (a) : तराईन का प्रथम युद्ध 1191 ई. में हुआ था। इस युद्ध मे पृथ्वीराज चौहान ने मोहम्मद गोरी को पराजित किया था। यह युद्ध थानेश्वर से 14 मील दूर, सरसिंह किले के पास हरियाणा के तराइन नामक स्थान पर हुआ था। तराइन का द्वितीय युद्ध 1192 ई. में हुआ जिसमें पृथ्वीराज चौहान को मोहम्मद गोरी से पराजय मिली।

259. अजन्ता की गुफाएँ किस राज्य में हैं?

(a) कर्नाटक (b) महाराष्ट्र
(c) मध्य प्रदेश (d) पंजाब

31th BPSC (J)-2022

Ans. (b) : अजंता की गुफाएँ महाराष्ट्र राज्य के औरंगाबाद जिले में स्थित है। अजंता की गुफाएँ बौद्ध धर्म को समर्पित है। इनमें 29 गुफाएँ हैं, जो बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इन्हें 1983 में यूनेस्कों द्वारा विश्व धरोहर में शामिल किया गया।

260. किस वंश ने सबसे अधिक समय तक शासन किया?

(a) मौर्य वंश (b) शुंग वंश
(c) गुप्त वंश (d) कुषाण वंश

31th BPSC (J)-2022

Ans. (c) : विकल्प में दिये गये राजवंशों के कार्यकाल निम्नवत है-

राजवंश		कार्यकाल
मौर्य वंश	-	(323 - 184) ई.पू.
शुंग वंश	-	(184 – 75) ई.पू.
गुप्त वंश	-	(275 - 550) ई.
कुषाण वंश	-	प्रथम शताब्दी

अतः सर्वाधिक लम्बा कार्यकाल गुप्त वंश का था।

261. 'बद्रीनाथ धाम' किस राज्य में है?
(a) उत्तर प्रदेश (b) उत्तराखंड
(c) हिमाचल प्रदेश (d) असम
31th BPSC (J)-2022

Ans. (b) : बद्रीनाथ धाम उत्तराखण्ड के चमोली जिले में स्थित है। यह राज्य में स्थित चार धामों यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ में से एक है। बद्रीनाथ धाम में भगवान विष्णु का मंदिर है और माना जाता है कि इसका निर्माण आदि शंकराचार्य द्वारा करवाया गया था।

262. बोरोबुदुर विश्व में सबसे अद्भुत स्तूप है और इसकी मूर्ति और मूर्तिकला किसका शानदार उदाहरण है?
(a) भारत-तिब्बत कला (b) भारत-कम्बोडिया कला
(c) भारत-चम्पा कला (d) भारत-जावा कला
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC CDPO 2021

Ans. (d) : बोरोबुदूर स्तूप इण्डोनेशिया के मध्य जावा प्रान्त में स्थित है। यह आठवीं शताब्दी ई. के मध्य का महायान बौद्ध विहार हैं इसका निर्माण शैलेन्द्र वंश के शासकों द्वारा किया गया था। यह स्तूप स्थापत्य की छत एवं सोपान शैली और इसकी तक्षित दीवारों की विलक्षणता के लिए प्रसिद्ध है।

263. भूमि अनुदान किन्हें दिए गए थे, जो 'शाही दरबार' से जुड़े हुए थे?
(a) कायस्थ
(b) ब्राह्मण
(c) राज मुखिया
(d) राजपूत और मुसलमान अधिकारी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं /उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Auditor (Pre) 2021

Ans. (b) : शाही दरबार से जुड़े हुए 'ब्राह्मणों' को भूमि अनुदान देकर पुरस्कृत किया जाता था। ब्राह्मणों को दान की गई भूमि कर मुक्त होती थी, साथ ही साथ उन्हें सभी प्रकार के कर उगाहने का विशेषाधिकार दिया जाता था। अनुदान प्राप्तकर्ता को वहाँ के अपराधियों को सजा देने का भी अधिकर था।

264. निम्नलिखित में से कौन-सा प्राचीनकाल में भूमि-कर नहीं था?
(a) भाग (b) भोग
(c) उद्रंग (d) पेठ
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC DACO 2021

Ans. (d) : भाग, भोग और उद्रंग गुप्तकालीन भूमि कर था जबकि पेठ एक ग्राम समूह था।

265. 'राग विबोध' ग्रन्थ के लेखक का नाम बताइए।
(a) सोमनाथ (b) कल्हण
(c) अमीर खुसरो (d) सारंग देव
उत्तर-(a) **Bihar APO (Pre) 2020**

व्याख्या– 'राग विबोध' ग्रन्थ के लेखक **सोमनाथ** हैं। **कल्हण** द्वारा रचित ग्रंथ - **'राजतरंगिणी'** है। यह एक संस्कृत ग्रंथ है। इसमें कश्मीर के इतिहास का वर्णन है जो महाभारत काल से प्रारम्भ होता है। **अमीर खुसरो** की रचना खयाल, कव्वाली है। **सारंगदेव** भारत के संगीत शास्त्री थे। इन्होंने **संगीत रत्नाकर** नामक महत्वपूर्ण ग्रंथ की रचना की है।

266. 'प्राकृत प्रकाश' ग्रन्थ किसने लिखी?
(a) पतंजलि (b) पाणिनी
(c) वररुचि (d) अमर सिंह
उत्तर-(c) **Bihar APO (Pre) 2020**

व्याख्या–'प्राकृत प्रकाश' ग्रन्थ की रचना वररुचि ने की थी। वररुचि विक्रमादित्य के नवरत्नों में से एक थे। पाणिनी ने 'अष्टाध्यायी' की रचना की है। पतंजलि ने 'महाभाष्य' लिखा है। अमर सिंह ने 'अमरकोश' की रचना की है।

267. कौन-सा पूर्व मध्यकालीन भारतीय साम्राज्य व्यापक स्तर पर स्थानीय स्वशासन के लिए प्रसिद्ध था?
(a) चालुक्य (b) चोल
(c) सोलंकी (d) परमार
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(b) **66th BPSC (Pre) 2020**

व्याख्या– पूर्व मध्यकालीन भारतीय चोल साम्राज्य में व्यापक स्तर पर स्थानीय स्वशासन के लिए प्रसिद्ध था। चोल शासन की सबसे उल्लेखनीय विशेषता स्वायत्तशासी ग्रामीण संस्थानों के संचालन में परिलक्षित होती है। वस्तुतः इस काल में स्वायत्त शासन पूर्णतया ग्रामों में ही क्रियान्वित किया गया था। चोल शासकों के अधीन ग्राम प्रशासन की जानकारी उत्तर मेरुर से प्राप्त शिलालेखों से मिलती है।

268. अभिज्ञान शाकुन्तलम् का लेखक है
(a) कालिदास (b) तुलसीदास
(c) बाणभट्ट (d) चंदबरदाई
उत्तर-(a) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या–अभिज्ञान शाकुन्तलम् महाकवि कालिदास की सर्वोत्कृष्ट रचना है, जिसे न केवल भारतीय अपितु पूरे विश्व साहित्य में अत्यन्त गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है। इसमें राजा दुष्यन्त तथा शकुन्तला के प्रणय, विवाह, विरह, प्रत्याख्यान तथा पुनर्मिलन की एक सुन्दर कहानी है।

269. प्रतिनूतन काल-समाप्ति की तिथि है
(a) 20000 वर्ष पूर्व (b) 10000 वर्ष पूर्व
(c) 6000 वर्ष पूर्व (d) 2000 वर्ष पूर्व
उत्तर-(b) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या–प्रतिनूतन (Pleistocene) काल 25.8 लाख वर्ष पूर्व से 11700 वर्ष बी.सी. तक का है। जिसकी समाप्ति तिथि रेडियोकार्बन वर्षों में 10,000 कार्बन 14 वर्ष बी.सी. के रूप में व्यक्त की गई है। इसमें यंगर ड्रायस कोल्ड स्पेल को शामिल करने के लिए दोहरा ग्लेशियर की नवीनतम अवधि शामिल है। छोटी ड्रायस का अंत लगभग 9640 ईसा पूर्व में हुआ। यंगर ड्रायस का अंत वर्तमान होलोसीन युग की आधिकारिक शुरुआत है। हालांकि इसे एक युगांतर माना जाता है।

270. द्वितीय नगरीकरण में किस धातु का प्रमुख योगदान था

(a) सोना (b) चाँदी

(c) ताम्र (ताँबा) (d) लोहा

उत्तर-(d) **30th Bihar (J) GS -2018**

28th Bihar (J) GS -2014

Ans : (d) ईसा पूर्व छठी शताब्दी में गंगा यमुना दोआब एवं बिहार के आसपास के क्षेत्रों में नगरीकरण के लिए आवश्यक कुछ प्रमुख तत्वों जैसे शासक वर्ग का उदय, धर्म का प्रचलन, मुद्रा का प्रचलन लेखन कला का ज्ञान आदि तत्वों का प्रचलन दिखाई पड़ता है। इसीलिए इस काल को भारत की द्वितीय नगरीय क्रान्ति कहा जाता है। द्वितीय नगरीकरण में लोहे का सबसे प्रमुख योगदान था।

271. भारत के प्राचीनतम सिक्के है

(a) जनजातीय सिक्के (b) आहत सिक्के

(c) नागा सिक्के (d) कुषाण सिक्के

उत्तर-(b) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– भारत के प्राचीनतम सिक्कों को 'आहत सिक्के' कहा जाता है। जो ई.पू. पाँचवी सदी के हैं। इन्हीं को साहित्य में 'कार्षापण, 'पुराण, धरण, शतमान, आदि भी कहा गया है। ये अधिकांशतः चाँदी के टुकड़े हैं। सर्वप्रथम सिक्कों पर लेख लिखवाने का कार्य यवन शासकों ने किया।

272. निम्नलिखित में से प्राचीन भारत की कौन सी लिपि दाहिने से बाई ओर लिखी जाती थी?

(a) ब्राह्मी (b) शारदा

(c) खरोष्ठी (d) नन्दनागरी

(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **65th BPSC (Pre) 2019**

व्याख्या–प्राचीन भारत की दो लिपि थी जिसमें ब्राम्हीं लिपि को बाईं से दायीं ओर एवं खरोष्ठी लिपि दाई से बायीं की ओर लिखी जाती थी।

273. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिएः

कॉलम-I	कॉलम-II
A. श्रेणी	1. सिक्का
B. कर्षापण	2. मण्डी
C. पैठन	3. समुद्री बंदरगाह
D. कल्याण	4. व्यापारिक संघ

Code/कूटः

	A	B	C	D
(a)	4	2	1	3
(b)	4	1	2	3
(c)	2	4	3	1
(d)	1	3	4	2

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या–

कॉलम-I	कॉलम-II
कर्षापण	सिक्का
पैठन	मण्डी
कल्याण	समुद्री बंदरगाह
श्रेणी	व्यापारिक संघ

274. प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था में शिष्य किस शब्द से शिक्षा आरम्भ करते थे?

(a) ॐ (b) श्री

(c) अ (d) राम

उत्तर-(a) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था में शिष्य 'ओम' शब्द से शिक्षा आरंभ करते थे। इस शब्द के तीन अक्षरों (अ+उ+म्) में त्रिदेव (ब्रह्मा, विष्णु, महेश) की उपस्थिति है।

275. विश्व का सबसे ऊँचा कहा जाने वाला 'विश्व शांति स्तूप' बिहार में कहाँ है–

(a) वैशाली (b) नालन्दा

(c) राजगीर (d) पटना

उत्तर–(c) **48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**

व्याख्या – विश्व का सबसे ऊँचा कहा जाने वाला विश्व शांति स्तूप राजगीर (बिहार) में स्थित है। नालन्दा बिहार गुप्तकाल में अध्ययन का विख्यात केन्द्र था इस विहार को गुप्त शासक कुमार गुप्त द्वारा दान प्रदान किया गया था। बख्तियार खिलजी के नेतृत्व में तुर्क मुस्लिम आक्रमणकारियों ने 1193 ई. में इसको अत्यधिक नुकसान पहुँचाया था।

276. 'नव नालन्दा महाविहार' किसके लिये विख्यात है–

(a) ह्वेनसांग स्मारक

(b) महावीर का जन्मस्थान

(c) पाली अनुसंधान संस्थान

(d) संग्रहालय

उत्तर–(c) **48th–52nd BPSC (Pre) 2007-08**

व्याख्या–नव नालंदा महाविहार पालि अनुसंधान संस्थान के लिए विख्यात है।

277. बौद्ध, हिन्दू एवं जैन शैल-कृत गुफाएँ एक साथ कहाँ विद्यमान है?

(a) एलिफेंटा (b) अजन्ता

(c) एलोरा (d) रामगढ़

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या–एलोरा महाराष्ट्र के औरंगाबाद से लगभग 25 किमी. पश्चिमोत्तर में स्थित है। यह शैलकृत गुफा मंदिरों के लिए विश्व-प्रसिद्ध है। यहां कुल 34 शैलकृत गुफाएं हैं। ये गुफाएं विभिन्न कालों में बनी हैं और इनमें गुफा संख्या 1 से 12 तक बौद्धों तथा 13 से 29 तक हिंदुओं और 30 से 34 तक जैनियों से संबंधित हैं जो थोड़े-थोड़े अन्तर पर बनी हैं।

278. शैल चित्रों में अलंकृत 'बाघ गुफाएँ' किस पर्वत श्रेणी में पायी जाती है?

(a) मेकल (b) बारबरा

(c) विन्ध्याचल (d) अरावली

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– बाघ की गुफा मध्यप्रदेश के विन्ध्याचल पर्वत श्रेणी पर स्थित है। इस गुफा का सम्बन्ध बौद्ध धर्म से है। यह गुफा बाघिनी नदी के तट पर है। इन गुफाओं का निर्माण लगभग 5वीं-6वीं शताब्दी में हुआ था।

279. शाक्यवंशियों द्वारा बनाया गया बौद्ध स्तूप कहाँ स्थित है?

(a) लुम्बिनी (b) कपिलवस्तु
(c) रूम्मिनदेई (d) पिपरहवा

उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– पिपरहवा स्तूप का निर्माण शाक्यों द्वारा किया गया था। यह स्तूप उत्तर प्रदेश में नेपाल सीमा के पास है। बुद्ध के परिनिर्वाण के बाद उनके अस्थि अवशेषों का विभाजन हुआ इन अस्थि अवशेषों पर आठ स्तूप निर्मित हुए जिसमें से एक पिपरहवा है।

280. चीनी यात्री 'सुंगयूंन' ने भारत यात्रा की थी :

(a) 515 ई. से 520 ई. (b) 525 ई. से 529 ई.
(c) 545 ई. से 552 ई. (d) 592 ई.से. 597 ई.
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या- चीनी यात्री सुंगयूंन ने 515 ई. से 520 ई. के मध्य भारत की यात्रा की थी। सुंगयूंन ने 518 ई. में शिवि (चित्तौड़गढ़) के स्तूपों की यात्रा की थी और कहा था कि इस जगह वे दाने मिलते हैं जो आग में भी नहीं जलते और लोग तापघात से बचने के लिए इसका प्रयोग करते हैं। इसने अपनी यात्रा में बौद्ध धर्म से संबंधित प्रतियां एकत्रित किया।

281. 'स्वप्नवासवदत्ता' के लेखक (Author) हैं–

(a) कालिदास (b) भास
(c) भवभूति (d) राजशेखर

उत्तर-(b) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : सबसे पहले सम्पूर्ण नाटक रचने का श्रेय महाकवि भास को है। स्वप्नवासवदत्ता भास की प्रमुख रचनाओं में से एक है। यह रचना राजा उदयन एवं वासवदत्ता की कथा पर आधारित है। भास कालिदास के पूर्ववर्ती थे। टी. गणपति शास्त्री ने भास के 13 नाटकों को खोज निकाला है। अभिषेक, प्रतिज्ञायौगन्धरायण तथा उरुभंग भी इनकी प्रसिद्ध रचनाएं हैं। कालिदास ने अभिज्ञान शाकुन्तलम, मेघदूत, कुमार संभव तथा रघुवंश की रचना की जबकि भवभूति ने मालती माधव, उत्तर रामचरित की रचना की। राजशेखर के प्रमुख ग्रन्थों में बाल रामायण, कर्पूरमञ्जरी, काव्य मीमांसा आदि हैं।

282. धर्मशास्त्रों में भू-राजस्व की दर क्या है?

(a) $\frac{1}{3}$ (b) $\frac{1}{4}$
(c) $\frac{1}{6}$ (d) $\frac{1}{8}$

उत्तर-(c) **40th BPSC (Pre) 1995**

व्याख्या-धर्मशास्त्रों में बताया गया है कि राजा अपने द्वारा किये गये कार्यों अर्थात सामान्यजन की सुरक्षा और कल्याणकारी सेवा आदि, के बदले उपज का छठवां हिस्सा अपनी वृत्ति के रूप में प्राप्त करेगा।

283. 800 से 600 ईसा पूर्व का काल किस युग से जुड़ा है?

(a) ब्राह्मण युग (b) सूत्र युग
(c) रामायण युग (d) महाभारत युग

उत्तर-(a) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या – प्राचीन भारतीय इतिहास में 800-600 ई. पू. के बीच का समय मुख्यतः ब्राह्मण युग का समय था। 600 से 300 ई पू का समय सूत्र युग का समय था।

284. पाणिनी-कृत 'अष्टाध्यायी' किससे सम्बन्धित है-

(a) संगीत (b) राजनीति
(c) व्याकरण (d) धर्म

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या–अष्टाध्यायी महर्षि पाणिनी द्वारा रचित संस्कृत व्याकरण का अत्यंत प्राचीन ग्रंथ है। इस ग्रंथ में आठ अध्याय हैं, प्रत्येक अध्याय में चार पद हैं, प्रत्येक पद में 38 से 220 तक सूत्र हैं। इस प्रकार अष्टाध्यायी में आठ अध्याय, बत्तीस पद और सब मिलाकर लगभग 4000 सूत्र है।

285. 'मृच्छकटिकम' का लेखक कौन है-

(a) कालिदास (b) बाणभट्ट
(c) भारवि (d) शूद्रक

उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या–

लेखक	रचना
शूद्रक	मृच्छकटिकम
कालिदास	ऋतुसंहार, मेघदूत
बाणभट्ट	कादम्बरी
भारवि	किरातार्जुनीयम

286. स्तम्भ-I में अंकित नामों को स्तम्भ–II में अंकित नामों से सुमेल करें -

स्तम्भ-I	स्तम्भ-II
A. नागानन्द	1. बाणभट्ट
B. हर्षचरित	2. हर्षवर्द्धन
C. तुगलकनामा	3. अमीर खुसरो
D. ता-उल-मो	4. राजा राममोहन राय
E. नील दर्पण	5. अब्दे मलिक इसासी
	6. दीनबन्धु मित्र

कूट :

	A	B	C	D	E
(a)	1	2	3	4	6
(b)	2	1	3	5	6
(c)	1	5	3	4	6
(d)	2	1	3	4	6

उत्तर-(d) **40th BPSC (Pre) 1995**

Ans : (d) सही सुमेलन इस प्रकार है –

पुस्तक	लेखक
नागानन्द	- हर्षवर्धन
हर्षचरित	- बाणभट्ट
तुगलकनामा	- अमीर खुसरो
ता-उल-मो. (तुहफत-उल-मुवाहिद्दीन)	- राजा राममोहन राय
नील दर्पण	- दिनबंधु मित्र

287. चीनी यात्री इत्सिंग ने बिहार का भ्रमण किया, लगभग -

(a) 405 ई. में (b) 635 ई. में
(c) 670 ई. में (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर-(d) **40th BPSC (Pre) 1995**

व्याख्या- ह्वेनसांग के बाद इत्सिंग ने भारत की यात्रा की। इसने 671-695 ई. के मध्य भारत भ्रमण किया। इसने इस दौरान नालंदा (बिहार) में रहकर 400 संस्कृत ग्रंथों का अनुवाद किया। इत्सिंग ने 60 बौद्ध भिक्षुओं की जीवनी भी लिखी।

288. अजन्ता की चित्रकला से निम्न चित्रों का वर्णन मिलता है

(a) रामायण (b) महाभारत
(c) जातक (d) उपनिषद्

उत्तर-(c) **25th Bihar (J) GS -2012**

व्याख्या– भारतीय उप-महाद्वीप में अजंता की गुफाएँ पुराने बचे हुए भित्ति चित्रों में से एक हैं। अजंता गुफाओं को ज्वालामुखी चट्टानों से दूसरी शताब्दी से चौथी शताब्दी ई. में काटकर बनाया गया है। अजंता की गुफाओं में सर्वाधिक जातक कथाओं (बौद्ध धर्म से संबंधित) के दृश्य है। महाभारत और रामायण का भी चित्र अजन्ता की गुफाओं में मिलता है। ये गुफा महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित है। इन गुफाओं को वर्ष 1983 में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

289. 'सूर्यसिद्धान्त' के लेखक कौन थे?

(a) आर्यभट्ट (b) वराहमिहिर
(c) ब्रह्मगुप्त (d) सूर्यवर्मन

उत्तर-(a) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– सूर्य सिद्धान्त के लेखक आर्यभट्ट थे। इनके द्वारा ब्रह्म सिद्धान्त, आर्यभट्टियम भी लिखी गयी पुस्तक है। वराहमिहिर ने वृहत्संहिता एवं पंचसिद्धांतिका की रचना की। आर्यभट्ट ने सर्वप्रथम शून्यवाद के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया तथा बताया कि पृथ्वी अपनी धुरी पर घूमती हुई सूर्य का चक्कर लगाती है।

290. 'अप्रतिरथ' किस हिन्दू देवता का और एक नाम है?

(a) विष्णु (b) राम
(c) बलराम (d) रुद्र

उत्तर-(a) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– विष्णु का एक नाम अप्रतिरथ भी है। अप्रतिरथ का आशय विचरण करने वाला होता है। इतिहास में समुद्रगुप्त की भी एक उपाधि अप्रतिरथ थी।

291. 'राजनीति रत्नाकर' के लेखक है–

(a) चन्देश्वर (b) विद्यापति
(c) ज्योतिरेश्वर (d) हरिब्रह्मदेव
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या–राजनीति रत्नाकर के लेखक मिथिला राजा के मंत्री चंदेश्वर थे। इन्होंने अपनी इस पुस्तक में राज्य की ब्रह्मनीति का आधार मण्डल सिद्धांत को बताया है।

292. 'उदवन्त प्रकाश' के लेखक है–

(a) मौली कवि (b)बोधराज
(c) परमल (d) विद्यापति
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या–उदवन्त प्रकाश के लेखक मौली कवि हैं। इसके अतिरिक्त इन्होंने 'बाग सिंह' और 'उदवन्त विनोद' की रचना भी की थी।

293. हूण राजा तोरमाण किस औलिकार राजा द्वारा पराजित किया गया था?

(a) यशोधर्मन
(b) प्रकाशधर्मन
(c) राज्यवर्धन
(d) विष्णुवर्धन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**

व्याख्या– तोरमाण भारत वर्ष पर आक्रमण करने वाले हूणों का नेता था जिसने 500ई.के लगभग मालवा पर अधिकार किया था।1983 ई.में खोजे गए रिस्थल शिलालेख के अनुसार मालवा के औलिकरा राजा प्रकाशधर्मन ने उसे हराया था।

294. निम्नलिखित अभिलेखों में से किसमें विधवा-दहन का उदाहरण उल्लेखित है?

(a) समुद्रगुप्त का एरण पाषाण अभिलेख
(b) बुधगुप्त का एरण स्तम्भ अभिलेख
(c) भानुगुप्त का एरण स्तम्भ अभिलेख
(d) तोरमाण का एरण वराह अभिलेख
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**

व्याख्या– सतीप्रथा का सर्वप्रथम अभिलेखीय प्रमाण 510ई. के भानुगुप्त के एरण स्तंभ अभिलेख में गोपराज नामक सेनापति की स्त्री के सती होने का उल्लेख मिलता है इसे विधवा दहन का अभिलेख भी कहा जाता है।

295. बराबर पर्वत-शृंखला स्थिर गोरथगिरि किसके द्वारा विजित की गई?

(a) राजराज चोल (b) खारवेल
(c) मिनांडर (d) पुष्यमित्र शुंग
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**

व्याख्या– खारवेल कलिंग में राज करने वाले महामेघवाहन वंश का सबसे महान सम्राट था। इसके बारे में जानकारी का सबसे महत्वपूर्ण स्रोत हाथीगुम्फा अभिलेख है जिसमें इसके गोरथगिरी विजय का उल्लेख है।

296. ''भारत का प्रारंभिक इतिहास'' पुस्तक के लेखक कौन हैं?

(a) जेम्स मिल
(b) जॉन की
(c) आर. सी. मजूमदार
(d) वी. ए. स्मिथ

Bihar B.H.O. Exam-2024

Ans. (d) : ''भारत का प्रारम्भिक इतिहास'' पुस्तक के लेखक विन्सेन्ट आर्थर स्मिथ है। ये साम्राज्यवादी विचार धारा से प्रभावित इतिहासकार थे। 1904 ई. में प्रकाशित उनकी यह पुस्तक (अर्लीहिस्ट्री ऑफ इंडिया) प्राचीन भारत का पहला व्यवस्थित इतिहास है।

मध्यकालीन इतिहास

1. दिल्ली सल्तनत

1. दिल्ली सल्तनत के किस सुल्तान को 'लाख बख्श' कहा जाता था?
(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) बलबन
(c) रजिया (d) अलाउद्दीन खलजी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC AAO 2021

Ans. (a) : भारत में गुलाम वंश के संस्थापक कुतुबुद्दीन ऐबक को बड़े पैमाने पर लाखों का दान देने के कारण लाख बख्श कहा जाता है। ऐबक दिल्ली सल्तनत का पहला शासक माना जाता है। वह गुलाम वंश का प्रथम शासक था जिसने लाहौर को राजधानी बना कर शासन किया। भारत में मुहम्मद गोरी ने कुतुबुद्दीन ऐबक को प्रथम इक्ता प्रदान किया था।

2. गुलाम वंश का प्रथम शासक कौन था?
(a) कुतबुद्दीन ऐबक (b) इल्तुतमिश
(c) रजिया (d) बलबन
उत्तर-(a) **53rd–55th BPSC (Pre) 2011**
47th BPSC (Pre) 2004-05

व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. कुतुबुद्दीन ऐबक की राजधानी थी -
(a) लाहौर (b) दिल्ली
(c) अजमेर (d) लखनौती
उत्तर-(a) **41st BPSC (Pre) 1996**

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. भारत में मोहम्मद गोरी ने किसको प्रथम अक्ता प्रदान किया था?
(a) ताजुद्दीन यल्दौज (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) शम्सुद्दीन इल्तुतमिश (d) नासिरुद्दीन कुबाचा
उत्तर-(b) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. इनमें से किस दिल्ली सल्तनत के शासक ने कुतुबमीनार के पास 'हौज-ए-शम्सी' का निर्माण करवाया था?
(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) इल्तुतमिश
(c) बलबन (d) फिरोज शाह तुगलक
उत्तर-(b) **Bihar APO (Pre) 2020**

व्याख्या– कुतुबमीनार के पास **'हौज-ए-शम्सी'** का निर्माण **इल्तुतमिश** ने करवाया था।
'हौज-ए शम्सी' एक तालाब है, जिसे दिल्ली के सुल्तान इल्तुतमिश द्वारा बनवाया गया था। इल्तुतमिश के शम्सी परिवार के होने के कारण ही इस तालाब को हौज-ए-शम्सी नाम मिला था। दिल्ली की गद्दी पर बैठने वाला पहला तुर्क इल्तुतमिश ही था।
इल्तुतमिश गुलाम वंश का शासक था। इल्तुतमिश ने इक्तेदारी प्रथा को प्रारम्भ किया था। इसने कुतुबमीनार के निर्माण को पूर्ण करवाया तथा दिल्ली में पहला मदरसा 'मदरसा-ए-मुइज्जी' की स्थापना की। इसके साम्राज्य को दारुल-इस्लाम का एक भाग माना जाता था। इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सूबेदार मलिक जानी को नियुक्त किया था।

6. इल्तुतमिश शासक था-
(a) तुगलक वंश का (b) गुलाम वंश का
(c) खिलजी वंश का (d) तुर्कशाही वंश का
उत्तर-(b) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

7. इल्तुतमिश ने बिहार में अपना प्रथम सूबेदार नियुक्त किया था?
(a) ऐवाज (b) नासिरूद्दीन महमूद
(c) अलीमर्दान (d) मलिक-जानी
उत्तर–(d) **48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें

8. 'इक्तादारी' प्रथा प्रारम्भ की गई थी
(a) बलबन द्वारा (b) इल्तुतमिश द्वारा
(c) अलाउद्दीन खिलजी द्वारा (d) फिरोज शाह तुगलक
उत्तर-(b) **29th Bihar (J) GS -2017**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

9. दिल्ली में पहला मदरसा किसने स्थापित किया?
(a) इल्तुतमिश (b) फीरोज शाह तुगलक
(c) बहलोल लोदी (d) जलालुद्दीन खिल्जी
31th BPSC (J)-2022
31st Bihar J (Pre) 2020

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

10. मुस्लिम शासक, जिसका साम्राज्य दार-उल-इस्लाम का एक भाग माना जाता था।
(a) बलबन (b) रजिया
(c) इल्तुतमिश (d) नासिर-उद्-दीन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre)2022

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

11. कुतुब मीनार किसके द्वारा पूरा किया गया था?
(a) इल्तुतमिश (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) उलुग खान (d) रज़िया सुल्तान
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC(Pre) Nirast 2021
Bihar APO GS -2011

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

12. विग्रहराज IV ने अजमेर की 'अढ़ाई दिन का झोंपड़ा' नामक मस्जिद के पहले किसका निर्माण किया था?
(a) कॉलेज (b) मंदिर
(c) गरीबखाना (d) धर्मशाला
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर–(a) **65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**

व्याख्या– अर्णोराज का पुत्र विग्रहराज IV अथवा वीसलदेव चौहान वंश का सबसे प्रतापी राजा था। इसने ही अजमेर में एक संस्कृत कॉलेज की स्थापना की थी। जिसे कुतुब-उद्-दीन ऐबक द्वारा एक मस्जिद में परिवर्तित करा दिया गया। माना जाता हैं कि इस मस्जिद का निर्माण अढ़ाई दिन में किया गया और इस कारण इसका नाम 'अढ़ाई दिन का झोपड़ा' मस्जिद पड़ गया।

13. 'ढाई दिन का झोपड़ा' क्या है?
(a) मस्जिद (b) मन्दिर
(c) संत की झोपड़ी (d) मीनार
उत्तर–(a) 56th–59th BPSC (Pre) 2015

व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

14. सल्तनतकाल के सिक्के, टंका, शशगनी एवं जीतल किन धातुओं के बने थे?
(a) चांदी, तांबा (b) सोना, चांदी, तांबा
(c) चांदी, जस्ता, तांबा (d) सोना, जस्ता, तांबा
उत्तर-(a) 39th BPSC (Pre) 1994

व्याख्या–सल्तनत काल में टंका चांदी एवं जीतल तांबे का बना होता था, ये दोनों सिक्के इल्तुतमिश द्वारा प्रचलित किए गए थे। शशगनी भी चांदी का सिक्का था, जिसे फिरोजशाह तुगलक ने जारी किया था। टंका एवं जीतल का अनुपात 1:48 का था। वह प्रथम सुल्तान था जिसके सिक्के पश्चिमी देशों के सिक्के के समान थे।

15. अपने सद्‌गुणों के बावजूद रजिया सफल नहीं हुई क्योंकि
(a) उसने अल्तुनिया से विवाह किया था
(b) वह पुरुष की तरह व्यवहार करती थी
(c) अपने कट्टर-धार्मिक विश्वास के लिए
(d) उच्च-वर्ग को स्त्री-शासन नापसन्द था
उत्तर-(d) 27th Bihar (J) GS -2013

व्याख्या– रजिया अपने सद्‌गुणों के बावजूद शासिका के रूप में सफल इसलिए नहीं हुई क्योंकि उच्च वर्ग को स्त्री शासन पसन्द नहीं था। रजिया बेगम दिल्ली सल्तनत की प्रथम और अंतिम महिला शासिका थी जिसने शासन की बागडोर संभाली। रजिया सुल्तान इल्तुतमिश की पुत्री थी। अमीर-ए-शिकार की पदवी बलबन को इसी के काल में मिला था।

16. अमीर-ए-शिकार की पदवी पर बलबन को किसने नियुक्त किया ?
(a) मुइबुद्दीन बहराम शाह (b) नसीरूद्दीन महमूद शाह
(c) मलिक अलाउद्दीन जानी (d) रजिया सुल्ताना
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं /उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Auditor (Pre) 2021

Ans. (d) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

17. रजिया सुल्तान किसकी पुत्री थी-
(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) बलबन
(c) इल्तुतमिश (d) अलाउद्दीन खिलजी
उत्तर-(c) Bihar APO GS -2013

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

18. वह प्रथम मुस्लिम शासक कौन था जिसने शासन के सिद्धांत (theory of kingship) को राजाओं के ईश्वरीय अधिकार सिद्धांत (theory of divine right) के समान प्रतिपादित किया था?
(a) ऐबक (b) इल्तुतमिश
(c) बलबन (d) अलाउद्दीन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(c) 63rd BPSC (Pre) 2017-18

व्याख्या : गयासुद्दीन बलबन ने 'शासन के सिद्धांत' को 'ईश्वरीय अधिकार सिद्धांत' के रूप में प्रतिपादित किया। गयासुद्दीन बलबन गुलाम वंश का शासक था जिसने दिल्ली सल्तनत पर 1265 ई. से 1287 ई. तक शासन किया। शासन पद्धति को बलबन ने नवीन साँचे में ढाला और उसको मूलतः लौकिक बनाने का प्रयास किया। उसका कहना था कि ''सुल्तान का हृदय दैवीय अनुकम्पा की एक विशेष निधि है, इस कारण उसका अस्तित्व अद्वितीय है।'' उसने 'सिजदा' एवं 'पैबोस' की परम्परा को लागू किया तथा फारसी त्यौहार 'नौरोज' को प्रारम्भ करवाया। उसकी शासन व्यवस्था को 'रक्त एवं लौह' की नीति कहकर सम्बोधित किया जाता है।
बरनी के अनुसार, बलबन का 'राजत्व का सिद्धान्त' प्रतिष्ठा, शक्ति और न्याय के सिद्धान्तों पर आधारित था। बलबन ने ही चालीस ग्रुप की शक्तियों का दमन किया था। बलबन के ही समय तुगरिल खां का विद्रोह हुआ था।

19. किस दिल्ली सुल्तान ने 'रक्त एवं लौह' की नीति अपनायी?
(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खलजी (d) मुहम्मद बिन तुगलक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(b) 66th BPSC (Pre) 2020

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

20. 'राजत्व के उसके सिद्धान्त प्रतिष्ठा, शक्ति और न्याय के सिद्धान्तों पर आधारित थे।' बलबन के बारे में ये शब्द किसने कहा?
(a) ए. बी.. एम. हबीबुल्लाह (b) जिया-उद-दीन बरनी
(c) स्टैनले लेन-पूल (d) आर. पी. त्रिपाठी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC CDPO 2021

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

21. दिल्ली के किस सुल्तान ने 'सिजदा' की परम्परा को प्रारम्भ किया?
(a) कुतुबुद्दीन ऐबक (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खलजी (d) मुहम्मद बिन तुगलक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं /उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Auditor (Pre) 2021

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

22. 'चालीसा ग्रुप (Group of Forty)' की शक्तियों को किसने तोड़ा?
(a) सुल्ताना रजिया (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मुहम्मद बिन तुगलक
उत्तर-(b) BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

23. तुगरिल खाँ ने किसके शासनकाल के दौरान विद्रोह किया था
(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खलजी
(c) फिरोज तुगलक (d) खिजर खाँ
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre)2022

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

2. खिलजी वंश

24. निम्नलिखित वंशों में से किस वंश ने सबसे पहले शासन किया?

(a) लोदी (b) तुगलक
(c) खल्जी (d) सैय्यद
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC Head Master-2024

Ans. (c) : सल्तनतकालीन राजवंशों के शासन करने का क्रम–

(i) खिलजी वंश	–	1290-1320 ई.
(ii) तुगलक वंश	–	1320-1414 ई.
(iii) सैय्यद वंश	–	1414-1451 ई.
(iv) लोदी वंश	–	1451-1526 ई.

अतः खिलजी वंश ने सबसे पहले दिल्ली पर शासन किया।

25. बाजार नियंत्रण के लिए कौन-सा सुल्तान प्रसिद्ध है?

(a) अलाउद्दीन खल्जी (b) सिकन्दर लोदी
(c) बलबन (d) मुहम्मद बिन तुगलक

31th BPSC (J)-2022

Ans. (a) : बाजार नियन्त्रण व्यवस्था के लिए अलाउद्दीन खिलजी को जाना जाता है। खिलजी ने इसको कार्यान्वित करने के लिए एक नये विभाग का गठन किया, जिसे दिवान-ए-रियासत नाम दिया गया। इसका प्रधान सदर-ए-रियासत कहा जाता था। इस विभाग के अधीन प्रत्येक बाजार के लिए निरीक्षक नियुक्त किया गया। इसे शाहना-ए-मंडी कहा जाता था। जो योजना को लागू करने के लिए उत्तरदायी था।

26. खिलजी वंश का प्रथम शासक कौन था?

(a) जलालुद्दीन खिलजी (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) बलबन (d) रजिया सुल्तान

उत्तर-(a) Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005

व्याख्या– जलालुद्दीन खिलजी ने बलबन के उत्तराधिकारी शासक कैकुबाद की 1290 ई. में हत्या कर स्वय को शासक घोषित किया और खिलजी वंश की स्थापना की। सल्तनत काल में खिलजी वंश ने सबसे कम समय तक शासन किया था। खिलजियों ने ही भारतीयों को उच्च पद पर नियुक्त करने की परंपरा शुरू की।

27. 'दाग' और 'हुलिया' की प्रथा प्रारम्भ की गई थी

(a) इल्तुतमिश द्वारा (b) अलाउद्दीन खिलजी द्वारा
(c) बलबन द्वारा (d) फिरोज शाह तुगलक द्वारा

उत्तर-(b) 29th Bihar (J) GS -2017
BPSC DACO 2021

व्याख्या– 'दाग' और 'हुलिया' की प्रथा अलाउद्दीन खिलजी ने प्रारम्भ की थी। युद्ध के अवसर पर सैनिक अपने स्थान पर किसी अन्य व्यक्ति को न भेज दें, इसकी रोकथाम के लिए अलाउद्दीन ने सैनिकों की हुलिया लिखने की प्रथा प्रारम्भ की। दीवान-ए-आरिज सैनिकों का हुलिया रखता था। इसी प्रकार उसने घोड़ों को दागने की प्रथा भी प्रारम्भ की थीं।
अलाउद्दीन खिलजी ने बाजार नियंत्रण व्यवस्था को लागू किया जो आधुनिक काल के सार्वजनिक वितरण प्रणाली से साम्यता रखता है। अलाउद्दीन ने उपज का आधा राजस्व के रूप में लेने का दावा किया है। अलाउद्दीन द्वारा बनवाये गये अलाई दरवाजा में सबसे पहले भित्ति मेहराब प्रणाली का प्रयोग किया गया था।

28. 'अलाई दरवाजा' का निर्माण किस सुल्तान ने करवाया?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) फीरोज तुगलक

उत्तर-(c) 42nd BPSC (Pre) 1997-98

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

29. सल्तनत काल में 'सार्वजनिक वितरण प्रणाली' किसने प्रारम्भ की थी?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) सिकन्दर लोदी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोज शाह तुगलक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) 66th BPSC (Pre) (Re-Exam) 2020

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

30. बाजार नियन्त्रण के लिए कौन-सा सुल्तान प्रसिद्ध है?

(a) अलाउद्दीन खिल्जी (b) सिकन्दर लोदी
(c) बलबन (d) मुहम्मद बिन तुगलक

उत्तर-(a) 31st Bihar J (Pre) 2020

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

31. स्थापत्यकला में गुम्बद को आधार प्रदान करने के लिए सबसे पहले भित्ति मेहराब प्रणाली का प्रयोग किया गया

(a) इल्तुतमिश के मकबरे में
(b) अलाई दरवाजा में
(c) ग्यासुद्दीन तुगलक के मकबरे में
(d) हुमायुँ के मकबरे में

उत्तर-(b) 28th Bihar (J) GS -2014

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

32. किस सुल्तान ने जमीन में फसल की नपाई का आधा राजस्व के रूप में दावा किया?

(a) इल्तुतमिश (b) बलबन
(c) अलाउद्दीन खिलजी (d) मुहम्मद बिन तुगलक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) 64th BPSC (Pre) 2018-19

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

33. पद्मिनी घटना किस सुल्तान से जुड़ी है?

(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) फिरोशाह तुगलक (d) सिकन्दर लोदी

उत्तर-(a) 27th Bihar (J) GS -2013

व्याख्या– रानी पद्मिनी की घटना अलाउद्दीन खिलजी से सम्बन्धित है। पद्मिनी, राणा रतन सिंह की पत्नी थी। जायसी के पद्मावत के अनुसार अलाउद्दीन चित्तौड़ पर आक्रमण कर रानी पद्मिनी को प्राप्त करना चाहता था। बारहमासा ग्रन्थ की रचना भी मलिक मुहम्मद जायसी ने किया था।

34. 'पद्मावत' किसने लिखा है?

(a) अमीर खुसरो (b) कबीर
(c) मलिक मुहम्मद जायसी (d) चन्दबरदाई

उत्तर-(c) 31st Bihar J (Pre) 2020

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

35. अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण (Invasion) के समय चित्तौड़ का शासक कौन था?
(a) मलिक काफूर (b) राणा रतन सिंह
(c) रामचन्द्र देव (d) प्रतापरून्द्र
उत्तर-(b) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

36. 'बारहमासा' की रचना किसने की थी?
(a) अमीर खुसरो (b) इसामी
(c) मलिक मोहम्मद जायसी (d) रसखान
उत्तर-(c) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

37. रानी पद्मिनी का नाम अलाउद्दीन के चित्तौड़ विजय से जोड़ा जाता है। उनके पति का नाम है–
(a) महाराणा प्रताप सिंह (b) रणजीत सिंह
(c) राजा मान सिंह (d) राणा रतन सिंह
उत्तर (d) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

38. अलाउद्दीन खिलजी के प्रसिद्ध सेनापतियों में जिसकी मंगोलों के विरुद्ध लड़ते हुए मृत्यु हुई?
(a) जफर खां (b) नुसरत खां
(c) अल्पखां (d) उलुग खां
उत्तर-(a) **41st BPSC (Pre) 1996**

व्याख्या-अलाउद्दीन का प्रसिद्ध सेनापति जफर खां मंगोलों के विरूद्ध लड़ता हुआ मारा गया जो अपने समय का श्रेष्ठ और साहसी सेनापति था। जफर खां के शौर्य और उसकी सेना की दृढ़ता से मंगोल इतने प्रभावित हुए कि वे उसी रात को 30 कोस पीछे हट गए और वापस चले गये। अलाउद्दनी के आक्रमण के समय देवगिरी का शासक रामचन्द्र देव था। अलाउद्दीन द्वारा द्वारसमुद्र के विजय के लिए मलिक काफूर को नियुक्त किया गया था। बरनी के अनुसार, अलाउद्दीन ने खलीफा की शक्ति का विरोध किया था। अलाउद्दीन ने खूत व मुकद्दमों की शक्ति को समाप्त कर दिया था जिससे उनकी स्त्रियाँ मुसलमानों के घरों में काम करने लगी। अलाउद्दीन के काल में खालसा भूमि अधिक पैमाने पर विकसित की गयी।

39. अला-उद्-दीन खिलजी द्वारा द्वारसमुद्र की विजय के लिए किसे नियुक्त किया गया था?
(a) अल्प खान (b) खिजिर खान
(c) उमर खान (d) मलिक काफूर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(d) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

40. अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के समय देवगिरि का शासक कौन था?
(a) रामचन्द्र देव (b) प्रताप रुद्रदेव
(c) मलिक काफूर (d) राणा रतन सिंह
उत्तर-(a) **47th BPSC (Pre) 2004-05**
53rd – 55th BPSC (Pre) 2011

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

41. किसने खूत और मुकद्दमों को इस हद तक पदावनत कर दिया कि उनकी स्त्रियों को मुसलमानों के घरों में काम करना पड़ा?
(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोज शाह तुगलक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं /उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Auditor (Pre) 2021

Ans. (b) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

42. इनमें से किसने खलीफा की शक्ति का विरोध किया?
(a) इल्तुतमिश (b) अलाउद्दीन खलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) बलबन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
67th BPSC (Pre)2022

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

43. किस सुल्तान के काल में खालसा भूमि अधिक पैमाने पर विकसित हुई?
(a) गयासुद्दीन बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मोहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोजशाह तुगलक
उत्तर-(b) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

44. निम्नलिखित में कौन भूमि उत्पाद पर लगने वाले कर को इंगित नहीं करता है?
(a) खराज (b) खम्स
(c) उश्र (d) मुक्तई
उत्तर-(b) **40th BPSC (Pre) 1995**

व्याख्या-खम्स लूट का धन होता था। इस धन का 1/5 भाग राजकोष में तथा 4/5 भाग सैनिकों में बाँट दिया जाता था। परन्तु अलाउद्दीन खिलजी एवं मुहम्मद बिन तुगलक ने लूट के धन का 4/5 भाग राजकोष में जमा किया तथा शेष 1/5 भाग सैनिकों में वितरित किया। यह भूमि उत्पाद कर नहीं था। खराज गैर-मुसलमानों से लिया जाने वाला भूमिकर था। यह उपज का 1/3 से 1/2 भाग तक वसूल किया गया। खिलजी शासक की हत्या करके नासिरुदीन खुसरो शाह दिल्ली सल्तनत का पहला शासक बना, जो भारतीय मुसलमान था। ए.एल. श्रीवास्तव ने कहा है कि 'अलाउद्दीन खिलजी दिल्ली का प्रथम सुलतान था। जिसे धर्म को राज्य के अधीन लाने का और राज्य को धर्मनिरपेक्ष बनाने का श्रेय जाता है।'

45. वह प्रथम भारतीय मुसलमान कौन था, जो दिल्ली का सुल्तान बना?
(a) नासिर-उद-दीन महमूद शाह (b) मुबारक खलजी
(c) मसूद शाह (d) आराम शाह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Head Master 2022

Ans. (e) उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

46. 'अलाउद्दीन दिल्ली का प्रथम तुर्की सुल्तान था जिसे धर्म को राज्य के अधीन लाने का और ऐसे घटकों से परिचय कराने का श्रेय जाता है, जो सैद्धान्तिक रूप में राज्य को धर्म-निरपेक्ष बनाते हैं।' ये शब्द किसने लिखे?

(a) वूल्जले हेग (b) के. एस. लाल
(c) ए. एल. श्रीवास्तव (d) जिया-उद-दीन बरनी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC CDPO 2021

Ans. (c) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

3. तुगलक वंश

47. मोरक्को के यात्री इब्न बतूता का वृत्तांत किस रूप में जाना जाता है?

(a) रेहला (b) सुबह-उल-अश
(c) तारीरख-ए-रशीदी (d) रियाज-उस-सलातीन
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018

व्याख्या– 1333 ई. में इब्नबतूता मुहम्मद बिन तुगलक के काल में भारत आया। पहले उसे दिल्ली का काजी नियुक्त किया गया और बाद में चीन में राजदूत बनाकर भेजा गया। उसने रेहला नामक पुस्तक की रचना की।

48. मुहम्मद बिन तुगलक ने अपनी राजधानी दिल्ली से कहाँ स्थानांतरित की थी?

(a) कन्नौज (b) कालिंजर
(c) बीदर (d) दौलताबाद

BPSC Motor Vehicle Insp. 2022

Ans. (d) : मुहम्मद बिन तुगलक द्वारा अपनी राजधानी दिल्ली से सन् 1327 में दक्कन के दौलताबाद में स्थानांतरित की गई थी। इसके पीछे उसका तर्क था कि राजधानी को एक केंद्रीय स्थान पर ले जाने से उसे पूरे भारतीय उपमहाद्वीप पर कुशलता से शासन करने में मदद मिलेगी। उल्लेखनीय है कि मुहम्मद बिन तुगलक का कार्यकाल 1325 से 1351 तक था। इब्नबतूता की रेहला पुस्तक मुहम्मद तुगलक के शासनकाल पर प्रकाश डालती है। मुहम्मद तुगलक ने कृषि विकास के लिए कृषि विभाग (दीवान-ए-अमीरकोही) की स्थापना किया था। अपनी प्रजा में गंभीरता से भेदभाव व अन्याय को समाप्त करने का प्रयास मुहम्मद तुगलक ने किया था।

49. किसने अपनी प्रजा में गम्भीरता से भेदभाव और अन्याय को समाप्त करने के प्रयास किए?

(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) शेरशाह सूरी
(c) अकबर (d) शाहजहाँ

उत्तर-(a) BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

50. निम्नलिखित किस शासक के शासनकाल के विषय पर इब्नबतूता की रेहला प्रकाश डालती है-

(a) इल्तुतमिश (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद तुगलक (d) फिरोज तुगलक

उत्तर-(c) Bihar APO GS -2011

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

51. जिस दिल्ली सुलतान ने एक कृषि विकास के मंत्रालय की स्थापना की थी, वह था

(a) बलबन (b) मुहम्मद तुगलक
(c) अलाउद्दीन खलजी (d) फिरोज तुगलक

उत्तर-(b) 28th Bihar (J) GS -2014

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

52. जागीर बाँटने की फिरोजशाह तुगलक की नीति के पीछे कौन-सी शक्ति थी?

(a) उलमाओं की उपलब्धि
(b) परम्परागत विशिष्ट वर्ग को समर्पण
(c) नीति के चतुराई परिवर्तन
(d) समय की आवश्यकता
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC CDPO 2021

Ans. (b) : जागीर बाँटने की फिरोजशाह तुगलक की नीति के पीछे की शक्ति परम्परागत विशिष्ट वर्ग को समर्पण था ताकि उलेमाओं एवं अमीरों को संतुष्ट किया जा सकें जिससे वे राज्य के विरुद्ध विद्रोह न करें। फिरोज तुगलक ने जागीर तथा सेना में वंशानुगत का नियम लागू कर दिया। फिरोज के समय से ही जजिया एक अलग कर के रूप में सामने आया। फिरोजशाह तुगलक ने संस्कृत पाण्डुलिपि का दलाइल-ए-फिरोजशाही नाम से फारसी मे अनुवाद करवाया। फिरोजशाह तुगलक के दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे। उसने 'दीवान-ए-बन्दगान' नाम से गुलामों के लिए एक अलग विभाग की स्थापना भी किया था।

53. निम्नलिखित में से किस सुल्तान के दरबार में सबसे अधिक गुलाम थे?

(a) बलबन (b) अलाउद्दीन खिलजी
(c) मुहम्मद बिन तुगलक (d) फिरोज तुगलक

उत्तर-(d) 45th BPSC (Pre) 2002

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

54. फिरोज शाह तुगलक ने संस्कृत पाण्डुलिपि का किस नाम से फारसी में अनुवाद करवाया?

(a) तारीख-ए-फिरोजशाही (b) दलाइल-ए-फिरोजशाही
(c) फुतुहात-ए- फिरोजशाही (d) फतवा-ए-जहाँदारी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC DACO 2021

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

55. किस शासक ने गुलामों हेतु विभाग स्थापित किया था?

(a) फिरोज़शाह तुगलक (b) रज़िया सुल्तान
(c) सिकन्दर लोदी (d) महमूद गजनी

उत्तर-(a) 30th Bihar (J) GS -2018

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

56. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने फलों की गुणवत्ता सुधारने के लिए उपाय किये?

(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) फिरोज शाह तुगलक
(c) सिकन्दर लोदी (d) शेरशाह सूरी

उत्तर-(b) 44th BPSC (Pre) 2000-01

व्याख्या-फिरोज तुगलक ने फलों की गुणवत्ता सुधारने एवं फलों का उत्पादन बढ़ाने के लिए दिल्ली और उसके निकटवर्ती क्षेत्रों में 1200 बाग लगवाये। इससे राजस्व में भी वृद्धि हुई। सुल्तान फिरोजशाह तुगलक ने बेरोजगारों को रोजगार दिलवाने के लिए एक रोजगार दफ्तर की स्थापना करवाया था। इसने गरीबों के सहायतार्थ एक खैराती अस्पताल 'दार-उल-सफा' की स्थापना करवाई थी। फिरोजशाह के ही शासनकाल मे सबसे ज्यादा नहरों का निर्माण कराया गया था।

57. **फिरोज तुगलक द्वारा स्थापित 'दार-उल-सफा' क्या था?**
(a) एक दानशाला (An alms house)
(b) एक खैराती अस्पताल (A free hospital)
(c) एक पुस्तकालय
(d) तीर्थ यात्रियों के लिए एक अतिथि गृह
उत्तर-(b) **53rd – 55th BPSC (Pre) 2011**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

58. **निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने बेरोजगारों को रोज़गार दिलवाया?**
(a) अलाउद्दीन खिलजी (b) मुहम्मद बिन तुगलक
(c) फिरोज तुगलक (d) शेरशाह सूरी
उत्तर-(c) **45th BPSC (Pre) 2002**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

59. **दिल्ली के किस सुल्तान ने सबसे ज्यादा नहरों का निर्माण किया था?**
(a) फिरोज शाह तुगलक (b) इल्तुतमिश
(c) बलबन (d) सिकन्दर लोदी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) **BPSC Assistant 28.04.2023**
65th BPSC (Pre) 2019

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

4. सैयद वंश

60. **'तारीख-ए-मुबारकशाही' का लेखक याहिया सरहिन्दी निम्नलिखित में से किसके शासनकाल में था?**
(a) लोदी (b) सैय्यद
(c) तुगलक (d) खिलजी
उत्तर-(b) **28th Bihar (J) GS -2014**

व्याख्या– 'तारीख-ए-मुबारकशाही' के लेखक याहिया बिन अहमद सरहिन्दी को सैय्यद वंश के सबसे योग्यतम् शासक मुबारक शाह का संरक्षण प्राप्त था। यह ग्रन्थ सैय्यद वंश का एक महत्वपूर्ण समकालीन स्रोत है। फरिश्ता ने मुबारक शाह के विषय में लिखा है कि "वह एक सभ्य राजकुमार था और उसमें अनेक प्रशंसनीय गुण थे"। तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में सैय्यद वंश का शासन स्थापित हुआ था।

61. **तैमूर के आक्रमण के बाद भारत में किस वंश का राज स्थापित हुआ?**
(a) लोदी वंश (b) सैय्यद वंश
(c) तुगलक वंश (d) खिलजी वंश
उत्तर-(b) **45th BPSC (Pre) 2002**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

5. लोदी वंश

62. **नूह सिपिहर की काव्य रचना मुख्य रूप से किस ऐतिहासिक व्यक्ति पर केंद्रित है?**
(a) मुबारक शाह खिलजी (b) शेर शाह सूरी
(c) बाबर (d) अकबर
Bihar B.H.O. Exam-2024

Ans. (a) : नूह सिपिहर की काव्य रचना मुख्य रूप से मुबारक शाह खिलजी पर केन्द्रित है। यह एक मसनवी है जिसे अमीर खुसरो ने 1318 में पूरा किया था। यह मुबारक शाह खिलजी की प्रसंशा में लिखा गया था।

63. **लोदी वंश की स्थापना किसने की?**
(a) हमीर (b) इब्राहिम लोदी
(c) बहलोल लोदी (d) इल्तुतमिश
BPSC LDC (Mains)-2022

Ans. (c) : लोदी वंश की स्थापना 1451 ई. में बहलोल लोदी द्वारा की गई थी यह अफगानों की शाहूखेल शाखा से संबंधित था। इसने बहलोली सिक्के को चलाया जो अकबर के शासनकाल से पहले उत्तरी भारत में विनिमय का मुख्य साधन बना रहा। लोदी वंश ने दिल्ली सल्तनत पर 1451 ई. से 1526 ई. तक शासन किया।

64. **निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने एक नगर बसाया जहाँ अब आगरा है?**
(a) मुहम्मद बिन तुगलक (b) फिरोज तुगलक
(c) बहलोल लोदी (d) सिकन्दर लोदी
उत्तर-(d) **44th BPSC (Pre) 2000-01**

व्याख्या-सिकन्दर लोदी ने दोआब पर नियंत्रण स्थापित करने तथा राजपूताना शासकों पर नियंत्रण के उद्देश्य को ध्यान में रखकर सन् 1504 ई. एक नया नगर आगरा को बसाया। दिल्ली के स्थान पर आगरा को सन् 1506 ई. में अपनी में राजधानी बनाया था।

6. विविध (सल्तनतकालीन)

65. **भारत में कागज का प्रयोग कब से प्रारंभ हुआ?**
(a) 12वीं शताब्दी (b) 13वीं शताब्दी
(c) 14वीं शताब्दी (d) 15वीं शताब्दी
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**

व्याख्या : कागज के आविष्कार का श्रेय चीन के काई-लून नामक व्यक्ति को है जिसने ईसा के प्रारंभिक वर्षो में आविष्कार किया। भारत में कागज का प्रयोग 12वीं सदी में प्रारम्भ माना जाता है। भारत में उपलब्ध कागज पर लिखी गयी सबसे प्राचीन संस्कृत पुस्तक पंचरक्ष है। नेपाल से प्राप्त 1105 ई. की यह हस्तलिपि वर्तमान में कोलकाता के 'आशुतोष संग्रहालय' में सुरक्षित है भारत में विशेषकर पश्चिम भारत में कागज निर्माण की जानकारी अरबों के जरिए पहुँची। ईसा की 8वीं सदी से ईरान का खुरासानी कागज भारत में पहुँचा और कई सदियों तक आयात किया जाता रहा।

66. **दीवान-ए-इंशा का संबंध था**
(a) विदेश मामलों से (b) शाही पत्र-व्यवहार से
(c) सैन्य मामलों से (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
Bihar Agriculture-2023

Ans. (b) : दीवान-ए-इंशा का संबंध शाही पत्र-व्यवहार से था। दीवान-ए-रिसालत विदेश मामलों से संबंधित विभाग था तथा दीवान-ए-अर्ज सैन्य विभाग था इसका मुखिया अरिज-ए-ममालिक कहलाता था।

67. दिल्ली सल्तनत के दौरान 'मुकद्दम या चौधरी' पद का इस्तेमाल किनके लिए किया जाता था?

(a) गाँव के सरपंच (b) राजस्व अधिकारी
(c) गाँव के लेखाकार (d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (a) : दिल्ली सल्तनत के दौरान 'मुकद्दम या चौधरी' का पद 'गाँव के सरपंच' के लिए प्रयोग किया जाता था। ये राज्य और किसानों के बीच वंशानुगत मध्यस्थ के रूप में कार्य करते थें। इन्हें इनके कार्यक्षेत्र में राजस्व संग्रह का कार्य सौंपा गया था जिससे पारिश्रामिक प्राप्त करते थें।

68. गीत-गोविन्द का रचयिता कौन था-

(a) विद्यापति (b) जयदेव
(c) चण्डीदास (d) चैतन्य

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– गीत-गोविन्द जयदेव की काव्य रचना है। जयदेव का जन्म उड़ीसा में भुवनेश्वर के एक ग्राम में हुआ था। गीत-गोविन्द में श्री कृष्ण गोपिओं के साथ रासलीला, राधा का विवाद वर्णन, कृष्ण के लिए व्याकुलता, उपालम्भ वचन, कृष्ण की राधा के लिए उत्कंठा, राधा की सखी द्वारा राधा के विरह संताप का वर्णन आदि हैं।

69. तराईन के द्वितीय युद्ध में निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय शासक पराजित हुआ था-

(a) पृथ्वीराज चौहान (b) जयचन्द्र
(c) जयसिंह सिद्धराज (d) अर्णोराज

उत्तर-(a) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– तराईन का द्वितीय युद्ध वर्ष 1192 ई. में पृथ्वीराज चौहान और शहाबुद्दीन मुहम्मद गोरी के मध्य लड़ा गया था उस युद्ध में मुस्लिमों की विजय और राजपूतों की पराजय हुई थी।

70. गजनी के महमूद ने सोमनाथ मंदिर का विध्वंस कब किया?

(a) 1006 ई. (b) 1016 ई.
(c) 1026 ई. (d) 1036 ई.

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2009**

व्याख्या– गजनी के महमूद ने भारत पर प्रथम आक्रमण 1000 ई. में सीमावर्ती नगरों पर किया था तथा दूसरा आक्रमण हिन्दूशाही शासक जयपाल के विरुद्ध किया और इसमें विजयी हुआ। महमूद का उल्लेखनीय आक्रमण गुजरात में समुद्र तट पर स्थित सोमनाथ या सोमेश्वर के मन्दिर पर (1025-26) ई. में किया गया था। उस समय, वहाँ का राजा भीम प्रथम था।

7. बहमनी राजवंश

71. बहमनी राज्य का संस्थापक कौन था?

(a) अलाउद्दीन हसन (b) फिरोजशाह
(c) महमूद गवाँ (d) आसफ खान
(e) उपरोक्त में से कोई नहीं/उपरोक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या- बहमनी राज्य की स्थापना 1347 ई. में 'अलाउद्दीन हसन बहमन शाह'' (मूल नाम हसन गंगू) ने मुहम्मद बिन तुगलक के समय की थी। इसने गुलबर्गा को अपनी राजधानी बनाया तथा बाद में उसका नाम अहसानाबाद रखा। इसका प्रतिद्वंदी राज्य विजयनगर था। उसने साम्राज्य को चार प्रांतों- गुलबर्गा, दौलताबाद, बरार और बीदर में बाँटा।

72. दक्षिणी चित्रकला का विकास कहाँ से हुआ था?

(a) बीजापुर-गोलकुंडा (b) मैसूर-कर्नाटक
(c) कोंकण-अमरावती (d) विजयनगर-गुलबर्गा

उत्तर-(a) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– दक्कन चित्रकला शैली का प्रधान केन्द्र बीजापुर था परन्तु इसका विस्तार गोलकुण्डा एवं अहमदनगर राज्यों में भी था। 'रागमाला' के चित्रों का चित्रांकन दक्कन चित्रकला शैली में विशेष रूप से किया गया है। दक्कन चित्रकला शैली के महान संरक्षक अली आदिलशाह थे।

8. विजयनगर साम्राज्य

73. विजयनगर साम्राज्य के 300 बंदरगाह होने और विभिन्न क्षेत्रों के साथ वाणिज्यिक संपर्क स्थापित करने के बारे में किसने बयान दिया?

(a) अल-बिरूनी (b) मार्को पोलो
(c) इब्न बतूता (d) अब्दुर रज्जाक

Bihar B.H.O. Exam-2024

Ans. (d) : विजयनगर साम्राज्य में आने वाला फारसी यात्री 'अब्दुर रज्जाक' के अनुसार विजयनगर राज्य के ३०० बन्दरगाह थे। इस राज्य में अंतर्देशीय, तटीय और विदेशी व्यापार फल-फूल रहा था जो सामान्य समृद्धि का एक महत्वपूर्ण स्रोत था। अब्दुर्रज्जाक के अनुसार प्रत्येक अलग-अलग संघ या शिल्प के व्यापारियों की दुकाने एक दुसरे के करीब होती है।

74. निम्नलिखित में से किसके द्वारा विजयनगर राज्य की स्थापना हुई-

(a) देवराय-I (b) हरिहर एवं बुक्का
(c) कृष्णदेव राय (d) देवराय-II

उत्तर-(b) **BPSC Assistant 28.04.2023**
Bihar APO GS -2011

व्याख्या– विजयनगर साम्राज्य की स्थापना हरिहर तथा बुक्का ने 1336 ई. में की थी। उनके पिता संगम के नाम पर उनका वंश संगम वंश कहलाया। विजयनगर को संस्थापित करने के लिए हरिहर एवं बुक्का ने अपने गुरू विद्यारण्य तथा वेदों के प्रसिद्ध भाष्यकार सायण से शिक्षा ली थी। बुक्का प्रथम के बाद हरिहर II विजयनगर का शासक बना जिसने बहमनी साम्राज्य से गोवा को छीना था। आगे चलकर देवराय II शासक बना जिसके शासनकाल मे फारसी यात्री अब्दुर्रज्जाक ने विजयनगर की यात्रा की थी।

75. फारसी यात्री 'अब्दुल रज्जाक' भारत में किस राजा के शासनकाल में आया था?

(a) देवराय I (b) कृष्ण देवराय I
(c) देवराय II (d) कृष्णराय II
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17**

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

76. **विजयनगर के उस पहले शासक की पहचान करें जिसने बहमनियों से गोवा को छीना?**
(a) हरिहर-प्रथम (b) हरिहर-द्वितीय
(c) बुक्का-प्रथम (d) देवराय-द्वितीय
उत्तर-(b) **40th BPSC (Pre) 1995**

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

77. **विजयनगर साम्राज्य के कृष्णदेव राय समकालीन थे**
(a) अकबर के (b) फिरोज शाह तुगलक के
(c) बाबर के (d) बलबन के
उत्तर-(c) **29th Bihar (J) GS -2017**

व्याख्या– बाबर ने अपनी आत्मकथा बाबरनामा में सात भारतीय राज्यों का उल्लेख किया है। जिसमें पाँच मुस्लिम राज्य बंगाल, मालवा, दिल्ली, बहमनी और गुजरात तथा दो हिन्दू राज्य मेवाड़ और विजयनगर थे। विजयनगर का शासक कृष्ण देवराय था जो बाबर का समकालीन था। बाबर ने उसे तत्कालीन भारत का सबसे शक्तिशाली शासक कहा है। विजयनगर के कृष्णदेव राय ने गोलकुण्डा का युद्ध गोलकुण्डा के सुल्तान कुली कुतुबशाह के साथ लड़ा था। विजयनगर के शासकों में कृष्णदेव राय ने तेलुगू और संस्कृत साहित्य मे सर्वाधिक योगदान दिया था।

78. **विजयनगर के जिस सम्राट ने तेलुगू और संस्कृत साहित्य में सर्वाधिक योगदान दिया, वह था**
(a) देवराय I (b) देवराय III
(c) कृष्णदेव राय (d) रामराय
उत्तर-(c) **28th Bihar (J) GS -2014**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

79. **विजयनगर के राजा कृष्णदेव राय ने गोलकुंडा का युद्ध किस राजा के साथ लड़ा था?**
(a) कुली कुतुबशाह (b) कुतुबुद्दीन ऐबक
(c) इस्माइल आदिल खान (d) गजपति
उत्तर (a) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

80. **विजयनगर साम्राज्य का अवशेष कहाँ मिलता है?**
(a) बीजापुर (b) गोलकुंडा
(c) हम्पी (d) बड़ौदा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर. (c) **63rd BPSC (Pre) 2017-18**
BPSC AE-2006 (Paper III)

व्याख्या : कर्नाटक के बेल्लारी जिले में स्थित हम्पी मध्यकालीन हिन्दू राज्य विजयनगर साम्राज्य की राजधानी थी। यहाँ के खण्डहरों को देखने से सहज ही प्रतीत होता है कि किसी समय में हम्पी में एक समृद्धशाली सभ्यता निवास करती थी। विजयनगर साम्राज्य की वित्तीय व्यवस्था का प्रमुख आधार भू-राजस्व था, जिसे शिष्ट कहा जाता था। 1565 ई. में विजयनगर और बीजापुर, गोलकुण्डा, अहमदनगर व बीदर द्वारा निर्मित संघ के बीच तालीकोटा या राक्षस-तांगड़ी का युद्ध हुआ जिसमे विजयनगर की पराजय हुई।

81. **विजयनगर साम्राज्य की वित्तीय व्यवस्था की मुख्य विशेषता क्या थी?**
(a) अधिशेष लगान (b) भू-राजस्व
(c) बन्दरगाहों से आमदनी (d) मुद्रा प्रणाली
उत्तर-(b) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

82. **सन् 1565 में कौन-सा प्रसिद्ध युद्ध हुआ था?**
(a) पानीपत का प्रथम युद्ध (b) पानीपत का द्वितीय युद्ध
(c) खानवा युद्ध (d) तालिकोटा का युद्ध
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(d) **66th BPSC (Pre) (Re-Exam) 2020**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

83. **इनमें से किस प्रसिद्ध शासक ने अपनी माता के नाम पर विजयनगर के पास नागलपुरम की एक उपनगरीय बस्ती की स्थापना की थी?**
(a) कृष्णदेवराय (b) हरिहर
(c) बुक्का (d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं
68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (a) : विजयनगर साम्राज्य के तुलुव वंश के शासक कृष्णदेव राय (1509-29 ई.) ने अपनी माता के नाम पर विजयनगर के पास नागालपुरम् की एक उपनगरीय बस्ती की स्थापना की थी। उल्लेखनीय है कि कृष्णदेव राय को कन्नड़ राज्य में राम रमण तथा आंध्रभोज के नाम से भी जाना जाता है। इनके द्वारा तेलुगु में राजकीय कला पर लिखी गयी पुस्तक 'अमुक्तमाल्माद' बहुत प्रसिद्ध है।

9. 15वीं और 16वीं शताब्दियों के धार्मिक आंदोलन

84. **निजामुद्दीन औलिया किस सूफी सम्प्रदाय के अनुयायी थे?**
(a) कादिरी (b) नक्शबंदी
(c) चिश्ती (d) सुहरावर्दी
31th BPSC (J)-2022

Ans. (c) : शेख निजामुद्दीन औलिया चिश्ती सम्प्रदाय के अनुयायी थे। यह बाबा फरीदुद्दीन गंज-ए-शंकर के शिष्य थे। इनको महबूब-ए-इलाही के नाम से भी जाना जाता था।

85. **दसवें सिक्ख गुरु का क्या नाम था?**
(a) गुरु अंगद (b) गुरु रामदास
(c) गुरु तेगबहादुर (d) गुरु गोबिन्द सिंह
31th BPSC (J)-2022

Ans. (d) : सिक्खों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह थे। इनका जन्म पटना, बिहार में हुआ था। इन्होंने खालसा पंथ की स्थापना की थी।

86. **भक्तिकालीन संत चैतन्य का वास्तविक नाम था**
(a) गौर (b) बल्लभ
(c) विश्वम्भर (d) गंगादास
31th BPSC (J)-2022
31st Bihar J (Pre) 2020

Ans. (c) : भक्तिकालीन संत चैतन्य का वास्तविक नाम विश्म्भर था पर बाल्यावस्था में इनका नाम निमाई था। शिक्षा पूर्ण करने के उपरान्त इन्हें विद्यासागर की उपाधि प्रदान की गई। ऐसा माना जाता है कि चैतन्य ने बंगाल में गौड़ीय वैष्णव धर्म की स्थापना की थी।

87. **किसने भारत में सूफी के चिश्ती संप्रदाय की स्थापना की थी?**
(a) बाबा फरीद (b) शेख बहाउद्दीन जकारिया
(c) मोइनुद्दीन चिश्ती (d) ख्वाजा बाकी बिल्ला
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(c) **65th BPSC (Pre) Re-exam 2019**

व्याख्या– भारत में सूफी के चिश्ती सम्प्रदाय के संस्थापक ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती थे। ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती का जन्म 1143 ई. में पूर्व पर्शिया के सिस्तान क्षेत्र में हुआ था। इन्होंने ही भारत में चिश्ती संप्रदाय की स्थापना की थी। इनके दो प्रमुख शिष्य थे- शेख हमीदउद्दीन नागौरी व कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी। इनकी दरगाह अजमेर शहर में है।

88. सूफीवाद किससे घनिष्ठतः सम्बन्धित है-

(a) बौद्ध धर्म (b) शैव धर्म
(c) यहूदी धर्म (d) इस्लाम

Bihar APO GS -2013

Ans. (d) : सूफीवाद, इस्लाम से संबंधित प्रमुख पंथ है। यह 'ईश्वर की प्राप्ति' के सिद्धांत पर आधारित है, जिसमें हिंदू या मुसलमान में भेद किये बिना ईश्वर से प्रेम, उसकी प्रार्थना, उपवास और अनुष्ठानों के माध्यम से ईश्वर की प्राप्ति पर बल दिया जाता है।

89. उस प्रथम व्यक्ति का नाम बताइए, जिसने 'वहदत-उल-वुजूद' सिद्धान्त को सूफी मत में प्रतिपादित किया।

(a) इब्नुल अरबी (b) जलालुद्दीन रूमी
(c) फरीदुद्दीन अत्तार (d) मंसूर हल्लाज

उत्तर-(a) Bihar APO (Pre) 2020

व्याख्या– इब्नुल अरबी ने 'वहदत-उल-वुजूद' सिद्धान्त को सूफी मत में प्रतिपादित किया।
सूफी रहस्यवाद 'वहदत-उल-वुजूद' या परमात्मा में एकत्व के सिद्धांत से उत्पन्न हुआ था। इस सिद्धान्त के अनुसार - "ईश्वर एक है और वह संसार की सब वस्तुओं के पीछे है।" आगे चलकर शेख अहमद सरहिन्दी ने इब्न-उल-अरबी के इस सिद्धान्त का खण्डन किया तथा इसके स्थान पर 'वहदत-उल-शुहूद' (प्रत्यक्षवादी दर्शन) के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया। इसी क्रम में एक अन्य सूफी सन्त शाहवली उल्लाह ने इन दोनों सिद्धान्तों को सफलतापूर्वक एक दूसरे में समन्वित करने का प्रयास किया।

90. 'अनहलक' का अर्थ क्या होता है?

(a) अग्नि (b) मैं खुदा हूँ
(c) पैतृक अधिकार (d) अनिश्चय की स्थिति

उत्तर-(b) Bihar APO GS -2012

व्याख्या– अनहलक अर्थात 'मैं खुदा हूँ' सूफियों द्वारा प्रयोग किया जाने वाला शब्द है। पहला व्यक्ति मंसूर-बिन-हल्लाज था, जिसने स्वयं को अनहलक घोषित किया। इसी कारण दसवीं शताब्दी में उसे फांसी दे दी गई। मंसूर-अल-हल्लाज ने सूफी की दस अवस्थाओं का वृतान्त देने वाला "दस मुकामी रेक्ता" की रचना की थी।

91. उर्दू एक नई भाषा के रूप में विकसित की गई थी

(a) सरकारी प्रयोग (b) आपसी सदव्यवहार
(c) धार्मिक ध्येयों (d) मुसलमानों के लिए

उत्तर-(c) 27th Bihar (J) GS -2013

व्याख्या– मध्यकालीन भारत में उर्दू भाषा का विकास सूफी सन्तों व भक्ति सन्तों द्वारा किया गया, जिन्होंने अपने उपदेशों को लोकप्रिय बनाने के लिए उस भाषा को माध्यम बनाया। उर्दू एक मिश्रित भाषा है जिसमें अरबी, फारसी, तुर्की, खड़ी बोली, ब्रज भाषा आदि की शब्दावली मिलती हैं।

92. निम्नलिखित में से कौन अपने अनुयायियों द्वारा 'महबूब-ए-इलाही' नाम से जाना जाता है-

(a) ख्वाजा मुइनुद्दीन चिश्ती
(b) ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी
(c) शेख निजामुद्दीन औलिया
(d) शेख नसीरूद्दीन महमूद

उत्तर-(c) Bihar APO GS -2011

व्याख्या– शेख निजामुद्दीन औलिया चिश्ती सिलसिले के सूफी संत थे। निजामुद्दीन औलिया अपने उदार और सहिष्णु दृष्टिकोण के कारण महबूब-ए-इलाही (ईश्वर के प्रेमी) के नाम से प्रसिद्ध थे। इनके समय में भारत में चिश्तिया सम्प्रदाय का सबसे अधिक प्रचार हुआ। इनका जन्म 1236 ई. में बदायूँ में हुआ था। यह बाबा फरीद के शिष्य थे।

93. निजामुद्दीन औलिया किस सूफी सम्प्रदाय के अनुयायी थे?

(a) कादिरी (b) नक्शबंदी
(c) चिश्ती (d) सुहरावर्दी

उत्तर-(c) 31st Bihar J (Pre) 2020

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

94. शेख निजामुद्दीन औलिया थे एक

(a) दरबारी (b) सूफी सन्त
(c) धार्मिक प्रचारक (d) कवि

उत्तर-(b) 27th Bihar (J) GS -2013

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

95. शेख बहाउद्दीन जकारिया किस सम्प्रदाय के थे?

(a) सुहरावर्दी सम्प्रदाय (b) ऋषि सम्प्रदाय
(c) चिश्ती सम्प्रदाय (d) फिरदौसी सम्प्रदाय
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(a) 64th BPSC (Pre) 2018-19

व्याख्या– शेख बहाउद्दीन जकारिया सुहरावर्दी सम्प्रदाय के थे। इन्होंने ही सुहरावर्दी शाखा का प्रचार भारत में सर्वप्रथम किया। सुहरावर्दी सिलसिला की स्थापना शिहाबुद्दीन सुहरावर्दी ने बगदाद में किया था। उनके शिष्य बहाउद्दीन जकारिया और जलालुद्दीन तबरीजी इसे भारत में ले आए। सुहरावर्दी सिलसिले का केन्द्र मुल्तान में था। चिश्तियों के विपरीत सुहरावर्दी संत धन-सम्पत्ति तथा राजकीय संरक्षण को महत्व देते थे। बहाउद्दीन जकारिया को इल्तुतमिश ने 'शेख-उल-इस्लाम' की उपाधि दी थी।

96. मध्यकाल में बिहार शरीफ का नगर महत्वपूर्ण रहा -

1. व्यापार केन्द्र के रूप में 2. विद्या केन्द्र के रूप में
3. प्रशासनिक केन्द्र के रूप में 4. धार्मिक केन्द्र के रूप में

अपने उत्तर का चयन निम्नांकित कूटों से करें -

कूट :

(a) 1 एवं 3 (b) 1, 2 एवं 3
(c) 2, 3 एवं 4 (d) 2 एवं 4

उत्तर-(d) 40th BPSC (Pre) 1995

व्याख्या–मध्यकाल में बिहार के वर्तमान नालंदा जिले का मुख्यालय नगर 'बिहार शरीफ' विद्या तथा धर्म का प्रमुख केन्द्र था। विद्या केन्द्र के रूप में यहाँ पर 'ओदन्तपुर विश्वविद्यालय' स्थित था जिसे पाल नरेश गोपाल अथवा देवपाल ने एक बौद्ध बिहार के रूप में स्थापित कराया था। एवं यहीं पर सूफी संत सर्फूद्दीन मनेरी की प्रसिद्ध दरगाह भी स्थित था।

97. बिहार के सुप्रसिद्ध सन्त सर्फूदीन मनेरी का सम्बन्ध सूफियों के किस सम्प्रदाय से था?

(a) चिश्ती (b) सुहरावर्दी
(c) फिरदौसी (d) कुब्रवी

उत्तर-(c) **40th BPSC (Pre) 1995**
BPSC AAO 2021

व्याख्या- मध्यकालीन बिहार में फिरदौसी सिलसिला सबसे अधिक लोकप्रिय था। बिहार के सुप्रसिद्ध संत सर्फूदीन मनेरी का सम्बन्ध इसी सिलसिले से था। बिहार-शरीफ में संत सर्फूद्दीन मनेरी की दरगाह है। सुहरावर्दी संघ की स्थापना शेख शिहाबुद्दीन उमर सुहरावर्दी ने की थी, किन्तु इसके सुदृढ़ संचालन का श्रेय शेख बहाउद्दीन जकारिया को है। 'कादिरी संघ' की स्थापना सैयद अब्दुल कादिर जिलानी ने की थी। भारत में इस सिलसिले के प्रमुख संत मुहम्मद गौस थे।

98. दक्षिण भारत के शैव सन्तों को कहा जाता था

(a) सिद्ध (b) नयनार
(c) अलवार (d) शिवगण

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– दक्षिण भारत के शैव सन्तों को नयनार कहा जाता था जिनकी संख्या 63 बताई गई है। इनके भक्तिगीतों को 'देवारम संकलन' कहा जाता है। वैष्णव मत के सन्तों को अलवार कहा जाता था जिनकी संख्या 12 थी। प्रमुख नयनार संत है- सम्बन्दर, अप्पार सुन्दरमूर्ति, नम्बि आण्डार। प्रमुख अलवार संत थे- नम्मालवार, मधुरकवि, अण्डाल, कुलशेखर आदि।

99. सभी भक्ति सन्तों के मध्य एक समान विशेषता थी कि उन्होंने -

(a) अपनी वाणी को उसी भाषा में लिखा, जिसे उनके भक्त समझते थे
(b) पुरोहित वर्ग की सत्ता को नकारा
(c) स्त्रियों को मंदिर जाने को प्रोत्साहित किए
(d) मूर्तिपूजा को प्रोत्साहित किए

उत्तर-(a) **47th BPSC (Pre) 2004-05**

व्याख्या - भक्ति आंदोलन के सभी संतों ने जनप्रचलित बोलियों का प्रयोग किया है। ऐसा करने के कारण उनका जनता से संपर्क अधिक बढ़ा है। साथ ही इस ढंग से वे जनभाषाओं और उनके साहित्यों की समृद्धि का माध्यम भी बने हैं। कबीर ने सधुक्खड़ी भाषा, संत ज्ञानेश्वर ने मराठी भाषा, गुरू नानक ने पंजाबी भाषा के उन्नयन में सराहनीय योगदान दिया है।

100. मत्स्येन्द्रनाथ द्वारा स्थापित सम्प्रदाय का नाम क्या था?

(a) कपालिक (b) योगिनी कौल
(c) कालमुख (d) त्रिक दर्शन

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– नाथपन्थ सम्प्रदाय या योगिनी कौल सम्प्रदाय की स्थापना दसवीं शताब्दी में मत्स्येन्द्रनाथ अथवा मचिन्द्रनाथ ने किया था। इस समुदाय में शिव को आदिनाथ मानते हुए नौ नाथों को दिव्य पुरुष के रूप में मान्यता प्रदान की गयी है। मत्स्येन्द्रनाथ ने अपने ग्रन्थ 'कौलज्ञान निर्णय' और अकुलवीरतंत्र में इस सम्प्रदाय की चर्चा की है। 11वीं शताब्दी में इस सम्प्रदाय का प्रचार गोरखनाथ ने किया।

101. निर्गुण स्कूल का बड़ा समर्थक था

(a) तुलसीदास (b) सूरदास
(c) कबीर (d) मीराबाई

उत्तर-(c) **27th Bihar (J) GS -2013**

व्याख्या– कबीर 15वीं सदी के भारतीय रहस्यवादी कवि और संत थे। वे हिन्दी साहित्य के भक्तिकालीन युग में ज्ञानश्रयी (विचारधारा) निर्गुण काव्यधारा के प्रवर्तक कवि थे। इस प्रकार कबीर दास निर्गुण स्कूल के बड़े समर्थक थे। यह सिकन्दर लोदी के समकालीन थे।

102. निम्नलिखित भक्तिकालीन सन्तों में से कौन कृष्ण का आराधक नहीं था-

(a) मीराबाई (b) चैतन्य
(c) सूरदास (d) कबीर

उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2013**

व्याख्या– मीराबाई, चैतन्य तथा सूरदास सभी कृष्ण के आराधक भक्तिकालीन सन्त थे जबकि कबीरदास भारतीय रहस्यवादी कवि एवं संत थे। वे हिंदी साहित्य के भक्तिकालीन, ज्ञानाश्रयी निर्गुण शाखा की काव्यधारा के प्रवर्तक थे।

103. सिक्खों के दसवें गुरू, गुरू गोविन्द सिंह का जन्म कहाँ हुआ था?

(a) पानीपत (b) अमृतसर
(c) दिल्ली (d) पटना

BPSC LDC (Pre) 2021
BPSC AE(Mains)-2017 (Paper III)

Ans. (d) : सिक्खों के दसवें गुरू, गुरू गोविन्द सिंह का जन्म पटना में 22 दिसम्बर 1666 को हुआ था। इन्होंने 1699 में बैसाखी के दिन खालसा पंथ की स्थापना की।
गुरू गोविन्द सिंह ने गुरू के पद को समाप्त करते हुए घोषणा की उनके बाद अब कोई गुरू नहीं होगा, 'गुरू ग्रंथ साहिब' (सिख समुदाय का धार्मिक ग्रंथ) ही अब गुरू होंगें।

104. दसवें सिक्ख गुरु का क्या नाम था?

(a) गुरु अंगद (b) गुरु रामदास
(c) गुरु तेगबहादुर (d) गुरु गोविन्द सिंह

उत्तर-(d) **31st Bihar J (Pre) 2020**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

105. 'खालसा पंथ' का गठन किसने किया?

(a) गुरू नानक (b) गुरू अर्जुन देव
(c) गुरू गोविन्द सिंह (d) गुरू तेगबहादुर

उत्तर-(c) **Bihar APO GS -2009**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

106. 'वारकारी' समाज सुधार आन्दोलन कहाँ से आरम्भ हुआ था?

(a) बंगाल (b) महाराष्ट्र
(c) छत्तीसगढ़ (d) तमिलनाडु

उत्तर-(b) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या–वारकरी सुधार आन्दोलन का उदय महाराष्ट्र के पंढ़रपुर नामक स्थान पर हुआ था। वारकरी सम्प्रदाय के अनुयायी बिठोवा की पूजा भगवान के रूप में करते थे। इस संप्रदाय की सदस्यता के लिए जाति के आधार का कोई बंधन नहीं था। इस सम्प्रदाय के प्रवर्तकों में संत ज्ञानेश्वर का स्थान महत्वपूर्ण है। उन्होंने ज्ञानेश्वरी और 'अमृतानुभव हरिपाठ' आदि जैसे ग्रन्थों की रचना की।

10. मुगल साम्राज्य (प्रशासन व वित्त व्यवस्था, संस्कृति एवं कला)

107. अकबर की पालक माँ का नाम क्या था?

(a) हमीदा बानू बेगम (b) महम अनगा
(c) जोधा बाई (d) बेगा बेगम

Bihar B.H.O. Exam-2024

Ans. (b) : अकबर के बाल्यकाल में उनका पालन-पोषण 'माहम अनगा' ने किया था, जिन्हे अकबर की धाय माता कहा जाता है। माहम अनगा, अकबर के शासनकाल के शुरूआती दौर में, अकबर की राजनीतिक सलाहकार थी। बचपन से अकबर का लगाव माहम अनगा से था, यही कारण है कि अकबर के शुरूआती शासन में, माहम अनगा कि राजनीतिक दखलंदाजी बहुत ज्यादा थी।

108. निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए–

(a) पुस्तकें	(b) लेखक
a. लैला मजनू	1. अब्दुल फज़ल
b. अकबर नामा	2. अब्दुल हामिद
c. बादशाह नामा	3. अलबिरूनी
d. तहकीक-ए-हिंद	4. अमिर खुसरू

निम्नलिखित में से सही उत्तर चुनिए–

(a) a-1, b-3, c-4, d-2
(b) a-1, b-2, c-3, d-4
(c) a-4, b-1, c-2, d-3
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

BPSC Head Teacher-2024

Ans. (c) :

पुस्तकें		लेखक
लैला मजनू	–	अमीर खुसरो
अकबरनामा	–	अबुल फज़ल
बादशाहनामा	–	अब्दुल हामिद
तहकीक-ए-हिंद	–	अलबरुनी

109. तबक़ात-ए-अकबरी, जिसे कभी-कभी अबुल फ़ज़ल के अकबरनामा से अधिक विश्वसनीय माना जाता है, किसके द्वारा लिखा गया था?

(a) गुलबदन बेगम
(b) निज़ामुद्दीन अहमद
(c) अब्दुल हामिद लाहौरी
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (b) : 'तबकात-ए-अकबरी' निजामुद्दीन अहमद द्वारा लिखी गयी पुस्तक है। यह मुगल बादशाह अकबर के काल का आधिकारिक इतिहास ग्रंथ है। तिथि तथा भौगोलिक वर्णन की दृष्टि से यह ग्रंथ सर्वाधिक विश्वसनीय माना जाता है।

110. कौन मुगल सम्राट आलमगीर के नाम से जाना जाता था?

(a) अकबर (b) बाबर
(c) जहाँगीर (d) औरंगजेब

BPSC LDC (Mains)-2022

Ans. (d) : औरंगजेब को आलमगीर के नाम से जाना जाता था आगरा पर अधिकार करने के बाद औरंगजेब ने अपना राज्याभिषेक अबुल मुजफ्फर मुहउद्दीन मुजफ्फर औरंगजेब बहादुर आलमगीर की उपाधि से 31 जुलाई, 1658 ई. को करवाया। इसे जिंदापीर भी कहा जाता था। औरंगजेब ने 1658-1707 ई. तक शासन किया था। शाहजहाँ के पुत्रों दाराशिकोह, शाहशुजा, औरंगजेब व मुराद में शाहजहाँ के बीमार पड़ने के बाद वर्ष 1658 में उत्तराधिकार का युद्ध शुरू हो गया। सामूगढ़ के मैदान में दाराशिकोह व औरंगजेब के बीच युद्ध हुआ जिसमें औरंगजेब विजयी हुआ। उसके बाद औरंगजेब ने 1658 ई. में शाहजहाँ को आगरा किले में बंदी बना दिया।

111. इनमें से किसने हुमायूँ को यह प्रस्ताव दिया था कि यदि उसे बंगाल पर अधिकार करके दिया गया तो वह बिहार को समर्पित कर देगा और 10 लाख दीनार की वार्षिक श्रद्धांजलि अर्पित करेगा?

(a) बहादुर शाह (b) शेर ख़ान
(c) बैरम ख़ान (d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (b) : शेरखान अर्थात शेरशाह सूरी ने हुमायूँ को यह प्रस्ताव दिया था कि यदि उसे बंगाल पर अधिकार करने दिया गया तो वह बिहार को समर्पित कर देगा और 10 लाख दीनार की वार्षिक श्रद्धांजलि अर्पित करेगा।

112. निम्नलिखित में से किस युद्ध में मुख्य विरोधियों का सही उल्लेख नहीं किया गया है?

(a) हल्दीघाटी का युद्ध - महाराणा प्रताप और अकबर
(b) पानीपत का प्रथम युद्ध - बाबर और इब्राहिम लोदी
(c) पानीपत का द्वितीय युद्ध-टीपू सुल्तान और मराठा
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं

68th BPSC (Pre)-2022 (12-02-2023)

Ans. (c) : पानीपत का द्वितीय युद्ध सन् 1556 ई. में हेमचन्द्र विक्रमादित्य (हेमू) तथा अकबर के मध्य लड़ा गया था। इसमें अकबर ने हेमू को पराजित किया था।

113. हुमायूँ का मकबरा कहाँ स्थित है?

(a) इलाहाबाद (b) दिल्ली
(c) जौनपुर (d) पानीपत

31th BPSC (J)-2022

Ans. (b) : हुमायूँ का मकबरा दिल्ली में स्थित है। इस मकबरे को हुमायूँ की पत्नी रानी बेगा बेगम (हाजी बेगम) द्वारा 1569-70 में बनाया गया था। इसे फारसी वास्तुकारों द्वारा डिजाइन किया गया था।

114. इनमें से किस शासक ने सबसे अधिक समय तक शासन किया?

(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) जहाँगीर (d) औरंगजेब

31th BPSC (J)-2022

Ans. (d) : दिये गये विकल्पों में सबसे अधिक समय तक शासन औरंगजेब (1658-1707) ने किया। बाबर का शासन काल 1526-1530 तक, हुमायूँ का शासनकाल 1530-1556 तक और जहाँगीर का शासनकाल 1530-40 एवं 1554-56 तक था।

115. भारत में मुगल वंश का संस्थापक कौन था?

(a) हुमायूँ (b) औरंगजेब
(c) अकबर (d) बाबर

उत्तर-(d) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2005**

व्याख्या– भारत में मुगल वंश का संस्थापक बाबर (1526-30) था। बाबर ने पानीपत के प्रथम युद्ध (21 अप्रैल 1526 ई.) में इब्राहिम लोदी को पराजित कर भारत में मुगल वंश को स्थापित किया। उसने तैमूरी परंपरा के विरूद्ध 'पादशाह' की उपाधि धारण की। उदारता के कारण उसे 'कलंदर' कहा जाता था। बाबर ने क्रमशः पानीपत का प्रथम युद्ध (1526), खानवा (1527), चंदेरी (1528) व घाघरा (1529) का युद्ध लड़ा था। खानवा के युद्ध में बाबर ने राणा संग्राम सिंह (राणा सांगा) को पराजित किया था। पानीपत के युद्ध में बाबर अपने जीत का श्रेय तुलुगमा पद्धति को देता है। बाबर ने तुर्की भाषा में 'बाबरनामा' की रचना की थी। मसनवी जो बाबर द्वारा मुस्लिम कानून के नियमों का संग्रह है उसका नाम 'मुबायीन' था।

116. 'मस्त्रवीस' (मसनवी) जो बाबर द्वारा मुस्लिम कानून के नियमों का संग्रह है, उसका नाम है –

(a) मुबायीन (b) दीवान
(c) प्रोसाडी पर तुर्की संग्रह (d) बाबरनामा

उत्तर (a) **43rd BPSC (Pre) 1999**

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

117. पानीपत के युद्ध में बाबर की जीत का मुख्य कारण क्या था?

(a) उसकी घुड़सवार सेना
(b) उसकी सैन्य कुशलता
(c) तुलुगमा पद्धति
(d) अफगानों की आपस फूट

उत्तर-(c) **39th BPSC (Pre) 1994**

व्याख्या - उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

118. भारत में बाबर के युद्धों की कौन सी क्रमबद्धता सही हैं?

(a) पानीपत, घाघरा, चन्देरी, खानवा
(b) पानीपत, चन्देरी, खानवा, घाघरा
(c) पानीपत, खानवा, चन्देरी, घाघरा
(d) पानीपत, खानवा, घाघरा, चन्देरी

उत्तर-(c) **27th Bihar (J) GS -2013**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

119. खानवा के युद्ध में बाबर के हाथों कौन पराजित हुआ था?

(a) सिकन्दर लोदी (b) राणा प्रताप
(c) हेमू विक्रमादित्य (d) राणा संग्राम सिंह

उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2012**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

120. 'बाबरनामा' की रचना किस भाषा में की गई थी?

(a) तुर्की (b) फारसी
(c) अरबी (d) उर्दू

उत्तर-(a) **29th Bihar (J) GS -2017**
56th–59th BPSC (Pre) 2015

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

121. हुमायूँ द्वारा लड़े गए चार प्रमुख युद्धों का तिथि अनुसार सही क्रम अंकित करें, युद्ध-स्थलों के नाम नीचे अंकित हैं-

(a) चौसा, देवरा, कन्नौज, सरहिन्द
(b) देवरा, कन्नौज, चौसा, सरहिन्द
(c) सरहिन्द, देवरा, चौसा, कन्नौज
(d) देवरा, चौसा, कन्नौज, सरहिन्द

उत्तर-(d) **41st BPSC (Pre) 1996**

व्याख्या- हुमायूँ द्वारा लड़े गये प्रमुख युद्धों का विवरण इस प्रकार है-

देवराई का युद्ध- जौनपुर की ओर अग्रसर हुमायूँ की सेना एवं महमूद लोदी की सेना के बीच अगस्त 1532 ई. में देवरा नामक स्थान पर हुआ इसमें महमूद की पराजय हुई।

चौसा का युद्ध- 26 जून, 1539 ई. को हुमायूँ एवं शेर खाँ की सेनाओं के मध्य गंगा नदी के उत्तरी तट पर स्थित चौसा नामक स्थान पर हुआ। यह युद्ध हुमायूँ अपनी कुछ गलतियों के कारण हार गया। चौसा के युद्ध में सफल होने के बाद शेर खां ने अपने को शेरशाह की उपाधि से सुसज्जित किया।

कन्नौज का युद्ध- बिलग्राम या कन्नौज में लड़ा गया, इस लड़ाई में हुमायूँ के साथ उसके भाई हिन्दाल एवं अस्करी भी थे, फिर भी पराजय ने हुमायूँ का पीछा नहीं छोड़ा। यह युद्ध 17 मई, 1540 को लड़ा गया।

सरहिन्द का युद्ध- 22 जून, 1555 को हुआ इस संघर्ष में अफगान सेना का नेतृत्व बैरम खां ने किया, इसमें हुमायूँ को सफलता मिली।

हुमायूँ ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण 1532 ई. में किया था। हुमायूँ का मकबरा दिल्ली में स्थित है। हुमायूँनामा की रचना हुमायूँ की बहन गुलबदन बेगम ने किया था।

122. 'हुमायूँनामा' की रचना किसने की थी?

(a) बाबर (b) हुमायूँ
(c) गुलबदन बेगम (d) जहाँगीर

उत्तर–(c) **42nd BPSC (Pre) 1997-98**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

123. हुमायूँ ने चुनार दुर्ग पर प्रथम बार आक्रमण कब किया?

(a) 1532 ई. (b) 1531 ई.
(c) 1533 ई. (d) 1536 ई.

उत्तर–(a) **48th – 52nd BPSC (Pre) 2007-08**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

124. हुमायूँ का मकबरा कहाँ स्थित है?

(a) इलाहाबाद (b) दिल्ली
(c) जौनपुर (d) पानीपत

उत्तर-(b) **31st Bihar J (Pre) 2020**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

125. 26 जून, 1539 को शेरशाह और हुमायूँ के बीच युद्ध कहाँ लड़ा गया था?

(a) तेलियागढ़ी (b) रोहतास
(c) चुनार (d) चौसा
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-2018**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

126. निम्नलिखित में से किस सुल्तान ने पहले 'हजरते आला' (Hazrat-i-Ala) की उपाधि अपनाई और बाद में 'सुल्तान' की?

(a) बहलोल लोदी (b) सिकन्दर लोदी
(c) शेरशाह सूरी (d) इस्लाम शाह सूरी

उत्तर-(c) **44th BPSC (Pre) 2000-01**

व्याख्या- बंगाल के शासक नुसरतशाह को हरा कर शेरशाह सूरी ने 'हजरते आला' और चौसा के युद्ध में हुमायूँ को पराजित करके शेरशाह की उपाधि धारण की। 1529 ई. में नुसरत शाह ने दक्षिण बिहार पर आक्रमण किया किन्तु शेर खाँ ने उसे परास्त किया। शेरशाह ने प्रशासन की इकाई के रूप में परगना का विकास किया। शेरशाह के बारे मे आर.पी. त्रिपाठी ने कहा है कि वह भारत का एकीकरण करने के बाद मध्य पूर्व व पश्चिम एशिया का एकीकरण करना चाहता था। एच.जी. कीन ने कहा है कि शेरशाह ने जितनी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया उतनी किसी भी सरकार ने नही दिया। इस्लाम शाह सूर ने अपनी सैन्य टुकड़ियों को दो सौ, दो सौ पचास, पाँच सौ की इकाईयों में विभाजित किया था।

127. इन शासकों में से किसने अपनी सैन्य टुकड़ियों को दो सौ, दो सौ पचास एवं पाँच सौ की इकाइयों में विभाजित किया था?

(a) बहलोल लोदी (b) सिकन्दर शाह
(c) शेरशाह (d) इस्लाम शाह
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **64th BPSC (Pre) 2018-19**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

128. मध्यकालीन बिहार में बुनियादी प्रशासनिक इकाई के रूप में 'परगना' को किसने विकसित किया?

(a) बख्तियार खलजी (b) इब्राहिम खाँ
(c) शेरशाह सूरी (d) अकबर
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(c) **BPSC Auditor (Pre) 2021**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

129. 'किसी भी सरकार ने नहीं और अंग्रेजों ने भी नहीं जितना कि इस पठान ने काफी बुद्धिमत्ता का परिचय दिया।' शेरशाह सूरी के बारे में ये शब्द किसने लिखे?

(a) एच. जी. कीन (b) के. आर. कानूनगो
(c) डब्ल्यू. एच. मोरलैंड (d) वी. ए. स्मिथ
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC CDPO 2021

Ans. (a) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

130. 'भारत के एकीकरण के बाद वह मध्य-पूर्व और पश्चिम एशिया को एक करना चाहता था जो एक विश्व साम्राज्य की स्थापना की और एक महत्वपूर्ण कदम था।' आर.पी. त्रिपाठी ने मुगलकालीन भारत के किस सम्राट के बारे में वह लिखा?

(a) बाबर (b) शेरशाह सूरी
(c) अकबर (d) औरंगजेब
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

BPSC CDPO 2021

Ans. (b) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

131. 1529 में किसने दक्षिण बिहार पर आक्रमण किया लेकिन शेर खाँ के द्वारा परास्त किया गया?

(a) नुसरत शाह (b) जलाल खां
(c) बहार खां (d) ताज खां

उत्तर-(a) BPSC सांख्यिकी अधिकारी (प्री.) परीक्षा-2016

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

132. कश्मीर घाटी के अंतिम मुस्लिम शासक युसूफ शाह चक, जिन्हें मुगल सम्राट अकबर द्वारा बिहार में निर्वासित किया गया था, दफन हैं?

(a) पाटलिपुत्र में (b) राजगीर में
(c) मुंगेर में (d) नालंदा में
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(d) **65th BPSC (Pre) 2019**

व्याख्या–कश्मीर के अंतिम मुस्लिम शासक यूसूफ शाह चक को बिहार के नालंदा जिले में दफनाया गया था। उल्लेखनीय है कि इन्हें मुगल शासक अकबर द्वारा बिहार से निर्वासित करने और मृत्यु के उपरान्त यहीं दफनाया गया था। बादशाह अकबर ने ही इन्हें अपने सेनापति मानसिंह के सहायक के तौर पर 500 मनसब देकर नालंदा के बेशवक परगना में निर्वासित कर दिया था।
मुगलवंश के शासक अकबर द्वारा सैनिकों की सुगमता से भर्ती करने हेतु मनसबदारी व्यवस्था शुरु की गयी थी। अबुल फजल रचित अकबरनामा 3 खण्डों में विभक्त है जिसका तीसरा भाग 'आइन-ए-अकबरी' है। मध्यकाल में मुगलवंश की पारिवारिक उपाधि 'मिर्जा' थी। महाभारत का फारसी अनुवाद 'रज्मनामा' नाम से किया गया है। पद्मावत ग्रंथ को मलिक मुहम्मद जायसी ने लिखा था।

133. निम्नलिखित में से किस राजवंश द्वारा मनसबदारी प्रथा का आविष्कार किया गया-

(a) खिलजी वंश (b) तुगलक वंश
(c) लोदी वंश (d) मुगल वंश

उत्तर-(d) **Bihar APO GS -2011**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

134. मध्यकालीन भारत में मनसबदारी व्यवस्था क्यों लागू की गई थी?

(a) राजस्व एकत्रित करने हेतु
(b) सैनिकों की सुगमता से भर्ती हेतु
(c) धार्मिक सद्भाव की स्थापना हेतु
(d) स्वच्छ प्रशासन सुनिश्चित करने के लिए
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक

उत्तर-(b) **65th BPSC (Pre) 2019**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

135. अकबरनामा के कितने खण्ड हैं?

(a) दो (b) तीन
(c) चार (d) पाँच

उत्तर-(b) **30th Bihar (J) GS -2018**

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

136. रज्मनामा किस हिन्दी ग्रंथ का फारसी अनुवाद है
(a) रामायण (b) महाभारत
(c) रामचरितमानस (d) कवितावली
उत्तर-(b) 30th Bihar (J) GS -2018
29th Bihar (J) GS -2017

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

137. मध्यकाल में किस वंश की पारिवारिक उपाधि 'मिर्जा' थी?
(a) सैय्यद वंश (b) कर्राना वंश
(c) तुगलक वंश (d) मुगल वंश
उत्तर-(d) Bihar APO GS -2012

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

138. 'आइन-ए-अकबरी' किसके द्वारा लिखी गई थी?
(a) अब्दुल कादिर (b) अकबर
(c) ख्वाजा निज़ामुद्दीन (d) अबुल फ़ज़ल
(e) ऊपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
BPSC Assistant 28.04.2023
67th BPSC(Pre) Nirast 2021

Ans. (d) : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

139. अकबर के दरबार में कौन-सा सुप्रसिद्ध चित्रकार था?
(a) अब्दुस्समद (b) मंसुर
(c) अबुल हसन (d) बिहजाद
उत्तर-(a) 28th Bihar (J) GS -2014

व्याख्या– अकबर के दरबार का प्रसिद्ध चित्रकार अब्दुस्समद था। अकबर ने इसी के अधीन चित्रकला के लिए एक अलग विभाग की स्थापना की थी। अकबर ने अब्दुस्समद को मुल्तान का दीवान नियुक्त किया था। दसवन्त व बसावन भी अकबर के काल के प्रसिद्ध चित्रकार थे। अकबर के ही काल में यूरोपीय चित्रकारी का प्रवेश मुगल दरबार में हुआ। फतेहपुर सीकरी का निर्माण अकबर के काल में हुआ था।

140. 'दसवन्त और बसावन' प्रसिद्ध चित्रकार मुगल सम्राट के राजदरबारी थे :
(a) अकबर (b) जहाँगीर
(c) शाहजहाँ (d) औरंगजेब
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(a) 60th–62nd BPSC (Pre) 2016-17

व्याख्या- उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

141. यूरोपीय चित्रकारी (European paintings) का प्रवेश किसके दरबार में हुआ?
(a) हुमायूँ (b) अकबर
(c) जहाँगीर (d) शाहजहाँ
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(b) 63rd BPSC (Pre) 2017-18

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

142. किस मुगल शासक ने चित्रकारी के लिए विभाग बनवाए?
(a) हुमायूँ (b) अकबर
(c) जहाँगीर (d) शाहजहाँ
(e) उपर्युक्त में से कोई नहीं/उपर्युक्त में से एक से अधिक
उत्तर-(b) 66th BPSC (Pre) 2020

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

143. निम्नलिखित में से फतेहपुर सीकरी के निर्माण का श्रेय किसको है-
(a) अकबर (b) जहाँगीर
(c) शाहजहाँ (d) शेख सलीम चिश्ती
उत्तर-(a) Bihar APO GS -2011
Bihar CDPO (प्रा.) परीक्षा-1998

व्याख्या– उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

144. जब्ती प्रणाली किसकी उपज थी?
(a) ग्यासुद्दीन तुगलक (b) सिकन्दर लोदी
(c) शेरशाह (d) अकबर
उत्तर-(c) 39th BPSC (Pre) 1994

व्याख्या–जब्ती प्रणाली मुगलकालीन राजस्व की महत्वपूर्ण प्रणाली थी, इसकी शुरुआत शेरशाह के काल से मानी जाती है। अकबर के शासनकाल में कई बदलावों के बाद इसको अन्तिम रूप से लागू किया गया।

145. 1582 में अकबर ने दीन-ए-इलाही लागू किया था, जो था-
(a) इस्लामिक सिद्धान्त
(b) व्यवहार संहिता
(c) इस्लाम द्वारा प्रभावित हिन्दू कानून
(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं
उत्तर-(b) 27th Bihar (J) GS -2013

व्याख्या– दीन-ए-इलाही 1582 ई. में मुगल सम्राट अकबर द्वारा प्रवर्तित एक समरूप धर्म था। जिसमें सभी धर्मों के मूल तत्वों को डाला गया। इसमें प्रमुख हिन्दू और इस्लाम धर्म थे। दीन-ए-इलाही सही मायनों में धर्म न होकर एक आचार संहिता के समान था। इसमें भोग, घमण्ड, निंदा, दोष लगाना वर्जित था। इस संप्रदाय का प्रधान पुरोहित अबुल फजल था। हिन्दुओं में केवल बीरबल ने इस धर्म को स्वीकारा। 1583 ई. में अकबर ने नया संवत् 'इलाही संवत' प्रारम्भ किया। अकबर ने 'सुलह-ए-कुल' की नीति को अपनाया था। इसी नीति के तहत अकबर ने तीर्थयात्रा कर को 1563 ई. में समाप्त कर दिया था। अकबर के ही काल में ईस्ट इण्डिया कंपनी का गठन 31 दिसम्बर 1600 ई. में हुआ था। मुगल काल में 'मदद-ए-माश' विद्वानों को दिया जाने वाला भूमिदान था जो आनुवांशिक और स्थायी प्रकृति का था, इसे 'सयूरगल' या 'मिल्क' नाम से भी जाना जाता था।

146. मुगल प्रशासन में 'मदद-ए-माश' इंगित करता है-
(a) चुंगी कर (Toll tax)
(b) विद्वानों को दी जाने वाली राजस्व मुक्त अनुदत्त भूमि
(c) सैन्य अधिकारियों को दी जाने वाली पेन्शन
(d) बुवाई कर (Cultivation tax)
उत्तर-(b) 46th BPSC (Pre) 2003-04

व्याख्या : उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।

147. निम्नलिखित में से किस मुस्लिम शासक ने तीर्थयात्रा कर (Pilgrimage tax) समाप्त कर दिया था?
(a) बहलोल लोदी (b) शेरशाह
(c) हुमायूँ (d) अकबर
उत्तर-(d) 53rd – 55th BPSC (Pre) 2011

व्याख्या – उपर्युक्त प्रश्न की व्याख्या देखें।